दैनिक

सुप्रभात रायपुर

# प्रतिदिन राजधानी

आम आदमी का खास अखबार

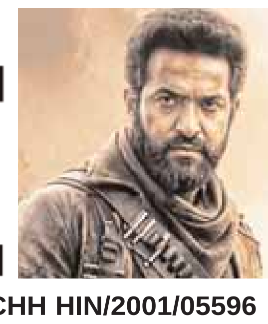

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी ▸ प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी ▸ वर्ष : 26 ▸ अंक : 122 रायपुर, शुक्रवार, 22 मई 2026 ▸ पृष्ठ : 12 ▸ मूल्य ` 2.00 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444



3 छीसगढ़ बना कृषि सुधारों

जूनियर एनटीआर के दादा ... 8



जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...


## पीएम मोदी ने संस्कृत सुभाषित में मातृभूमि की महिमा का किया वर्णन

**एजेंसी, नई दिल्ली**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमारी मातृभूमि साधना और उपासना के साथ–साथ साहस, शक्ति और सर्व–कल्याण की पुण्यभूमि रही है। उन्होंने कामना की कि महान विरासत और प्राचीन संस्कृति की यह पावन धरती सभी को सदैव सुख–समृद्धि से परिपूर्ण रखे।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को एक्स पर एक संस्कृत सुभाषित साझा किया, यस्यां पूर्वे पूर्वजना विचक्रिरे यस्यां देवा असुरानभ्यवर्तयन् । गवामश्वानां वयसश्च विष्ठा भगं वर्चः पृथिवी नो दधातु ।

इस सुभाषित का अर्थ है कि जिस पवित्र धरती पर हमारे पूर्वजों ने महान कार्य किए, जिस भूमि पर देवताओं ने असुरों पर विजय प्राप्त की, जो भूमि गायों, घोड़ों और पक्षियों आदि समस्त जीवों का आश्रय है, वह पृथ्वी हमें ऐश्वर्य, सौभाग्य, तेज और समृद्धि प्रदान करे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हमारी मातृभूमि की महानता, समृद्धि और दिव्यता का वर्णन करता है। यह भूमि केवल आध्यात्मिक साधना की ही नहीं, बल्कि पराक्रम, शक्ति और लोककल्याण की भी आधारभूमि रही है।

## पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड हमज़ा बुरहान मारा गया

**एजेंसी, नई दिल्ली**

जम्मू–कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड हमज़ा बुरहान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मुजफ्फराबाद में अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में मारा गया। उसे कई गोलियां लगीं। हमले के बाद उसके साथियों ने उसे तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विदेशी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 27 साल का हमज़ा बुरहान भारत में प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल–बद्र से जुड़ा था। उसका पूरा नाम अरजुमंद गुलजार डार था, जिसे उसके सर्किल में 'डॉक्टर' के नाम से भी जाना जाता था। पुलवामा के रत्नीपुरा इलाके के ग्राम खरबतपोरा में पैदा हुआ हमज़ा 2017 में उच्च शिक्षा के बहाने पाकिस्तान चला गया था। बाद में वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल–बद्र में शामिल हो गया और आखिरकार कमांडर के रैंक तक पहुंच गया।

वह कश्मीर घाटी में कई आतंकी हमलों में शामिल था। हमज़ा 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा आतंकी हमले के मास्टरमाइंड में से एक था। उसे पीओके मुजफ्फराबाद में अज्ञात बंदूकधारियों ने मार गिराया। हमलावरों ने मुजफ्फराबाद स्थित एआईएमएस कॉलेज के बाहर उस पर ताबड़तोड़ फायरिं की जिसमें वह गिर पड़ा।

## खरगे, सोनिया, राहुल व अन्य ने दी पूर्व पीएम राजीव गांधी को श्रद्धांजलि

**एजेंसी, नई दिल्ली**

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर आज यहां वीर भूमि में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वीर भूमि पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, सांसद और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन।

वीर भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने राजीव गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और कुछ देर मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। खरगे ने राजीव गांधी को 21वीं सदी के आधुनिक भारत की नींव रखने वाला दूरदर्शी नेता बताया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने युवा भारत की शक्ति पर भरोसा करते हुए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की।

### जिला चिकित्सालय सूरजपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी सौगात

## मुख्यमंत्री साय ने किया अत्याधुनिक सीटी स्कैन सुविधा का वर्चुअल शुभारंभ

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)**

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार के अवसर पर जिला चिकित्सालय सूरजपुर में 32 स्लाइस अत्याधुनिक सीटी स्कैन मशीन का वर्चुअल शुभारंभ किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, सीजीएमएससी तथा मुख्यमंत्री शासकीय अस्पताल रूपांतरण कोष के माध्यम से लगभग 449.99 लाख रुपये की लागत से यह सुविधा स्थापित की गई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह पहल जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती प्रदान करेगी और आम नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह अत्याधुनिक सीटी स्कैन सुविधा सूरजपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

सीटी स्कैन सुविधा प्रारंभ होने से सूरजपुर जिले की लगभग 9 लाख 11 हजार आबादी के साथ–साथ पड़ोसी जिलों के मरीजों को भी सीधा लाभ मिलेगा। अब सड़क दुर्घटनाओं में हेड इंजरी, मस्तिष्क में रक्तस्राव या खून का थक्का जमना, कैंसर, ट्यूमर, स्ट्रोक (पैरालिसिस), छाती संबंधी संक्रमण, पेट की गंभीर बीमारियां तथा मिर्गी जैसी जटिल बीमारियों की जांच जिला चिकित्सालय में ही संभव हो सकेगी।

अब तक इन जांचों के लिए मरीजों को अंबिकापुर रेफर किया जाता था, जिससे समय और आर्थिक दोनों प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नई सुविधा शुरू होने से मरीजों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी तथा निजी केंद्रों की तुलना में काफी कम दर पर सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

## माना एयरपोर्ट में बड़ा हादसा : 30 फीट ऊंचाई से गिरकर इलेक्ट्रीशियन की मौत

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)**

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में आज गुरुवार एक दर्दनाक हादसा हो गया। एयरपोर्ट परिसर में चल रहे मेंटेनेंस कार्य के दौरान एक इलेक्ट्रिशियन करीब 30 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद एयरपोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया और कर्मचारियों में दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार एयरपोर्ट टर्मिनल की सीलिंग मरम्मत का कार्य चल रहा था। इसी दौरान इलेक्ट्रिशियन ऊंचाई पर चढ़कर बिजली और सीलिंग से जुड़ा काम कर रहा था। काम के दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नीचे कंक्रीट फर्श पर आ गिरा। गिरने की आवाज सुनते ही मौके पर मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों ने तुरंत उसे उठाकर माना स्थित अस्पताल पहुंचाया।

डॉक्टरों ने घायल कर्मचारी का इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी जान नहीं बच सकी। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी अस्पताल और एयरपोर्ट पहुंची तथा मामले की जांच शुरू कर दी गई।

वहीं एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से जारी जानकारी में कहा गया कि कर्मचारी मेंटेनेंस कार्य के दौरान घायल हुआ था और उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है तथा जांच में पूरा सहयोग किया जा रहा है।

## बंगाल के सभी मदरसों में भी वंदे मातरम गाना अनिवार्य

**एजेंसी, कोलकाता**

पश्चिम बंगाल की बीजेपी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. अब बंगाल के सभी मदरसों में क्लास शुरू होने से पहले प्रार्थना के दौरान वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा. इसके लिए अल्पसंख्यक कार्य और मदरसा शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है. अब मदरसों में पुराने नियमों को बदलते हुए इस आदेश का पालन करना जरूरी होगा. यह नया नियम सरकारी मॉडल मदरसों (इंग्लिश मीडियम) से लेकर सभी सहायता प्राप्त और गैर–सहायता प्राप्त मदरसों पर समान रूप से लागू होगा।

मदरसा एजुकेशन के डायरेक्टर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि पिछले सभी आदेशों और तरीकों को बदलते हुए, पश्चिम बंगाल राज्य में माइनॉरिटी अफेयर्स और मदरसा एजुकेशन डिपार्टमेंट के तहत आने वाले सभी मदरसों यानी सरकारी मॉडल मदरसे, सहायता प्राप्त मदरसे, मंजूर स्स्र्यस्, मंजूर स्स्र्यस् और मान्यता प्राप्त गैर सहायता प्राप्त मदरसे में क्लास शुरू होने से पहले, प्रार्थना के दौरान वंदे मातरम गाना अनिवार्य है।

### देश में बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस हमलावर

## रमेश बोले- आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव की जरूरत

**एजेंसी, नई दिल्ली**

पश्चिम एशिया संकट के चलते देश में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों और महंगाई में आई बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि अब देश को आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव की जरूरत है।

रमेश ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि अब मोदी सरकार के समर्थक भी सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त करने लगे हैं। महंगाई के अनुमान तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विकास दर के आकलन घट रहे हैं, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगातार घट रहा है और आपूर्ति श्रृंखलाओं का प्रबंधन इतना खराब हो गया है कि प्रधानमंत्री को उपभोक्ताओं से खपत कम करने की अपील करनी पड़ रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि निवेश का माहौल बेहद कमजोर है और निजी निवेश दर में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने इसके पीछे कई कारण गिनाए जिनमें वास्तविक मजदूरी का ठहराव, उपभोक्ता मांग की कमी, नीतिगत अस्थिरता और कर अधिकारियों की छापेमारी से पैदा हुआ भय, चीन से आयातित सस्ते माल की वजह से घरेलू उद्योग को नुकसान, सरकार समर्थित अधिग्रहणों से बढ़ती एकाधिकार प्रवृत्ति और कॉरपोरेट जगत को स्वतंत्र निवेश के बजाय राजनीतिक चंदे के जरिए लाभ कमाने की प्रवृत्ति शामिल है।

## नैनीताल जिले में खाई में गिरी कार, पांच लोगों की मौत

**एजेंसी, नैनीताल**

भवाली क्षेत्र के सेनेटोरियम–रातीघाट बाइपास मार्ग पर गुरुवार अपराह्न एक महिंद्रा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में कारसवार पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ही परिवार के चार सदस्य और कार चालक है। ये सभी कैंचीधाम जा रहे थे।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त किया और स्थानीय प्रशासन को यथासंभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए।

नैनीताल पुलिस के अनुसार उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी भूपेंद्र सिंह चुफाल अपनी पत्नी और बच्चों के साथ कैंचीधाम जा रहे थे। सेनेटोरियम–रातीघाट बाइपास रोड पर ढैला गांव से लगभग 500 मीटर पूर्व उनकी कर अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। दुर्घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। राहत अभियान के दौरान एसडीआरएफ एवं पुलिस टीम ने सभी शवों को खाई से निकालकर सड़क तक पहुंचाया। दुर्घटनाग्रस्त कार में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक बच्चा का शव मिला।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान भूपेंद्र सिंह चुफाल (48 वर्ष), उनकी पत्नी सीमा कैड़ा चुफाल (45 वर्ष), पुत्र वासु चुफाल (19 वर्ष), पुत्री रवी चुफाल (12 वर्ष) व वाहन चालक अनुज कुमार मिश्रा (34 वर्ष) के रूप में हुई है। अनुज कुमार मिश्रा पुत्र दया सागर मिश्रा, अफसर नगर एलपीजी गोदाम, आलम नगर लखनऊ के निवासी थे। जिस मार्ग पर दुर्घटना हुई है, वह कैंची धाम के लिए बाइपास के रूप में प्रस्तावित है और अभी इसका निर्माण ही चल रहा है।

## इबोला वायरस को लेकर हवाई अड्डे पर अलर्ट, केंद्र ने जारी किए विशेष निर्देश

**एजेंसी, नई दिल्ली,**

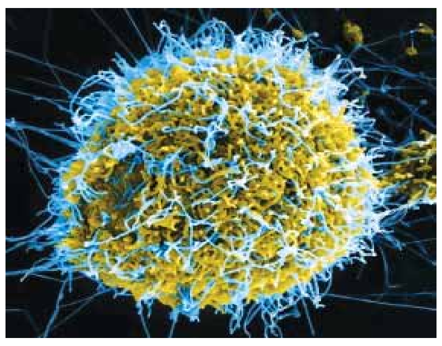

केंद्र सरकार ने इबोला वायरस को लेकर हवाई अड्डों पर विशेष एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों में यदि इबोला से जुड़े लक्षण दिखाई दें तो तुरंत कार्रवाई की जाए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत निदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए जारी परामर्श में यात्रियों को स्पष्ट रूप से बताया है कि उच्च जोखिम वाले देश कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान से आने वाले या वहां से होकर गुजरने वाले यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

डीजीएचएस के परामर्श में बताया गया कि यदि किसी यात्री में बुखार, कमजोरी या थकान, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त या अज्ञात रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे तुरंत एयरपोर्ट स्वास्थ्य अधिकारी या हेल्थ डेस्क को रिपोर्ट करना चाहिए और यह रिपोर्टिंग इमिग्रेशन क्लियरेंस से पहले करनी होगी।

एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि जिन यात्रियों का इबोला रोगी के रक्त या शारीरिक तरल पदार्थों से सीधा संपर्क हुआ है, उन्हें तुरंत स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करना चाहिए। साथ ही ऐसे यात्रियों को आगमन के बाद 21 दिनों तक स्वयं निगरानी करनी चाहिए और यदि कोई लक्षण विकसित हों तो तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।

### अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर तय सीमा से

## अधिक दिव्यांग उम्मीदवारों का चयन गलत : हाई कोर्ट

**बिलासपुर (प्रतिदिन राजधानी)**

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर तय सीमा से अधिक दिव्यांग उम्मीदवारों को केवल उनकी योग्यता के आधार पर नियुक्ति देना कानूनी रूप से गलत है। जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की सिंगल बेंच ने गुरुवार को राज्य सरकार की मेरिट लिस्ट की समीक्षा कर 90 दिनों के भीतर दोबारा मेरिट लिस्ट तैयार करने कहा है।

दरअसल, उमेश कुमार श्रीवास व अन्य ने इस मामले में याचिका दायर की थी। इस याचिका में कहा गया कि लोक शिक्षण संचनालय ने बीते 9 मार्च 2019 को व्याख्याता, शिक्षक और सहायक शिक्षकों के खाली पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस भर्ती में ओबीसी वर्ग के याचिकाकर्ताओं ने भी मेरिट सूची में अपना स्थान बनाया था। लेकिन जब चयन समिति ने प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी की तो ओबीसी केटेगरी के पदों पर सात प्रतिशत की तय सीमा से कहीं ज्यादा दिव्यांग उम्मीदवारों को चुन लिया गया, जिससे सामान्य ओबीसी उम्मीदवारों का हक प्रभावित हुआ।

उच्च न्यायालय ने सुनवाई के दौरान कहा कि चुनाव समिति द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया पूरी तरह गलत है। इस प्रक्रिया से सभी श्रेणियों के

## तमिलनाडु में नए मंत्रियों को विभागों का आवंटन

**एजेंसी, चेन्नई**

तमिलनाडु में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) सरकार का गुरुवार को विस्तार हुआ। तमिलनाडु सरकार के मंत्रिमंडल में नए 23 मंत्रियों को शामिल किया गया है।

### मंत्रियों और उनके विभागों की सूची

1. श्रीनाथ – मत्स्य पालन एवं मछुआरा कल्याण विभाग2. एस.कमाली – पशुपालन विभाग3. सी.विजयलक्ष्मी – डेयरी विकास विभाग4. आर.वी. रंजीतकुमार – वन विभाग5. विनोथ – कृषि एवं किसान कल्याण विभाग6. राजीव– पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग7. पी. राजकुमार– आवास एवं शहरी विकास विभाग8. वी. कंधिराज – सहकारिता विभाग9. पी. मथन राजा – सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग10. के. जगतीश्वरी – समाज कल्याण विभाग11. एस. राजेशकुमार – पर्यटन विभाग12. एम. विजय बालाजी – हथकरघा, वस्त्र एवं खादी विभाग13. टी. लोकेश तमिलसेल्वन – वाणिज्य कर एवं पंजीकरण विभाग14. ए.विजय तमिलन पार्थीबन – परिवहन विभाग15. रमेश – हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग16. पी. विश्वनाथन – उच्च शिक्षा विभाग17. आर. कुमार – कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग18. के. थेन्नारासु – प्रवासी तमिल कल्याण विभाग19. वी. संपतकुमार – पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग20. जे. मोहम्मद परवाज – श्रम कल्याण एवं कौशल विकास विभाग21. टी. सरथकुमार – मानव संसाधन प्रबंधन विभाग22. एन. मारिया विल्सन – वित्त, योजना एवं विकास विभाग23. के. विग्नेश – निषेध एवं आबकारी विभाग।

### कचना रेलवे ओवरब्रिज लोकार्पण

## कार्यक्रम के दौरान यातायात मार्ग परिवर्तित

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)**

आज शुक्रवार को शाम 5:00 बजे से 8:00 बजे के मध्य कचना रेलवे ओवरब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है। कार्यक्र म के दौरान खम्हारडीह से कचना एवं कचना से खम्हारडीह की ओर जाने वाले वाहनों का आवागमन सुचारू बनाए रखने हेतु यातायात मार्ग में अस्थायी परिवर्तन किया गया है।

### यातायात व्यवस्था निम्नानुसार रहेगी–

1. अनुपम नगर से खम्हारडीह कचना की ओर जाने वाले वाहन चालक:– अनुपम नगर – श्री राम नगर ओवर ब्रिज– अशोक रतन– बीएसएनएल कार्यालय– कचना रेलवे फाटक से बाएं मुड़कर कचना मार्ग की ओर आवागमन कर सकेंगे।

2. कचना से खम्हारडीह की ओर जाने वाले वाहन चालक :– कचना रेलवे फाटक से पहले दाहिने मुड़कर बीएसएनएल कार्यालय– अशोक रतन –श्री राम नगर ओवर ब्रिज– अनुपम नगर चौक होकर आवागमन कर सकेंगे।

उक्त मार्ग से आवागमन करने वाले नागरिकों से अपील है कि अनुपम नगर चौक से अशोक रतन मार्ग पर यातायात का अत्यधिक दबाव रहने की संभावना है। अतः अत्यावश्यक कार्य न होने पर उक्त मार्ग का उपयोग करने से बचें। आवश्यक होने पर समय पूर्व आवागमन कर असुविधा से बचें।

## बलौदाबाजार में बायसन के हमले से एक ग्रामीण की मृत्यु, वन विभाग ने दी तत्काल सहायता

**रायपुर।** वन विकास निगम परियोजना परिक्षेत्र रवान अंतर्गत मंगलवार को तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गए ग्रामीणों पर बायसन के हमले में एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बलौदा बाजार की वन विभाग टीम एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई। परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी रवान द्वारा मृतक के परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि 25,000 प्रदान की गई है। साथ ही शासन के प्रावधान अनुसार मृतक के परिवार को देय क्षतिपूर्ति राशि भी प्रदान की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बायसन के हमले में तीन ग्रामीण घायल हो गये। इस घटना में ग्राम गजराडीह निवासी देवेन्द्र साहू (उम्र 45 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।

### नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पोठियावाला सायमा परवीन याकूब भाई पिता याकूब भाई निवासी क्वा. नं. 122 जनता कालोनी पुराना राजेन्द्र नगर रायपुर तह. व जिला रायपुर (छ.ग.) यह शपथ करती हूं कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम सायमा धनानी पति इरफान धनानी रख ली हूं। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम सायमा धनानी पति इरफान धनानी से ही जाना पहचाना जावे।

**सायमा धनानी**
क्वा. नं. 122 जनता कालोनी
पुराना राजेन्द्र नगर रायपुर तह. व
जिला रायपुर (छ.ग.)

### शपथ पत्र

मै शपथकर्ता श्री आकास साहू पिता श्री जीवन साहू निवासी :– परशुराम नगर एस.एस. पैलेस के पास प्रोफेसर कालोनी रायपुर तह व जिला रायपुर छ.ग. का रहने वाला हूँ जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करता हूँ कि :–

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है जो कि सत्य व सही है।

2. यह कि मेरे पुत्री मौरवी साहू MAURVI SAHU का जन्म दिनांक 04/08/2024 को हो चुका है जिसका जन्म प्रमाण पत्र बनवाया गया है।

3. यह कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री का नाम हारिका साहू HARIKA SAHU दर्ज अंकित हो चुका है जो कि गलत व भूलवश नाम दर्ज अंकित है।

4. यह कि मेरी पुत्री का नाम जन्म प्रमाण पत्र में हारिका साहू HARIKA SAHU दर्ज अंकित है जिसे सुधारकरण विलोपित कर सही नाम मौरवी साहू MAURVI SAHU दर्ज अंकित किया जावे व नया जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावे।

सत्यापन :–

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि शपथपत्र कि कण्डिका 01 से 04 तक कि बाते सत्य व सही है अपना हस्ताक्षर कर दिया जा रहा है।

शपथकर्ता
आकास साहू

### शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता श्री हसीब खान, उम्र 48 वर्ष, पिता– श्री जहीर खान, निवासी –फव्वारा चौक मनेन्द्रगढ़ कोरिया, तहसील व जिला कोरिया छ.ग. पिन नंबर – 497442, जो कि निम्नलिखित कथन पेश करता हूँ कि :–

1. यह कि मेरा उपरोक्तानुसार नाम व पता सत्य एव सही है।

2. यह कि मेरा पुत्र अहिल खान के जन्म प्रमाण पत्र में उनका नाम खान अंकित त्रुटिवश है । जबकि मेरे पुत्र का सही नाम मोहम्मद आदिल खान (MOHAMMAD ADIL KHAN) है ।

3. यह कि मेरे पुत्र मोहम्मद आदिल खान (MOHAMMAD ADIL KHAN) का जन्म 13/01/2021 को जिला हॉस्पिटल कालीबाड़ी रायपुर छ.ग. में हुआ है।

यह कि, मेरे पुत्र का सही नाम मोहम्मद आदिल खान (MOHAMMAD ADIL KHAN) उनके जन्म प्रमाण पत्र में सुधारने के सबंध में यह शपथ पत्र संबंधित अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत है।

// सत्यापन //

उपरोक्त शपथ पत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 04 तक में वर्णित समस्त जानकारी मेरे ज्ञान अनुसार सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता
श्री हसीब खान

### न्यायालय तहसीलदार (नजूल) तिल्दा नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)

**ईस्तहार**

रा.प्र.क्रमांक /..../ अ–20 (1) वर्ष 2025–2026
ग्राम नेवरा प.ह.नं. 18

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बजरंग शर्मा एवं रामावतार शर्मा दोनों पिता स्व श्री नारायणलाल शर्मा निवासी श्याम प्रसाद मुखर्जी वार्ड, तिल्दा–नेवरा, तहसील तिल्दा–नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं कि ग्राम तिल्दा स्थित नजूल पटटे से प्राप्त भूमि का खसरा नं. 244/3, का रकबा 1460 वर्गफुट भू–खण्ड क्रं. 15022/3, शीट नं. 05 उक्त पट्टे की वैधता 31/03/2024 समाप्त हो चुकी है उक्त भूमि को क्रय हक में प्राप्त किया हैं। उक्त नजूल पट्टे से प्राप्त भूमि की पुनः अपने नाम से नवीनीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। आवेदक द्वारा पट्टे की छायाप्रति सहित तलवाना की प्रति प्रस्तुत किया गया हैं। जिसकी सुनवाई दिनांक 25/05/2026 को नियत है।

इस संबध मे जिस किसी भी व्यक्ति को दावा / आपत्ति यदि हो तो वह स्वयं या अभिभाशक या अपने विधिमान्य अभिकर्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथी बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 14/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया ।

मुहर
तहसीलवार (नजूल)
तिल्दा नेवरा

### न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

**// ईश्तहार//**

रा.प्र. क्रमांक / /अ–06/2025–26
रायपुर, दिनांक 21/05/2026
ग्राम– भाठागांव, प.ह.नं.–60,
तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक श्री महेन्द्र साहू पिता शंकर लाल साहू निवासी विवेकानंद आश्रम, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.), द्वारा इस न्यायालय में धारा–110 छ.ग. भू–राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम भाठागांव प.ह.नं. 60, तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि जिसका खसरा नंबर 109/156, रकबा 500 वर्गफुट भूमि है वर्तमान में राजस्व अभिलेख पर विक्रेता के नाम दर्ज है उपरोक्त वर्णित भूमि को आवेदक ने विक्रेता अभिषेक सोनकर पिता उदलराम सोनकर निवासी ठाकुरदेव पारा भाठागांव रायपुर, से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 01.06.2022 विक्रय विलेख पंजीयन के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। अतः उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपना नाम भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 01/06/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 01/06/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21/05/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

### छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
### कार्यालय कार्यपालन अभियंता
### जल संसाधन संभाग, कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

**निविदा निरस्तीकरण आदेश**

आदेश क्र./2615 / व.ले.लि./2026–27 कोटा, दिनांक 19/05/2026

निविदा सूचना क्र. 13/व.ले.लि./2025–26 दिनांक 04.02.2026 सिस्टम नं. 184824 (प्रथम आमंत्रण) 'बिलासपुर जिले के विकासखण्ड कोटा अंतर्गत भैंसाझार उद्वहन सिंचाई योजना का निर्माण कार्य' अनुमोदित लागत राशि रू. 341.67 लाख की निविदा को मुख्य अभियंता हसदेव कछार जल संसाधन विभाग बिलासपुर (छ.ग.) के पत्र क्र. सा–1–102 का 2025/875 बिलासपुर दिनांक 13.05.2026 (जी नं. 252606469/1 दिनांक 07.02.2026) के परिपेक्ष्य में उक्त निविदा निरस्त की जाती है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग कोटा
जिला–बिलासपुर (छ.ग.)

G-262700895/8

# स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन

**विद्यार्थियों को मिलेंगी बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं**

**रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)**

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने दीपक नगर दुर्ग स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। बढ़ती छात्र संख्या एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में नए कक्षों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह निर्माण कार्य विद्यालय की वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण एवं सर्वसुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है। स्वामी आत्मानंद विद्यालय के माध्यम से विद्यार्थियों को अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक संसाधन एवं बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि वे भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए सक्षम बन सकें। विद्यालयों में अधोसंरचना विकास, आधुनिक शिक्षण सुविधाओं एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भूमिपूजन कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक सुरेंद्र कौशिक, जनप्रतिनिधिगण, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालय परिवार एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे ।

# कलेक्टर लंगेह ने गांव की गलियों में किया ट्रांजेक्ट वॉक

**महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी**

जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास एवं उनकी मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के उद्देश्य से आयोजित जनजातीय गरिमा उत्सव के अंतर्गत जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा गुरुवार को विकासखंड बागबाहरा के ग्राम जोरातराई एवं ग्राम रैताल में ट्रांजेक्ट वॉक कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया गया। कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ गांव की गलियों, बस्तियों एवं सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कर स्थानीय परिस्थितियों का अवलोकन किया तथा जनजातीय परिवारों की समस्याओं, आवश्यकताओं एवं विकास संबंधी अपेक्षाओं को विस्तार से समझा। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के बीच बैठकर चौपाल लगाई और जनजातीय गरिमा उत्सव के उद्देश्य, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की जानकारी दी। कलेक्टर ने कहा कि गांवों की वास्तविक आवश्यकताओं को समझकर ही प्रभावी एवं स्थायी विकास संभव है। इसी उद्देश्य से ट्रांजेक्ट वॉक के माध्यम से गांव की मूलभूत जरूरतों, अधोसंरचना, पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों एवं स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर शीघ्र ही समग्र कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिससे जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जा सके।

# कृषि महाविद्यालय का 66वां स्थापना दिवस आज

**रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)**

कृषि महाविद्यालय रायपुर के लिए कल का दिन ऐतिहासिक तथा अविस्मरणीय होगा जब यहां इतिहास, वर्तमान एवं भविष्य एक साथ मिलेंगे। कृषि महाविद्यालय, रायपुर कल 22 मई को महाविद्यालय का 66वां स्थापना दिवस मना रहा है। महाविद्यालय के 66वें स्थापना दिवस को भव्य एवं वृहद रूप से मनाने के लिए इस अवसर पर वार्षिक समारोह, छात्र संघ शपथ ग्रहण, पूर्व अधिष्ठाता सम्मान तथा पूर्व छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत महाविद्यालय के प्रथम बैच के तीन विद्यार्थियों के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के खास मुकाम हासिल करने वाले भूतपूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही महाविद्यालय के सात पूर्व अधिष्ठाताओं और इसी महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति, कुलसचिव तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों का भी सम्मान किया जाएगा। सम्मान समारोह के पश्चात आयोजित वार्षिक समारोह में कृषि महाविद्यालय, रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक रंगा–रंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी जो महाविद्यालय की प्रतिभा, सृजनशीलता और सांस्कृतिक समृद्धि को रूपांकित करेंगी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कृषक सभागार में कल दोपहर 2 बजे से आयोजित स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल होंगे। इस अवसर पर नवगठित छात्र संघ के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

# लालपुर थाना में आयोजित हुआ समाधान शिविर

**रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप शासकीय योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के साथ ही सुशासन को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर उन्हें शासकीय योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इसी कड़ी में मुंगेली जिले के लोरमी विकासखण्ड के ग्राम लालपुरथाना स्थित शासकीय हाईस्कूल मैदान में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान लालपुरथाना क्लस्टर के 29 गॉवों के आमजन शामिल हुए और योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य कुंती जायसवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। अतिथियों ने स्टॉलों का अवलोकन कर आमजनों को पात्रतानुसार लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

# बिजली की कड़क ने छीने थे पैर, सुशासन ने दी आत्मनिर्भरता की नई उड़ान

**रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)**

जब शासन संवेदनशील हो और नीतियां जन–सरोकार से जुड़ी हों, तो आपदा से हारा इंसान भी दोबारा सम्मान से सिर उठाकर जीने की ताकत पा लेता है। धमतरी जिले के ग्राम पीपरछेड़ी में आयोजित समाधान शिविर इसका जीवंत उदाहरण बना। आकाशीय बिजली की एक गड़गड़ाहट ने ग्राम पीपरछेड़ी निवासी शिवचरण कंवर की जिंदगी को मानो एक पल में थाम दिया था। वर्ष 2022 में हुई इस दर्दनाक दुर्घटना में शिवचरण ने अपने दोनों पैरों की सक्रियता खो दी। जो हाथ कभी कड़ी मेहनत कर परिवार का भरण–पोषण करते थे, वे अचानक दूसरों के सहारे के मोहताज हो गए। घर की कमजोर आर्थिक स्थिति और शारीरिक असमर्थता ने शिवचरण को गहरे अवसाद में धकेल दिया था। लेकिन छत्तीसगढ़ शासन के %सुशासन तिहार% ने उनकी जिंदगी का रुख मोड़ दिया है।

**समाधान शिविर से मिला नया जीवन**

ग्राम पीपरछेड़ी में आयोजित राज्य शासन के समाधान शिविर% में शिवचरण की इस लाचारी को बेहद संवेदनशीलता से सुना गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शिवचरण को तुरंत मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान की। बैटरी चलित इस ट्राईसाइकिल की चाबी जैसे ही शिवचरण के हाथों में आई, उनके चेहरे पर खोया हुआ आत्मविश्वास लौट आया। भावुक होते हुए शिवचरण ने कहा कि आकाशीय बिजली ने मुझसे मेरे पैर छीन लिए थे, मुझे लगता था कि अब मैं जिंदगी भर एक कमरे में कैद रह जाऊंगा। लेकिन आज इस मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल ने मुझे फिर से अपने पैरों पर खड़ा कर दिया है।

### न्यायालय अति. तहसीलदार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

// सूचना–पत्र (नोटिस) / /

क्रमांक/क/वाचक/अति. तहसीलदार/2026
रायपुर, दिनांक 13/05/2026

प्रति,
श्रीमती कमला जाधव पति श्री शंकर राव जाधवा निवासी न्यू आनंद नगर, भनपुरी बीरगांव रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. ।

द्वारा :– जमादारमाल तहसील कार्यालय रायपुर के माध्यम से माध्यम से तामिली हेतु।

इस नोटिस के जरिये आपको सूचना दी जाती है कि आवेदक श्री पवन दास मानिकपुरी पिता खेदू राम मानिकपुरी निवासी वार्ड नंबर 11, पोस्ट कुंवा गोपालपुर, बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा–110 छ.ग. भू–राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम भनपुरी प.ह.नं. 39 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 237/103 रकबा 500 वर्गफुट भूमि को विक्रेता श्रीमती कमला जाधव पति श्री शंकर राव जाधवा निवासी न्यू आनंद नगर, भनपुरी बीरगांव रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 23/05/2025 के माध्यम से प्राप्त किया गया है। अतः उक्त पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर प्रश्नाधीन भूमि को आवेदक अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। उक्त भूमि के आप अभिलिखित भूमिस्वामी है। जिसपर सुनवाई दिनांक 28/05/2026 को नियत है।

अतः आप नियत सुनवाई तिथि 28/05/2026 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा प्रकरण में आपके विरूद्ध विधिवत् एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 13/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 8)

मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./31390/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 21/05/2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 31390**
**वार्ड का नाम -2- पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802I00752 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती CHITTURI PADAMAVATHI पिता/पति श्री/श्रीमती LT. CHITTURI RAM PRASAD के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT RITA SONPIPRE पिता/पति श्री/श्रीमती SHRI NIRAKAR SONPIPRE ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 8)

मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./31393/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 21/05/2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 31393**
**वार्ड का नाम -20- रामकृष्ण परमहंस वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802C00628 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MENKA VERMA W/O OM PRAKASH VERMA , OM PRAKASH VERMA S/O JAGESHWAR VERMA पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT SUNITA SHARMA पिता/पति श्री/श्रीमती SHRI KAMLESH SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल :– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 31337/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/05/2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 31337**
**वार्ड का नाम - 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446J00793 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती HARDEEP KAUR पिता/पति श्री/श्रीमती BALVINDER SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती अनिता ठाकुर पिता/पति श्री/श्रीमती पति श्री किशोर ठाकुर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्र. 10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल :– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 27063/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/05/2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 27063**
**वार्ड का नाम - 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446N1140A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती TANIKRAM SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती LT. BODHI RAM SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री द्वारिका प्रसाद साहू पिता/पति श्री/श्रीमती पिता श्री टानिक राम साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र, आधार टैक्स, शपथ पत्र सहमति पत्र मलमा बिक्री नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्र. 10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल :– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 31344/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/05/2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 31344**
**वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652G4A059 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती 1. YUGAL KUKREJA , 2. PRADEEP KUKREJA , 3. NITIN KUKREJA पिता/पति श्री/श्रीमती P.KUKREJA , LALCHAND KUKREJA , SURESH KUKREJA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. श्री निशांत सिंह चंदेल 2. श्रीमती रश्मि सिंह पिता/पति श्री/श्रीमती 1. पिता श्री बी.बी. सिंह 2. पति श्री निशांत सिंह चंदेल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्र. 10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल :– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 27062/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/05/2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 27062**
**वार्ड का नाम - 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446N01140 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती GOVT NAZUL LAND TANIKRAM SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती LT. BODHI RAM SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री भोज राज साहू पिता/पति श्री/श्रीमती पिता श्री टानिक राम साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र, आधार टैक्स, शपथ पत्र सहमति पत्र मलमा बिक्री नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्र. 10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

–: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर :–
ई–मेल :– rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 31053/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/05/2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 31053**
**वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651E00736 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती KAMALCHAND GOLECHHA HUF पिता/पति श्री/श्रीमती KAMALCHAND GOLECHHA HUF के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती MR. MANOJ KUMAR JAIN पिता/पति श्री/श्रीमती S/O MR. KAMAL CHAND JAIN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

**(जोन कमिश्नर)**
**जोन क्र. 10**
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**

## 22 नए डायल 112 वाहनों की सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कोरबा जिले को 22 नए डायल 112 वाहनों की सौगात प्राप्त हुई है। आज बुधवार कोरबा में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने औपचारिक कार्यक्रम में इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये आधुनिक वाहन उन्नत तकनीक से लैस हैं, जिनमें आधुनिक कैमरा, डैश कैमरा, जीपीएस सिस्टम तथा स्मार्ट मोबाइल उपकरण जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से नागरिकों को किसी भी आपात स्थिति में और अधिक त्वरित, सटीक एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

प्रदेश में छत्तीसगढ़ डायल-112 फेज-दो (नेक्स्ट जेन) के अंतर्गत अब सभी 33 जिलों में अत्याधुनिक आपातकालीन सेवा का विस्तार किया गया है। इस योजना के तहत प्रदेश को कुल 400 अत्याधुनिक इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल प्रदान किए गए हैं। इन वाहनों को 18 मई को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। डायल 112 सेवा के माध्यम से पुलिस, चिकित्सा, अग्निशमन, आपदा प्रबंधन, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं महिला हेल्पलाइन सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं को एकीकृत किया गया है, जिससे नागरिकों को एक ही आपातकालीन सहायता मिल आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ बनाते हुए जिला स्तर उपलब्धता को बेहतर करेगी। कार्यक्रम के दौरान कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल, तथा जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी उपस्थित थे।

# छत्तीसगढ़ बना कृषि सुधारों का राष्ट्रीय मॉडल-मंत्री नेताम

## भुवनेश्वर जोनल कॉन्फ्रेंस में मंत्री रामविचार नेताम ने रखी राज्य की उपलब्धियां, केंद्र ने की सराहना

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 19 मई को आयोजित राष्ट्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ को कृषि नवाचार, किसान कल्याण और टिकाऊ खेती के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय वृद्धि, कृषि विविधीकरण और ग्रामीण समृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने तिलहन मिशन के तहत पूर्वोत्तर पांच राज्यों में छत्तीसगढ़ द्वारा लक्ष्य पूरा करने में पहले स्थान प्राप्त करने पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

मंत्री नेताम ने बताया कि राज्य में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है, जो देश में धान के लिए सबसे पारदर्शी और ऐतिहासिक समर्थन व्यवस्था मानी जा रही है। पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने 437 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी कर किसानों के खातों में लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का सीधा भुगतान किया है।

**भूमिहीन मजदूरों से लेकर डिजिटल खेती तक, छत्तीसगढ़ का व्यापक कृषि विजन**

सम्मेलन में मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार केवल बड़े किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत 5 लाख से अधिक परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता सीधे बैंक खातों में दी जा रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ तेजी से बागवानी और वैकल्पिक खेती के केंद्र के रूप में उभर रहा है। बस्तर में कॉफी, अनासपाती और जशपुर में चाय की खेती आदिवासी क्षेत्रों में नई आर्थिक संभावनाएं खोल रही हैं।

कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने जोनल कॉन्फ्रेंस में बताया कि राज्य में कृषि के क्षेत्र में 128 हाईटेक नर्सरी, 71 कोल्ड स्टोरेज, 63 पैकहाउस और 428 सोलर ड्रायर विकसित किए गए हैं। ऑयल पाम, बांस मिशन, प्राकृतिक खेती, दलहन-तिलहन विस्तार तथा कृषि वानिकी के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 4.89 लाख किसानों को 854 करोड़ रुपये से अधिक की दावा राशि वितरित की गई है। परदेशी ने कॉन्फ्रेंस में बताया कि छत्तीसगढ़ में एआई, ड्रोन तकनीक और एकीकृत किसान पोर्टलों के माध्यम से कृषि व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जा रहा है।

## बस्तर के वनांचल में विकास की बड़ी छलांग

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर कांकेर जिले के सुदूर और वनांचल क्षेत्र अंतागढ़ विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों में शासन द्वारा विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। अंदरूनी क्षेत्रों की तस्वीर बदलने और ग्रामीणों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के अंतर्गत शासकीय मदों से बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा और अधोसंरचना निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई है। क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए चलाए जा रहे इस महा-अभियान में 15वें वित्त, जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ), परियोजना मद, बस्तर विकास प्राधिकरण, मुख्यमंत्री अधोसंरचना संधारण, मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना, गौण खनिज मद, अधोसंरचना पर्यावरण निधि और विधायक निधि जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण योजनाओं के बजट का आपसी समन्वय के साथ उपयोग किया जा रहा है। शासन की इस चौतरफा पहल से जहां एक ओर सुदूर वनांचल में सड़कों, पुल-पुलिया और पेयजल का नेटवर्क मजबूत हो रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए गरीबों को अपने पक्के मकान की सौगात मिल रही है। दूरस्थ अंचलों में आवागमन को सुगम और बारहमासी बनाने के लिए नदी-नालों पर आरसीसी पुलिया और सीसी सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, जिसके मण्डागांव, मंगतासाल्हेभाट, मातला-ब, भैंसासुर, सुरेवाही, ताड़ोकी, जेठेगांव और अर्रा जैसी अनेक पंचायतों में निर्माण कार्य तेज गति से प्रगति पर हैं। ग्रामीण युवाओं को डिजिटल और आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए बड़ेपिंजोड़ी तथा तालाबेड़ा के हायर सेकण्डरी स्कूलों में कंप्यूटर लैब की स्थापना की जा रही है।

# यजल की नियमित जलापूर्ति और शुद्धता की जांच जरूरी- मुख्य सचिव

## राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की अपेक्स कमेटी की बैठक संपन्न

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में नियमित जलापूर्ति और पेयजल की शुद्धता की निरंतर जांच कराने के कड़े निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज यहाँ मंत्रालय (महानदी भवन) में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की अपेक्स कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के क्रियान्वयन की कार्ययोजना, पीएम जनमन कार्यक्रम के तहत पीवीटीजी बसाहटों में पेयजल व्यवस्था, आवश्यक संसाधन, प्रशिक्षण, जनभागीदारी, जल संरक्षण तथा सुजलम भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही, भू-जल के विवेकपूर्ण उपयोग और जल स्त्रोतों की सुरक्षा के लिए श्जल अर्पणश् की नई पहल पर भी विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य सचिव ने कहा कि विभिन्न गांवों और बसाहटों में पानी की टंकियां तथा नल लगाने का काम पूरा होने के बाद अब सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नियमित जलापूर्ति और पानी की गुणवत्ता बनाए रखना है।

ग्राम पंचायतों को नल-जल योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके लिए गठित समितियों में महिलाओं की भागीदारी को अनिवार्य किया गया है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को ग्राम पंचायतों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर सहयोग करने के निर्देश दिए। नल-जल योजनाओं की निरंतर और प्रभावी मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सीधे जिला कलेक्टरों की होगी। मुख्य सचिव ने जल जीवन मिशन 2.0 के तहत गाइडलाइंस के अनुरूप पूर्ण वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार से मिलने वाले फंड का उपयोग केवल स्वीकृत मदों में ही किया जाए। पानी की सप्लाई चौन में किसी भी प्रकार की खराबी को तुरंत सुधारने के लिए उन्होंने सुजलम भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म और पीएम गति शक्ति ऐप के माध्यम से रियल-टाइम ट्रैकिंग करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने एलडब्ल्यूई (नक्सल) प्रभावित एवं दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों में स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने को कहा।

# चार दशक बाद पहली बार गांव पहुंचा प्रशासन, जनगणना कार्य संपन्न

## नक्सल भय को पीछे छोड़ बदलाव और विश्वास की नई कहानी लिख रहा बीजापुर का सुदूर अंचल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

लंबे समय तक नक्सली प्रभाव और भय के कारण विकास की मुख्यधारा से कटा रहा बीजापुर जिले का दारेली गांव, अब बदलाव और विश्वास की नई इबारत लिख रहा है। पिछले चार दशकों से इस क्षेत्र में कोई भी प्रशासनिक गतिविधि नहीं हो पाई थी, यहाँ तक कि वर्ष 2011 की राष्ट्रीय जनगणना से भी यह गांव वंचित रह गया था, लेकिन अब इतिहास बदलते हुए पहली बार जिला प्रशासन की टीम सीधे दारेली गांव पहुंची और वहां सुचारू रूप से जनगणना का कार्य संपन्न कराया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अब उन सुदूरवर्ती गांवों तक पहुंच रही हैं, जहां पहले विकास की कल्पना करना भी बेहद कठिन था।

प्रशासनिक अमले का ऐतिहासिक दौरा और आत्मीय स्वागत इसी कड़ी में कलेक्टर बीजापुर विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नम्रता चौबे, जनगणना प्रभारी अधिकारी मुकेश देवांगन तथा उसूर एसडीएम भूपेंद्र गावरे ने दारेली गांव का सघन दौरा किया। प्रशासनिक अधिकारियों को अपने बीच पाकर ग्रामीणों ने उनका आत्मीय और भावुक स्वागत किया। ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज उन्हें पहली बार यह महसूस हुआ है कि शासन-प्रशासन उनके द्वार तक पहुंचा है। इस दौरान गांव में हुए जनगणना कार्य को ग्रामीणों ने एक ऐतिहासिक और सुखद पहल बताया।

**शिविर लगाकर बुनियादी दस्तावेज बनाने के निर्देश**

कलेक्टर बीजापुर ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और जमीन के पट्टे, आधार कार्ड, बैंक खाते तथा राशन कार्ड जैसे अनिवार्य दस्तावेजों की उपलब्धता की समीक्षा की। कई ग्रामीणों के दस्तावेज अपूर्ण पाए जाने पर उन्होंने मातहत अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव में विशेष शिविर का आयोजन किया जाए, ताकि सभी पात्र ग्रामीणों का शत-प्रतिशत सैचुरेशन (दस्तावेजीकरण) सुनिश्चित हो सके।

मौके पर ही संवेदनशील संज्ञानरू किसान की समस्या का त्वरित समाधान भ्रमण के दौरान एक स्थानीय किसान ने कलेक्टर को अपनी व्यथा सुनाई कि उसके पिता के निधन के बाद भी लंबे समय से जमीन का नामांतरण नहीं हो पाया है।

# नगर पालिक निगम रायपुर

## आयुक्त मिश्रा ने रैन वाटर हार्वेस्टिंग अधिकाधिक स्थानों पर करवाने जोन कमिश्नरो को दिये निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा ने नगर निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा टीएल बैठक लेकर अधिकारियों को विभिन्न आवश्यक विषयो पर कार्य प्रगति की जानकारी लेकर समीक्षा करते हुए निर्देश दिये। आयुक्त संबित मिश्रा ने सभी जोन कमिश्नरो को वर्षा जल संचय हेतु जोन स्तर पर अपने अपने जोन में पंजीकृत जियो हाईड्रोलॉजिस्ट के माध्यम से विभिन्न संगठनों के माध्यम से रैन वाटर हार्वेस्टिंग अधिकाधिक स्थानो पर करने जनजागरण कर कार्यवाही व्यापक रूप से करने के निर्देश दिये है।

आयुक्त ने रायपुर जिला मलेरिया विभाग के साथ समन्वय रखकर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में वेक्टरजनित रोगो की कारगर रोकथाम हेतु जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु आमजनो को इसके लक्षणों, बचाव के उपायो की जानकारी देकर जनजागरण अभियान चलाने, सभी जोनो में समस्त वार्डों में मच्छरो की कारगर रोकथाम हेतु प्रभावी

रूप से एंटी लार्वा फॉगिंग बारिश पूर्व नाले, नालियों की तले तक सफाई अभियान पूर्वक कर सुगम निकास कायम करने के निर्देश सभी जोन कमिश्नरो एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को दिये है।

**नये जलागार निर्माण हेतु रिक्त शासकीय भूमियो को चिन्हित कर प्रस्ताव देने, सभी पानी टैंकरो में जीपीएस लगवाने, सर्वे कर खराब अनुपयोगी हैण्ड पंपो को शीघ्र सुधारने के निर्देश**

आयुक्त ने जोन कमिश्नरों एवं कार्यपालन अभियंताओं को रायपुर नगर निगम क्षेत्र में प्रगतिरत सभी निर्माण व विकास कार्यों को समय सीमा के भीतर मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता के साथ जनहित में पूर्ण करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। आयुक्त संबित मिश्रा ने कार्यपालन अभियंता जल को नगर निगम रायपुर क्षेत्र में रिक्त शासकीय भूमियों का सर्वे कर व्यवहारिक आवश्यकतानुसार गर्मी में जलसंकट दूर करने नये जलागारो के निर्माण का तकनीकी प्रस्ताव सक्षम स्वीकृति हेतु शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है ताकि प्रस्ताव को शासन को शीघ्र भेजा जा सके एवं शासन की स्वीकृति के अनुसार कार्य शीघ्र करवाया जा सके और नागरिको को शीघ्र जलसंकट से राहत प्राप्त हो सके। आयुक्त ने सभी पानी टैंकरो में अनिवार्य रूप से जीपीएस शीघ्र लगवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है। साथ ही वार्डों में सूखे एवं खराब अनुपयोगी हैण्ड पंपो का सर्वे कर खराब अनुपयोगी हैण्ड पंपो में आवश्यक सुधार मरम्मत करवाने के निर्देश दिये है।

आयुक्त ने रायपुर जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार नगर निगम रायपुर क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड से वंचित पात्र हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड बनाने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ समन्वय करके डोर टू डोर सर्वे कर आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड बनाकर वंचित पात्र हितग्राहियों की पहचान कर वय वंदन कार्ड बनाने 25 मई 2026 तक 5 दिवसीय विशेष महाभियान में कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिये है। आयुक्त ने छत्तीसगढ़ राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के प्रथम चरण हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना के दौरान संपत्तिकर अभिलेखो को अद्यतन करने, नवीन संपत्तियों का समावेश करने व कर वसूली सुदृढीकरण के संबंध में शासन के निर्देशो का पालन करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। छत्तीसगढ़ नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 के अंतर्गत प्रदत्त कर निर्धारण संबंधी धाराओ के अनुसार यह सुनिश्चित करने निर्देश दिये गये है ।

## सुशासन तिहार अंतर्गत छठवां जनसमस्या निवारण शिविर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साथ के मार्गदर्शन में नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों के विभिन्न 10 स्थानों पर सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर लगाये जायेंगे। इस हेतु छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों में सुशासन विहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर आयोजन की प्रशासनिक कार्यवाही प्रगति पर है।

सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर उत्तर एवं रायपुर पश्चिम विधानसमा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 के वार्ड कमांक 6, 13, 14, 26, 27, 28 एवं 35 हेतु दिनांक 22 मई 2026 शुक्रवार को जनसमस्या निवारण शिविर शहीद स्मारक भवन जीई मार्ग में लगाया जायेगा, इसी क्रम में रायपुर पश्चिम एवं रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 8 के वार्ड कमांक 1, 2, 19, 20, 21. 69 एवं 70 हेतु 25 मई को अग्रसेन भवन टाटीबंध में, रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 7 अंतर्गत वार्ड कमांक 22, 23, 24, 25, 36, 37 एवं 38 क्षेत्र हेतु दिनांक 28 मई को पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में, रायपुर ग्रामीण, रायपुर उत्तर एवं धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 9 के वार्ड क्रमांक 7, 8, 9, 10, 11, 32 एवं 51 हेतु 29 मई को गारमेंट फैक्टरी पॉम बेलाजियों के सामने, रायपुर ग्रामीण एवं रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम जोन 10 के वार्ड क्रमांक 49, 50, 52, 53, 54, 55 एवं 56 में दिनांक 5 जून 2026 को देवपुरी धर्मशाला (गुरुद्वारा) कमल विहार गेट के पास जनसमस्या निवारण शिविर का सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र में जोनवार आयोजन रखा गया है। नगर निगम रायपुर में जोनवार जनसमस्या निवारण शिविर आयोजन हेतु संबंधित जोन कमिश्नर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी शिविर के आयोजन हेतु उत्तरदायी होंगे। आम जनता से शिविर स्थलों में प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक आवेदन प्राप्त शिविर में रायपुर नगर पालिक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, राजस्व, विद्युत, खाद्य, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, कृषि, विकास, एवं बाल विकास, ईडीएम, श्रम विभाग आदि हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित सर्व विभाग भी उपस्थित रहेंगे।

## बोर पॉइंट बनाकर निगम जोन 6 जल विभाग ने दूर कर दिलवाई राहत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन 6 अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन मठपुरैना में लगाए गए जनसमस्या निवारण शिविर में जोन 6 अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद वार्ड क्षेत्र में रावतपुरा कॉलोनी फेस - 2 क्षेत्र में रहवासियों द्वारा गर्मी में गहन पेयजल संकट के सम्बन्ध में आवेदन करते ही नगर निगम जोन 6 जल कार्य विभाग की टीम ने स्थल पर पहुंचकर सींटेक्स की नई पानी टंकी लगाकर बोर पॉइंट बनाकर जलसंकट की शिकायत को त्वरित दूर करते हुए रहवासियों को तत्काल राहत पहुंचाई.

सुशासन तिहार शिविर में श्रेष्ठ कार्य करने पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता श्रीमती सरवन परवीन, आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमती कुंती साहू और श्रीमती मंजू ठाकुर को मंच पर पुष्पमाला पहनाकर और श्रीफल और शाल प्रदत्त कर सम्मानित किया गया. श्रम विभाग ने सुशासन तिहार शिविर में आवेदन करते ही तीन श्रमवीरों मोहन साहू, माला लहरे, शबीना बानो को पात्रता अनुसार तत्काल श्रमिक कार्ड बनाकर प्रदत्त किये.वहीं स्वास्थ्य विभाग ने आवेदन करते हीं 4 नागरिकों को तत्काल नए आयुष्मान कार्ड बनाकर दिये.सुशासन तिहार 2026- नगर निगम जोन 6 जनसमस्या निवारण शिविर में आवेदन करते ही रावतपुरा फेस - 2 के रहवासियों के गहन जलसंकट को त्वरित पानी टंकी लगाकर बोर पॉइंट बनाकर निगम जोन 6 जल विभाग ने दूर कर दिलवाई राहत

शिविर में आवेदन करते ही श्रम विभाग ने 3 पात्र श्रमवीरों को तत्काल श्रमिक कार्ड बनाकर दिए, 4 नागरिकों को तत्काल आयुष्मान कार्ड बनाकर दिए गए, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता श्रीमती सरवन परवीन, आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमती कुंती साहू, श्रीमती मंजू ठाकुर श्रेष्ठ कार्य करने पर सम्मानित की गयीं

सुशासन तिहार शिविर नगर निगम रायपुर जोन 6 क्षेत्र में राज्य शासन की नौनी योजना से हंसिका कोसले, मनस्वी साहू, सुकन्या समृद्धि योजना से सुमन देवांगन, गर्भवती सम्मान योजना से लक्ष्मी साहू, अन्नप्रासन्न योजना से जीत कुमार यादव, शौनवीक साहू को सुशासन तिहार शिविर में सम्मानित कर राज्य शासन की योजना अंतर्गत पात्रता अनुसार महिला और बाल विकास विभाग द्वारा तत्काल लाभान्वित किया गया।

## राजीव गांधी का पुण्यतिथि पर निगम नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, अध्यक्ष अमर गिदवानी ने किया सादर नमन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज भारत गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उनकी 35 वीं पुण्यतिथि पर सादर नमन करने रायपुर नगर निगम संस्कृति विभाग द्वारा नगर निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से पुराना फायर ब्रिगेड ऑफिस चौक के किनारे स्थित भारत गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के प्रतिमा स्थल के समक्ष पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया ।

इस संक्षिप्त पुष्पांजलि कार्यक्रम में पहुंचकर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष श्री आकाश तिवारी और नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी ने भारत गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उनके प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर सादर नमन किया।

## स्वच्छता व्यवस्था सुदढ़ करने नगर निगम जोन 2,,9 एवं 10 के अंतर्गत 3 स्थानों में सेकेण्डरी कलेक्शन सेंटर शीघ्र बनाया जायेगा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शहर में खुले में कचरा फेंकने की समस्या को नियंत्रित करने एवं स्वच्छता व्यवस्था सुदढ़ करने नगर निगम जोन 2,,9 एवं 10 के अंतर्गत 3 स्थानों में सेकेण्डरी कलेक्शन सेंटर शीघ्र बनाया जायेगा

स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शहर में खुले में कचरा फेंकने की समस्या को नियंत्रित करने एवं स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु सेकेंडरी कलेक्शन सेंटर निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है। इस कार्य हेतु कुल राशि 1.50 करोड़ रुपये प्राप्त हुई है।

प्राप्त राशि से जोन क्रमांक 2. 9 एवं 10 के क्षेत्रांतर्गत कुल 3 स्थानों पर 50-50 लाख रुपये की लागत से सेकेंडरी कलेक्शन सेंटर निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में चयनित स्थलों में भूमि / स्थल संबंधी विवाद की स्थिति निर्मित होने के कारण कार्य प्रारंभ नहीं किया जा सका है। विवाद का निराकरण / नवीन स्थल चयन कर शीघ्र ही कार्य पूर्ण कराया जायेगा। साथ ही मुख्यालय स्तर से संबंधित कार्य जोन कार्यालयों के माध्यम से कराए जाने हेतु प्रस्तावित किया गया है, जिससे कार्यों का त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। कार्य जोन स्तर से कराए जाने पर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग संभव होगी तथा निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 22 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

## सम्पादकीय

# बीमार अस्पताल

गाल बजाते राजनेता और लोक कल्याणकारी होने का दावा करती सरकारों की नाक के नीचे सरकारी अस्पतालों की कैसी बदहाली है, ये किसी से नहीं छिपा है। लोकलुभावन कार्यक्रमों पर पैसा पानी की तरह बहाने वाली सरकारों व मंत्रियों की प्राथमिकताओं में, वे सरकारी अस्पताल कभी नहीं रहे हैं, जो गरीबों व साधनविहीन लोगों का अंतिम आश्रय होते हैं। कायदे से तो सरकारों को इस मुद्दे को प्राथमिकता मानते हुए तत्काल प्रभाव से अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि हर बार न्यायालय को ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर सख्ती दिखाकर सरकारों को कार्रवाई करने को कहा जाता है। एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ-साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़ती खाई ही उजागर होती है। वहीं अदालत की कार्यवाही के दौरान पंजाब सरकार की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि राज्य के 23 जिलों में से केवल छह जिला अस्पतालों में ही एमआरआई की सुविधा उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य के अस्पतालों में दो हजार से अधिक जनरल मेडिकल ऑफिसरों के पद और अन्य सैकड़ों विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में कार्यशील आईसीयू की कमी है। अदालत ने हरियाणा सरकार से भी गहन देखभाल व निदान सुविधाओं की कमियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। निस्संदेह, इन खामियों से फिर उजागर हुआ है कि अनेक सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण अक्सर बिना इस्तेमाल के या कम उपयोग में क्यों रहते हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा भी गरीब व जरूरतमंद मरीजों की तात्कालिक जरूरतों को अनदेखा ही किया जाता है।

न्यायालय की इस बात से बिल्कुल सहमत हुआ जा सकता है कि मौजूदा दौर में सीटी स्कैन,एमआरआई और आईसीयू तक मरीजों की पहुंच विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता बन गई है। जो इस बात पर भी बल देता है कि सरकारें जिला स्तरीय क्रियाशील बुनियादी ढांचा बनाने के बजाय अनिश्चित काल तक आउटसोर्सिंग या रेफरल प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकती हैं। वास्तव में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली केवल खरीद की कमी से ही नहीं, बल्कि बिना योजना के भारी-भरकम खरीद की प्रवृत्ति से भी ग्रस्त है। वहीं दूसरी ओर अकसर तकनीशियनों की अनुपलब्धता से एमआरआई मशीनें स्थापित नहीं हो पाती हैं। वहीं अनुबंध समाप्त होने के कारण अक्सर वेंटिलेटर धूल खाते रहते हैं। दूसरी तरफ रेडियोलॉजिस्ट और बायोमेडिकल इंजीनियरों की अनुपस्थिति के कारण निदान सेवाओं को आउटसोर्स किया जाता है। बार-बार की गई ऑडिट रिपोर्टों से पता चलता है कि सरकारी अस्पतालों में करोड़ों रुपये के जीवन रक्षक उपकरण महीनों से लेकर वर्षों तक बेकार ही पड़े रहते हैं।

## अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस पर विशेष...

# जैव विविधता संरक्षण : मानव अस्तित्व की सबसे बड़ी आवश्यकता

**जैव-विविधता केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं, बल्कि मानव जीवन, भोजन, औषधि, जल, जलवायु संतुलन और आर्थिक विकास का आधार भी है। सरल शब्दों में कहें तो हमारी पृथ्वी पर जीवन का ताना-बाना जिन करोड़ों वनस्पतियों, जीव-जंतुओं और सूक्ष्मजीवों से मिलकर बना है, उसे ही हम जैव-विविधता (बायोडायवर्सिटी) कहते हैं।वास्तव में जैव-विविधता क्रमश: दो शब्दों-'बायो' अर्थात जीव और 'डायवर्सिटी' अर्थात विविधता-से मिलकर बना है।**

सुनील कुमार महला

पृथ्वी पर मौजूद विभिन्न जीव-जंतुओं, अनगिनत वनस्पतियों और पारिस्थितिक तंत्रों(इको-सिस्टम्स) के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस (इंटरनेशनल डे फॉर बायोलॉजिकल डायवर्सिटी) मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों, सूक्ष्म जीवों तथा संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण के प्रति आम लोगों में जागरूकता फैलाना है। साधारण शब्दों में कहें तो किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में पाए जाने वाले जीवों की संख्या और उनकी विविधता को ही जैव-विविधता कहा जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसका संबंध(जैव-विविधता का संबंध) पौधों के प्रकार, प्राणियों तथा सूक्ष्म जीवाणुओं से है।सच तो यह है कि जैव-विविधता एक सजीव संपदा है और यह विकास यात्रा के लाखों वर्षों का परिणाम है।सरल शब्दों में कहें तो जैव-विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता और परिवर्तनशीलता का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें प्रजातियों की विविधता, पारिस्थितिक तंत्रों की विविधता और प्रजातियों के भीतर आनुवांशिक विविधता शामिल होती है। यह पौधों, जानवरों, कवक और सूक्ष्मजीवों की विविधता के साथ-साथ उन पारिस्थितिक तंत्रों की विविधता को भी समाहित करती है, जिनमें कि वे निवास करते हैं। जैव-विविधता के प्रकारों में पारिस्थितिकीय तंत्र विविधता, प्रजाति विविधता, आनुवांशिक विविधता, कार्यात्मक विविधता तथा सांस्कृतिक विविधता को शामिल किया जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो जैव-विविधता किसी क्षेत्र में मौजूद विभिन्न प्रजातियों और उनके पारिस्थितिक तंत्र की विविधता है। हम यूं भी कह सकते हैं कि जैव-विविधता पृथ्वी पर व्याप्त सभी जीव स्वरूपों यानी पादप और जंतुओं की जैविक विविधता है, जो उनकी जाति, आनुवांशिकी तथा पारिस्थितिकी में पाई जाती है।इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य जैव-विविधता संरक्षण के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, विलुप्त होती प्रजातियों और नष्ट होते प्राकृतिक आवासों को बचाना, पर्यावरण और सतत विकास के बीच संतुलन स्थापित करना, लोगों को प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए प्रेरित करना तथा सरकारों, संस्थाओं और आम नागरिकों को संरक्षण कार्यों में सहभागी बनाना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 दिसंबर 2000 को 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस के रूप में घोषित किया था, ताकि विश्वभर में जैव-विविधता संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाई जा सके और विश्व की जैव विविधताएँ सुरक्षित रह सकें। हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और पिछले वर्ष यानी 2025 में इस दिवस की थीम प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास रखी गई थी, जबकि वर्ष 2026 की थीम-स्थानीय स्तर पर कार्य, वैश्विक प्रभाव के लिए निर्धारित की गई है। वास्तव में, यह थीम हमें यह याद दिलाती है कि जैव-विविधता संरक्षण केवल बड़े अंतरराष्ट्रीय समझौतों से संभव नहीं है, बल्कि स्थानीय समुदायों, युवाओं और आम नागरिकों के छोटे-छोटे प्रयास भी वैश्विक स्तर पर बड़ा प्रभाव डालते हैं। जब हम अपने आसपास के पर्यावरण, स्थानीय जलस्त्रोतों और स्थानीय प्रजातियों का संरक्षण करते हैं, तो उसका सकारात्मक असर पूरे विश्व के पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है।हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो 22 मई 1992 को नैरोबी में जैव विविधता सम्मेलन (कन्वेंशन आन बायोलोजिकल डायवर्सिटी) के मसौदे को स्वीकार किया गया था। 29 दिसंबर 1992 को संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वावधान में आयोजित जलवायु सम्मेलन में जैव-विविधता पर विश्व का ध्यान केंद्रित हुआ और वैश्विक स्तर पर इसे मनाने का निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि प्रारंभ में इसे 29 दिसंबर को मनाया जाता था, लेकिन बाद में वर्ष 2000 में इसे बदलकर 22 मई कर दिया गया, ताकि इसमें विश्व के और अधिक देशों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इतना ही नहीं, पहले इसे 29 मई को मनाने का विचार भी रखा गया था, लेकिन अंतत: 22 मई पर सहमति बनी और तभी से पूरी दुनिया में इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। भारत के संदर्भ में भी यह दिवस अत्यंत महत्वपूर्ण है। 22 मई 2002 को भारत सरकार ने संसद में ऐतिहासिक जैव-विविधता अधिनियम, 2002 को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिसने भारत की पारंपरिक प्राकृतिक संपदा को अंतरराष्ट्रीय जैव-चोरी से बचाने के लिए कानूनी सुरक्षा प्रदान की। हाल फिलहाल,यहां पर यह बात कहना ग़लत नहीं होगा कि जैव-विविधता सीधे तौर पर मानव अस्तित्व की बुनियादी आवश्यकता है। सच तो यह है कि हमारी थाली का भोजन और अधिकांश जीवनरक्षक दवाइयाँ प्राकृतिक वनस्पतियों और जीवों की ही देन हैं। पाठकों को बताता चलूं कि मानव भोजन का लगभग 80 प्रतिशत भाग पौधों से प्राप्त होता है तथा लगभग 3 अरब लोगों के लिए मछली प्रमुख प्रोटीन स्रोत है। पेड़-पौधे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जबकि मधुमक्खियाँ और अन्य परागणकर्ता फसलों के परागण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर कृषि उत्पादन बढ़ाते हैं। घने जंगल और महासागर पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित करते हैं तथा वैश्विक तापमान वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) के प्रभाव को कम करने में सहायक होते हैं। जैव-विविधता पारिस्थितिकीय तंत्रों का संतुलन बनाए रखने, मृदा संरक्षण, कीट नियंत्रण और जलवायु संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भोजन, दवा, लकड़ी, ईंधन और अनेक मूल्यवान वस्तुओं व सेवाओं की प्राप्ति जैव-विविधता के कारण ही संभव हो पाती है। मानव संस्कृति और कल्याण के लिए भी जैव-विविधता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमें मनोरंजन, आध्यात्मिकता और सौंदर्यबोध से भी जोड़ती है। यह वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए जानकारी का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है, जो प्राकृतिक दुनिया की समझ को गहरा करने और संरक्षण के प्रयासों को बेहतर बनाने में मदद करता है। पर्यावरणविदों के अनुसार मानव जीवन के प्रारंभ होने से पहले इस धरती पर जैव-विविधता किसी भी अन्य काल की तुलना में कहीं अधिक थी, लेकिन मानव के आने के बाद विभिन्न प्रजातियों का अत्यधिक दोहन होने लगा और अनेक प्रजातियाँ धीरे-धीरे विलुप्त होने लगीं। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी पर लगभग 80 लाख प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से लगभग 10 लाख प्रजातियाँ विलुप्ति के खतरे में हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि विश्व में विभिन्न जीवों और पेड़-पौधों की संभावित संख्या 20 लाख से 10 करोड़ तक हो सकती है तथा वैज्ञानिक लगातार नई प्रजातियों की खोज में लगे हुए हैं। कुछ अन्य अनुमानों के अनुसार यह संख्या 1.5 करोड़ से 20 करोड़ तक हो सकती है। लगभग 99 प्रतिशत प्रजातियाँ, जो कभी पृथ्वी पर विद्यमान थीं, आज विलुप्त हो चुकी हैं। वर्तमान में मानव गतिविधियों के कारण प्रजातियों के विलुप्त होने की दर प्राकृतिक दर से 100 से 1000 गुना अधिक हो चुकी है। इसे पृथ्वी के इतिहास का छठा सामूहिक विनाश कहा जा रहा है। कुछ अध्ययनों के अनुसार वनस्पतियों की हर आठ में से एक प्रजाति विलुप्ति के खतरे का सामना कर रही है। बहुत कम लोग जानते हैं कि जैव-विविधता केवल पशु-पक्षियों तक सीमित नहीं है, बल्कि मिट्टी में रहने वाले सूक्ष्म जीव भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मानव शरीर में भी असंख्य सूक्ष्म जीव मौजूद रहते हैं, जिनके बिना जीवन संभव नहीं है। मधुमक्खियाँ और अन्य परागणकर्ता विश्व की खाद्य सुरक्षा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 : दुनिया को सचेत उपभोग की ओर प्रेरित करना

**प्रताव राव जाधव**
केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री

आज जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मना रही है, मानवता एक निर्णायक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ी है। वर्तमान में हम अभूतपूर्व तकनीकी और भौतिक प्रगति के युग में जी रहे हैं, फिर भी हम जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, बढ़ते मानसिक तनाव, पर्यावरणीय क्षरण और जीवन जीने के अस्थिर तरीकों जैसी चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। इनमें से कई संकटों के मूल में एक ही चुनौती नजर आती है- वस्तुओं का अनियंत्रित और बिना सोचे-समझे किया जाने वाला उपभोग। प्राकृतिक संसाधनों के जरुरत से ज्यादा दोहन से लेकर डिजिटल उपयोगिता पर अत्यधिक निर्भरता और अस्थिर जीवनशैली तक, आज आधुनिक समाज संतुलन से लगातार दूर होता जा रहा है। और इसी संदर्भ में, योग न केवल एक प्राचीन स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में, बल्कि एक जिम्मेदार जीवन जीने के लिए एक कालातीत रूपरेखा के रूप में उभर कर सामने आता है। योग मानवता को आत्म-नियमन, संयम और सचेत विकल्पों की ओर एक शक्तिशाली मार्ग प्रदान करता है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर और अपने आस-पास की दुनिया के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित करें।

### सोच समझकर वस्तुओं का उपभोग करने का आह्वान

अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने 'मिशन LiFE' (लाइफ़स्टाइल फ़ॉर एनवायरनमेंट) के जरिए एक सशक्त दिशा प्रदान की है। COP26 में, प्रधानमंत्री ने एक ऐसे सिद्धांत को सामने रखा, जो योग के दर्शन से गहराई के साथ जुड़ा है: 'आज जरूरत है सचेत और सोच-समझकर उपयोग करने की, न कि बिना सोचे-समझे और विनाशकारी तरीके से उपभोग करने की।'' हाल ही में, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति-श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री ने इस अपील का विस्तार करते हुए इसे एक दैनिक नागरिक जिम्मेदारी का रूप दिया। उन्होंने नागरिकों को प्रोत्साहित किया कि वे जान-बूझकर ऐसे उपभोग को सीमित करें, जिनसे बचा जा सकता है, जैसे ईंधन बचाना, अनावश्यक ऊर्जा का उपयोग कम करना, और गैर-जरूरी खर्चों पर दोबारा विचार करना। यह अपील किसी चीज की कमी या अभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि, यह सामूहिक सशक्तिकरण, निरंतरता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी के लिए एक रणनीतिक और नैतिक आह्वान है। जैसा कि उन्होंने हमें याद दिलाया: 'हर छोटा-बड़ा प्रयास मायने रखता है, ठीक वैसे ही जैसे हर एक बूंद से घड़ा भरता है।' ये विचार योग के बुनियादी सिद्धांतों से गहराई से जुड़े हुए हैं। योग दर्शन 'अपरिग्रह' - यानी अनावश्यक चीजों को जमा करने से बचना और 'संतोष' यानी अपनी असली जरूरतों से संतुष्ट रहना, की बात करता है। ये सिद्धांत मिलकर एक ऐसी सोच पैदा करते हैं, जो लोगों को अंधाधुंध उपभोग से दूर सचेत जीवन की ओर प्रेरित करती है। योग हमें निष्क्रिय उपभोक्ता से बदलकर इस धरती का जिम्मेदार रखवाला बनाता है।

**पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक साधन के रूप में योग :** पृथ्वी पर इंसानी जरूरतों को पूरा करने के लिए तो काफ़ी संसाधन हैं, लेकिन इंसान की असीमित लालच को पूरा करने के लिए नहीं। योग प्रकृति के साथ हमारे आपसी जुड़ाव की भावना को गहरा करके इस जागरूकता को फिर से जगाने में मदद करता है। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जो भोजन हम करते हैं और जिस स्थिरता की हम तलाश करते हैं, ये सभी एक साझा पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं। योग का अभ्यास धीरे-धीरे हमारे व्यवहार को भीतर से बदल देता है। यह मन की बेचैनी को शांत करता है, जल्दबाजी वाली आदतों को कम करता है और आत्म-अनुशासन को मजबूत बनाता है। आज की दुनिया, जो पल भर के सुख और अत्यधिक उपभोगवाद से संचालित होती है, उसमें योग वह आंतरिक स्पष्टता पैदा करता है, जिसकी जरूरत हमें अपनी असली जरूरतों और कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं के बीच फ़र्क समझने के लिए होती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा आयुष, दोनों मंत्रालयों से जुड़े मंत्री के तौर पर, मैं हर दिन यह देखता हूँ कि योग किस तरह गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के खिलाफ एक निवारक सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन के रूप में काम करता है। शारीरिक गतिविधि, मानसिक संतुलन और अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देकर, योग अस्वस्थ आदतों और अत्यधिक चिकित्सीय हस्तक्षेपों पर हमारी निर्भरता को कम करता है। एक योगिक जीवन शैली स्वाभाविक रूप से सादगी, संयम, संतुलित पोषण, कम बर्बादी और संसाधनों के सचेत उपयोग को बढ़ावा देती है, ठीक वही व्यवहारिक बदलाव, जो पर्यावरणीय स्थिरता के लिए जरुरी है। इस प्रकार, योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का एक मार्ग है, बल्कि यह व्यवस्था में जिम्मेदारीपूर्ण जीवन के लिए एक व्यावहारिक ढाँचा भी है।

### भारत का वैश्विक योग नेतृत्व

आज, जब योग दुनिया के लिए भारत के सबसे प्रभावशाली योगदानों में से एक बन गया है। यह स्वास्थ्य, सद्भाव और सामूहिक कल्याण की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति भी बन चुका है। जो योग एक प्राचीन सभ्यतागत प्रथा के रूप में शुरू हुआ था, वह आज एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो भूगोल, राजनीति, भाषा और संस्कृति की सीमाओं से परे है। हर साल, कई महाद्वीपों में लाखों लोग योग समारोहों में भाग लेते हैं। वे केवल आसन ही नहीं करते, बल्कि एक स्वस्थ, अधिक संतुलित और टिकाऊ जीवन की साझा आकांक्षा को भी अपनाते हैं। योग निवारक स्वास्थ्य सेवा, मानसिक कल्याण और सचेत जीवन शैली की एक सार्वभौमिक भाषा के रूप में उभरा है। योग के जरिए, भारत ने दुनिया को समग्र स्वास्थ्य के लिए एक ऐसा गैर-बाध्यकारी और समावेशी ढाँचा प्रदान किया है, जो आधुनिक चिंताओं का समाधान शाश्वत ज्ञान के साथ करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का यही महत्व है। चूँकि योग दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को छूता है, इसलिए यह बड़े पैमाने पर व्यवहारिक परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए एक बेजोड़ मंच भी प्रदान करता है। योग की सामूहिक भावना के जरिए, स्थिरता, संयम और सचेत जीवन-शैली के संदेश अधिक दूर तक पहुँच सकते हैं और लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ सकते हैं।

### अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के लिए एक सामूहिक संकल्प

सच्चा कल्याण अकेले अस्तित्व में नहीं हो सकता। मानव स्वास्थ्य, सामुदायिक कल्याण और संपूर्ण ग्रह का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और पर्यावरण के क्षरण की चुनौतियों के लिए न केवल नीतिगत हस्तक्षेप, बल्कि व्यवहार में परिवर्तन भी जरुरी है। इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर, आइए हम अपनी प्रतिबद्धता को योग मैट से आगे बढ़ाएं। आइए हम योग को केवल दैनिक अभ्यास के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन शैली के रूप में अपनाएं। एक ऐसी जीवन शैली जो सचेत उपभोग, आंतरिक अनुशासन और पारिस्थितिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करती है। आइए हम प्रधानमंत्री के सचेत जीवन जीने के आह्वान पर काम करें और एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें, जहां तरक्की और विकास को केवल हमारे उपभोग से नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी से जीने के तरीके से मापा जाए। अपने आंतरिक वातावरण को बदलकर, हम सब मिलकर अपने ग्रह के बाहरी वातावरण को ठीक कर सकते हैं।

## रेलवे समाचार

# दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में रायपुर स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग के दौरान कुल 528 मामलों से 3,18,450 रुपए राजस्व प्राप्त हुआ

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)।** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देश पर रायपुर मंडल में रायपुर रेलवे स्टेशन पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान दिनांक 21 मई, 2026 को चलाया गया। जिसमें रायपुर स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, 26 ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने वाले 409 यात्री पकड़े गए, जिससे 2,78,135/- राजस्व प्राप्त हुआ। अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 74 यात्रियों से 34,115/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ, अधिक लगेज लेकर यात्रा करने वाले 10 यात्रियों से 2500/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ और रेलवे स्टेशन पर कचरा फैलाने वाले 35 यात्रियों से 3700/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ। इस किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान में कुल 528 मामलों को दर्ज कर 3,18,450 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया। इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था। इस टिकट चेकिंग अभियान का संचालन सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अविनाश कुमार आनंद के द्वारा एवं 1 मुख्य वाणिज्य निरीक्षक, 2 वाणिज्य निरीक्षक, 4 वाणिज्य कार्यालय के स्टाफ, 24 टिकट चेकिंग स्टाफ, 02 आरपीएफ स्टाफ शामिल रहे। रेल प्रशासन यात्रियों को आगाह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर मे प्रवेश करने के पहले प्लेटफॉर्म टिकट अवश्य खरीदें। रेलगाड़ी एवं रेल परिसर को साफ सुथरा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा समय-समय पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है । जिससे यात्रियों को टिकट लेने के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है, साथ ही यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है कि वे उचित टिकट लेकर सही कोच में बैठे एवं अपनी सुखद यात्रा करें एवं टिकट चेकिंग में रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

# रायपुर रेल मंडल द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026' 15 मई से 05 जून के अंतर्गत 19 से 22 मई,2026 तक स्वच्छता एवं वेस्ट मैनेजमेंट पर विशेष जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026' (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता हेतु यह अभियान केवल एक दिवस तक सीमित न होकर विस्तारित अवधि में चरणबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें जागरूकता, संवाद एवं व्यवहार परिवर्तन आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में दिनांक 19 से 22 मई,2026 तक स्वच्छता एवं वेस्ट मैनेजमेंट पर विशेष जागरूक अभियान चलाया जा रहा है। वाणिज्य निरीक्षक स्टेशन प्रबंधक रेल परिसरों में यात्रियों को जागरुक कर रहे हैं। प्लेटफार्मों पर कचरा पृथक्करण सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान। यात्रियों को इसके उपयोग के लिए जागरूक करने हेतु अभियान चलाया जा रहा हैं। पर्यावरण के अनुकूल प्लास्टिक रहित कटलरी को बढ़ावा देंने। जैव अपघटनीय या प्लास्टिक रहित पेकिंग के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अभियान जागरूकता कार्यक्रम कर रहे हैं। रेलवे कर्मचारियों को कचरा पृथक्करण की उचित प्रक्रियाओं, विशेष रूप से जैविक कचरे पर ध्यान केंद्रित करने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के बारे में यात्रियों को जागरूक कर रहे हैंप्लेटफार्मों पर कचरा पृथक्करण सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान। यात्रियों को इसके उपयोग के लिए जागरूक करने हेतु अभियान चलाया जा रहा हैं। पर्यावरण के अनुकूल प्लास्टिक रहित कटलरी को बढ़ावा देंने। जैव अपघटनीय या प्लास्टिक रहित पेकिंग के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अभियान जागरूकता कार्यक्रम कर रहे हैं।

रेलवे कर्मचारियों को कचरा पृथक्करण की उचित प्रक्रियाओं, विशेष रूप से जैविक कचरे पर ध्यान केंद्रित करने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के बारे में यात्रियों को जागरूक कर रहे हैं।

# छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की लोगो डिजाइन प्रतियोगिता को मिला अभूतपूर्व प्रतिसाद

## 2700 प्रतिभागियों ने भेजे 3000 से अधिक लोगो डिज़ाइन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

/छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा आयोजित लोगो डिजाइन प्रतियोगिता को प्रदेश सहित देशभर से शानदार प्रतिसाद प्राप्त हुआ है। प्रतियोगिता के तहत निर्धारित अंतिम तिथि 20 मई 2026 तक लगभग 2700 प्रतिभागियों द्वारा ई-मेल के माध्यम से 3000 से अधिक लोगो डिज़ाइन भेजे गए हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का नाम परिवर्तित कर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल किया गया है। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत विधेयक को विधानसभा से पारित होने तथा राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद 24 अप्रैल 2026 को राजपत्र में प्रकाशित किया गया। मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि नाम परिवर्तन के साथ मंडल के कार्यक्षेत्र का भी विस्तार किया गया है। अब मंडल केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सड़क, पुल एवं अन्य अधोसंरचना विकास कार्यों का भी क्रियान्वयन करेगा। साथ ही राज्य के बाहर भी अधोसंरचना परियोजनाओं में कार्य करने के अवसर मिलने से मंडल की कार्यक्षमता एवं आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

इसी क्रम में 12 मई 2026 को आयोजित समय-सीमा बैठक में मंडल के आयुक्त अवनीश कुमार शरण द्वारा मंडल के नए स्वरूप एवं विस्तारित कार्यक्षेत्र को प्रतिबिंबित करने के लिए नए लोगो डिजाइन हेतु प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे। प्रतियोगिता में आमजन, कलाकारों, डिजाइनरों एवं संस्थाओं से नए नाम और उसकी अवधारणा के अनुरूप लोगो डिज़ाइन आमंत्रित किए गए थे।

# मुख्यमंत्री साय ने 'कामयाबी वेन' को दिखाई हरी झंडी-दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों तक पहुंचेगी डिजिटल शिक्षा की नई रोशनी

## नीति आयोग समर्थित 'मिशन कामयाबी' के तहत वर्चुअल रियलिटी और

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के ग्राम कुशहा में आयोजित चौपाल के दौरान नीति आयोग द्वारा वित्तपोषित 'मिशन कामयाबी' के तहत संचालित 'कामयाबी वेन' को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस पहल के माध्यम से दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों तक आधुनिक डिजिटल शिक्षा और तकनीकी आधारित सीखने के अवसर पहुंचाए जाएंगे, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और सीखने के अनुभव में सकारात्मक बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक तकनीक का समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि आज का दौर ज्ञान, नवाचार और तकनीक का है, ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी डिजिटल संसाधनों और नई शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना

आवश्यक है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। उल्लेखनीय है कि 'कामयाबी वेन' के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्चुअल रियलिटी (ङ्क्र) एवं ऑगमेंटेड रियलिटी (ॠक्र) तकनीक आधारित शिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। यह वेन विज्ञान, गणित, तकनीकी अवधारणाओं और अन्य विषयों को अधिक रोचक, अनुभवात्मक और व्यवहारिक तरीके से समझाने में सहायक होगी।

# लोक निर्माण विभाग के कार्यों में जनहित और तकनीकी दक्षता पर जोर

## विभागीय सचिव ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर में पीडब्ल्यूडी मुख्यालय %निर्माण भवन% में आयोजित बैठक में विभाग के कार्यों में जनहित और तकनीकी दक्षता पर जोर दिया। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तेजी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिक दक्षता और ज्यादा गति से काम करने नए तकनीकी उपकरणों, डिजिटलीकरण और सॉफ्टवेयर्स का उपयोग करने को कहा।

विभागीय सचिव श्री बंसल ने बैठक में सभी टेंडर प्रक्रियाओं को पूरी पारदर्शिता और समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तेजी दोनों सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इनमें कोई कोताही नहीं बरती जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित और कड़ी मॉनिटरिंग के साथ ही जनहित एवं तकनीकी दक्षता का भी विशेष ध्यान रखने को कहा।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि आधुनिक जियो-इन्फॉर्मेटिक्स तकनीक के माध्यम से निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग, मैपिंग और प्रोजेक्ट प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने विभागीय सचिव को टेंडर प्रक्रिया के तहत कार्य आबंटन, निर्माण कार्यों की बिलिंग प्रक्रिया एवं भुगतान प्रणाली के बारे में भी बताया।

बैठक में प्रदेशभर में चल रहे निर्माण कार्यों, टेंडर प्रक्रिया की प्रगति तथा आगामी परियोजनाओं की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

# तेंदूपत्ता संग्राहकों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री साय

## महुआ पेड़ के नीचे लगाई चौपाल, सुनी लोगों की समस्याएं

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सूरजपुर प्रवास के दौरान रामानुजनगर प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण फड़ पटना का निरीक्षण कर तेंदूपत्ता संग्राहकों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री साय ने तेंदूपत्ता संग्रहण कार्यों का जायजा लेते हुए संग्राहकों की समस्याओं, आजीविका और मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली तथा वनाधारित अर्थव्यवस्था से जुड़े परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आगमन पर तेंदूपत्ता संग्राहकों ने आत्मीय स्वागत करते हुए तेंदूपत्ता और तेंदू फलों से निर्मित विशेष माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े, विधायक भूलन सिंह मरावी तथा वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा का भी सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने संग्राहकों के श्रम और योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वनाधारित आजीविका से जुड़े लोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण शक्ति हैं और उनके जीवन में

समृद्धि लाना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महुआ पेड़ की छांव में चौपाल लगाकर संग्राहकों से सीधा संवाद किया और कहा कि सरकार स्वयं लोगों का हालचाल जानने गांव-गांव पहुंच रही है। उन्होंने राशन वितरण व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता, जल जीवन मिशन की प्रगति, राजस्व प्रकरणों, शिक्षा व्यवस्था तथा महतारी वंदन योजना की राशि प्राप्ति की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने महिलाओं से महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि के उपयोग के बारे में चर्चा करते हुए परिवार की आर्थिक मजबूती और बच्चों की जरूरतों में उसके सकारात्मक उपयोग की जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्राहकों की आय और कार्य परिस्थितियों के बारे में भी जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वनाधारित आजीविका से जुड़े लोगों के हितों के संरक्षण और उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए निरंतर प्रयास सुनिश्चित किए जाएं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संग्राहकों को चरण पादुका का वितरण कर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 में तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा निर्धारित की गई है। फड़ पटना में 50 मानक बोरा संग्रहण का लक्ष्य तय किया गया था, जबकि 21 मई 2026 तक लक्ष्य से अधिक 66.640 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहित किया जा चुका है। इस कार्य से कुल 108 संग्राहक सक्रिय रूप से जुड़े हैं, जो क्षेत्र की वनाधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि मुरली मनोहर सोनी, भीमसेन अग्रवाल, बाबूलाल अग्रवाल, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में तेंदूपत्ता संग्राहक उपस्थित थे।

# छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल का 86वाँ मंडल सम्मेलन सम्पन्न

**विभिन्न आवासीय एवं अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए लगभग 45 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति**

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने बताया कि सम्मेलन में कई नई आवासीय परियोजनाओं एवं प्रशासनिक प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है, जिनसे प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण आवास और अधोसंरचना विकास को नई गति मिलेगी। अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव की अध्यक्षता में मंडल का 86 वाँ मंडल सम्मेलन आज मंडल मुख्यालय, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित किया गया। सम्मेलन में राज्य में आवासीय एवं अधोसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार कर अनुमोदन प्रदान किया गया।

दीनदयाल आवास कॉलोनी, कोहका (तिल्दा), जिला रायपुर-दीनदयाल आवास कॉलोनी, कोहका में व्यावसायिक सह आवासीय प्रकोष्ठ भवनों के निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इस परियोजना के अंतर्गत कुल 76 आवासीय एवं व्यावसायिक इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 10.37 करोड़ रुपये है।

स्ववित्तीय अटल विहार योजना, गिनाबहार, जिला जशपुर - गिनाबहार में 6 एमआईजी, 64 एलआईजी और 27 ईडब्ल्यूएस सहित कुल 97 आवासीय भवनों तथा 7 एकड़ भूमि के विकास कार्य के लिए स्वीकृति दी गई। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 17.51 करोड़ रुपये है।

स्ववित्तीय योजना, सारधा (लोरमी), जिला मुंगेली दृ सारधा में 200 ईडब्ल्यूएस आवासों के निर्माण तथा 5 एकड़ भूमि के बाह्य विकास कार्य हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 16.94 करोड़ रुपये है। इन तीनों परियोजनाओं के लिए कुल मिलाकर लगभग 44.82 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

### प्रशासनिक एवं नीतिगत प्रस्तावों को भी मंजूरी

सम्मेलन में निर्माण कार्यों के लिए जीएसटी भुगतान प्रणाली तथा रॉयल्टी क्लीयरेंस प्रमाण पत्र संबंधी प्रक्रियाओं में एकरूपता लाने हेतु समान मानक प्रक्रिया लागू करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत सीधी भर्ती में दिव्यांगजनों के आरक्षण हेतु पदों के चिन्हांकन को समाज कल्याण विभाग की 25 फरवरी 2026 की अधिसूचना के अनुसार मंडल में यथावत लागू करने का निर्णय लिया गया। मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राज्य शासन के कर्मचारियों के अनुरूप पुनरीक्षित महंगाई भत्ता देने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

सम्मेलन में क्वींस क्लब ऑफ इंडिया के विकास, संचालन एवं रखरखाव के लिए लाइसेंस आधारित पीपीपी मॉडल के अंतर्गत एजेंसी चयन हेतु निविदा दस्तावेज एवं लाइसेंस अनुबंध प्रारूप का अनुमोदन भी किया गया।

# विधानसभा को 'पेपरलेस' करने के कार्यों में आएगी तेजी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज नवा रायपुर में निर्माणाधीन लोकभवन (राजभवन) के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण कर ले-आउट और फ्लोर-प्लान जाना। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री बंसल ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विधानसभा को 'पेपरलेस' बनाने के लिए तकनीकी कार्यों और व्यवस्थाओं में तेजी लाने लोक निर्माण विभाग और चिप्स को बेहतर समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी, अपर सचिव श्री एस.एन. श्रीवास्तव, मुख्य

अभियंता श्री टी.आर. कुंजाम, अधीक्षण अभियंता श्री डी.के. नेताम और कार्यपालन अभियंता श्री अभिनव श्रीवास्तव भी इस दौरान मौजूद थे।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने 'लोकभवन' का निर्माण राज्यपाल की गरिमा के अनुरूप उत्कृष्टता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूरे परिसर के सौंदर्य, सूरज की रोशनी और पूर्ण उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाने को कहा। उन्होंने भवन की सभी बारीकियों पर पुख्ता काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रमों के आयोजन के लिए यहां बन रहे सभा-भवनों और कार्यालयीन कक्षों की बैठक व्यवस्था पहले से ही निर्धारित कर उनके अनुरूप कार्यों को अंजाम देने को कहा। उन्होंने भवन के निर्माण कार्य में लगे अलग-अलग एजेंसियों से कार्य प्रगति की जानकारी लेकर यथाशीघ्र सभी कार्य पूर्ण कर इसे लोक निर्माण विभाग को हैंड-

# ऐतिहासिक जेआरडी मल्टीपरपस स्कूल के संरक्षण एवं आधुनिकीकरण की दिशा में पहल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने आज दुर्ग गांधी चौक स्थित शहर के सबसे पुराने एवं

ऐतिहासिक जेआरडी मल्टीपरपस स्कूल का स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ अवलोकन किया। देश की आजादी से पूर्व स्थापित इस विद्यालय से दुर्ग शहर की कई पीढ़ियों की भावनात्मक स्मृतियाँ जुड़ी हुई हैं। अवलोकन के दौरान विद्यालय भवन की वर्तमान स्थिति, उसके संरक्षण एवं आवश्यक विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। विद्यालय के जीर्ण-शीर्ण अवस्था को उसके मूल स्वरूप एवं ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

अवलोकन के दौरान विद्यालय परिसर में स्मार्ट क्लास, आवश्यक अधोसंरचना विकास एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार पर विशेष रूप से चर्चा की गई। साथ ही हृश्वश्वञ्ज एवं छ्वश्वश्व जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए सुपर-30 योजना अंतर्गत विशेष कोचिंग एवं मार्गदर्शन व्यवस्था प्रारंभ करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, ताकि दुर्ग के विद्यार्थियों को बड़े शहरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधाएं अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हो सकें।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते हुए प्रत्येक विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु संकल्पित है तथा शैक्षणिक संस्थानों के उन्नयन एवं आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से बेहतर शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयासरत है।

# 08711 / 08712 ताड़ोकी- दुर्ग - ताड़ोकी के मध्य समर स्पेशल पैसेंजर मेमू ट्रेन की सुविधा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

यात्रियों की सुविधा के लिए 08711 / 08712 ताड़ोकी- दुर्ग - ताड़ोकी के मध्य 12 मेमू कोच की समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है।

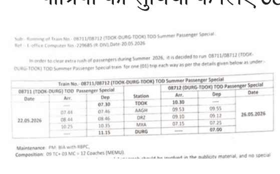

Sub:- Running of Train No.- 08711/08712 (TDOK-DURG-TDOK) TOD Summer Passenger Special.
Ref :- E-office Computer No.-229685 (R-DIV),Date-20.05.2026

In order to clear extra rush of passengers during Summer 2026, it is decided to run 08711/08712 (TDOK-DURG-TDOK) TOD Summer Passenger Special train for one (01) trip each way as per the details given below as under:-

| Train No.- 08711/08712 (TDOK-DURG-TDOK) TOD Summer Passenger Special | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 08711 (TDOK-DURG) TOD Passenger Special | | | | 08712 (DURG-TDOK) TOD Passenger Special | | |
| Date | Arr. | Dep | Station | Arr. | Dep | Date |
| 22.05.2026 | ---- | 07.30 | TDOK | 10.30 | ---- | 26.05.2026 |
| | 07.44 | 07.46 | AAGH | 09.53 | 09.55 | |
| | 08.44 | 08.46 | DRZ | 09.10 | 09.12 | |
| | 10.25 | 10.35 | MXA | 07.15 | 07.25 | |
| | ---- | 11.15 | DURG | ----- | 07.00 | |

Maintenance: PM: BIA with RBPC,
Composition: 09 TC+ 03 MC = 12 Coaches (MEMU).

दिनांक 22 में 2026 को 08711 ताड़ोकी- दुर्ग -समर स्पेशल पैसेंजर ट्रेन ताड़ोकी से 7.30 बजे रवाना होकर अंतागढ़ 7.46 बजे, दल्लीराजहरा 8.46 बजे, मरौदा 10.35 बजे, दुर्ग 11.15 बजे पहुंचेगी।

दिनांक 26 में 2026 को 08712 दुर्ग - ताड़ोकी समर स्पेशल पैसेंजर ट्रेन दुर्ग से 07.00 बजे रवाना होकर,मरौदा 07.25 बजे, दल्लीराजहरा 09.12 बजे, अंतागढ़ 09.55बजे, ताड़ोकी से 10.30 बजे पहुंचेगी।

## इतवारी राम साहू का निधन

हाउसिंग बोर्ड कालोनी, बोरियाकला निवासी इतवारी राम साहू (57 वर्ष) का आकस्मिक निधन हो गया, उनका अंतिम संस्कार बोरियाकला मुक्तिधाम में किया गया। वे श्री राम अवतार साहू एवं उमा साहू के पिता थे । सेडार वेलफेयर हाउसिंग सोसायटी, बोरियाकला ने श्री इतवारी राम साहू के निधन पर गहरी संवेदना प्रकट कर श्रद्धांजलि अर्पित की है ।

# मोरगा में जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

/सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज कोरबा जिले के ब्लॉक पोड़ी उपरोड़ा के ग्राम पंचायत मोरगा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजनों को शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई एवं योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान विभागों द्वारा आमजनों को विभागीय योजनाओं से लाभांवित किया गया। जिसमें खाद्य विभाग द्वारा पात्र 6 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड तथा पंचायत विभाग द्वारा 20 ग्रामीणों को मनरेगा जॉब कार्ड का वितरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा 5 किसानों को केसीसी, सहकारी समिति द्वारा 5 हितग्राहियों को योजनांतर्गत चेक वितरण किया गया। साथ ही उद्यान विभाग द्वारा आमजनों को उन्नत किस्म के बीजों का वितरण किया गया। शिविर में ग्रामीणों की मांग एवं शिकायतों से संबंधित कुल .227 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 105 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही संबंधित विभागों द्वारा किया गया, जबकि शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है।

सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित एवं उचित समाधान सुनिश्चित होता है। सभी विभागों के अधिकारी एक ही स्थान पर उपस्थित रहने से ग्रामीणों को जिला मुख्यालय तक अनावश्यक रूप से चक्कर नहीं लगाने पड़ते। अतिथियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे शिविर में उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएँ।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री विद्वान मरकाम, तहसीलदार श्री सुमन मानिकपुरी सीईओ जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा श्री जय प्रकाश डड़सेना, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्राम मोरगा के सरपंच सहित क्लस्टर की सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक तथा विभिन्न विभागों के कार्यालय प्रमुख, अधिकारी और कर्मचारी भी शिविर में शामिल हुए।

# दरभा एवं हल्बा कचोरा में सुशासन तिहार के तहत जन समस्या निवारण शिविर संपन्न

**जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी ,**

राज्य शासन के दिशा-निर्देशानुसार संवाद से समाधान की मंशानुरूप चलाए जा रहे सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बुधवार को जिले के विकासखंड मुख्यालय दरभा और जगदलपुर ब्लॉक के ग्राम हल्बा कचोरा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। इन दोनों शिविरों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। साथ ही ग्रामीणों को विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें लाभान्वित होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पात्र हितग्राहियों के लिए आयुष्मान कार्ड और वय वंदन कार्ड एवं राशन कार्ड निर्माण की सुविधा भी प्रदान की गई।

इन दोनों शिविर में आम जनता से उनकी मांग एवं समस्याओं से संबंधित प्राप्त आवेदन पत्रों का निराकरण किया गया। जिसके तहत दरभा शिविर में प्राप्त 163 आवेदनों में से 101 का निराकरण किया गया और दो दिव्यांगजनों को व्हील चेयर प्रदान किया गया। साथ ही मत्स्यपालन विभाग द्वारा दो हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र वितरित किया गया। वहीं स्व सहायता समूहों से जुड़े 55 दीदियों को एक करोड़ 59 लाख रुपए बैंक ऋण प्रदान किया गया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पांच बच्चों का अन्नप्राशन एवं 06 गर्भवती महिलाओं का गोदभराई रस्म कराया गया।

# कोण्डागांव में शुरू हुई डायल 112 सेवा, अब एक कॉल पर मिलेगी पुलिस और आपा त सहायता

**कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी ,**

कोण्डागांव जिला पुलिस अब अत्याधुनिक आपातकालीन सेवाओं से सुसज्जित हो गई है। बुधवार को सिटी कोतवाली परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिले के लिए डायल 112 सेवा और मोबाइल फॉरेंसिक वैन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप, कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना तथा पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया।

जिला पुलिस द्वारा शुरू की गई यह सेवा एक्का नंबर सब्बो बर के तर्ज पर कार्य करेगी। इसके माध्यम से पुलिस सहायता, महिला सुरक्षा, अग्निशमन सेवा तथा अन्य आपात स्थितियों में नागरिक केवल 112 नंबर डायल कर तत्काल मदद प्राप्त कर सकेंगे। यह सेवा केवल कॉल तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि व्हाट्सऐप, एसएमएस और एसओएस के माध्यम से भी उपलब्ध होगी।

जिले के लिए कुल 6 डायल 112 वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें से तीन वाहन जिला मुख्यालय क्षेत्र में तैनात रहेंगे, जबकि शेष वाहन जिले के अन्य क्षेत्रों को कवर करेंगे। इन वाहनों का कॉल साइन डॉल्फिन रखा गया है, ताकि पुलिस मुस्कुराते हुए त्वरित और संवेदनशील सेवा प्रदान कर सके।

इसी के साथ कोण्डागांव जिला पुलिस को पहली बार मोबाइल फॉरेंसिक वैन भी उपलब्ध कराई गई है। यह एक चलित मिनी लैब के रूप में कार्य करेगी, जिसके माध्यम से घटनास्थल से वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र किए जा सकेंगे। इसके लिए विशेषज्ञ वैज्ञानिकों की नियुक्ति भी की गई है, जो मौके पर ही फॉरेंसिक जांच में सहयोग करेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कोण्डागांव पुलिस अब तक 2,546 फिंगरप्रिंट एकत्र कर राष्ट्रीय डाटाबेस में अपलोड कर चुकी है। इससे देशभर में अपराधियों की पहचान और मामलों के त्वरित निराकरण में मदद मिलेगी। साथ ही साइबर धोखाधड़ी के मामलों के समाधान के लिए ढ्ढ4ष्ट और अन्य राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म से भी जिला पुलिस की छह विशेष टीमें जुड़ चुकी हैं।

इसके अलावा जिले में पेपरलेस क्राइम रिव्यू प्रणाली भी लागू की गई है, जिससे पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक आधुनिक एवं प्रभावी बनाया जा रहा है।

डायल 112 सेवा और मोबाइल फॉरेंसिक वैन की शुरुआत से कोण्डागांव जिला पुलिस की आपात प्रतिक्रिया क्षमता और अपराध अनुसंधान व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। इससे आम नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध होने के साथ-साथ अपराधों के वैज्ञानिक जांच और शीघ्र निराकरण में भी उल्लेखनीय सहायता मिलेगी।

# डायल 112 वाहनों को झंडी दिखा किया रवाना

**दंतेवाड़ा , प्रतिदिन राजधानी ,**

दंतेवाड़ा में डायल 112 आपातकालीन सेवा एवं हाईवे पेट्रोलिंग का लोकार्पण बुधवार को किया गया। दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी द्वारा उक्त सेवा की शुरुआत की गई।

इस अवसर पर विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी एवं पुलिस अधीक्षक गौरव राय द्वारा डायल 112 वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह सेवा जिले के नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके माध्यम से पुलिस, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक आपात सेवाएं शीघ्रता से लोगों तक पहुंचाई जाएंगी।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक नें डायल 112 सेवा की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में नागरिक 112 नंबर पर कॉल कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह सेवा 24 घंटे संचालित रहेगी। प्रारंभिक तौर पर जिले के चार थानों अंतर्गत क्षेत्रों भी प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करेगी।प्रारंभिक तौर पर जिले में डायल 112 सेवा का संचालन थाना दंतेवाड़ा, गीदम, बचेली एवं किरंदुल क्षेत्रांतर्गत प्रारंभ किया गया है।

# केशकाल पहुंचे डिप्टी सीएम साव, तेलिन सती महोत्सव हुए शामिल

## 58 जोड़ों को दिया आशीर्वाद

**केशकाल, प्रतिदिन राजधानी ,**

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव आज केशकाल क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सर्वप्रथम तेलिन सती माता मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद वे साहू समाज द्वारा आयोजित भव्य तेलिन सती महोत्सव में शामिल हुए।

महोत्सव के दौरान आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने 58 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन सामाजिक समरसता, सहयोग और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हैं। मीडिया से चर्चा करते हुए डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के विकास तथा सामाजिक परंपराओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही समाज की असली पहचान हैं और ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने केशकाल शहर के चौड़ीकरण एवं पर्यटन स्थलों के विकास को लेकर भी जल्द बड़ी सौगात मिलने की बात कही। उनके इस बयान से क्षेत्रवासियों में विकास कार्यों को लेकर उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद भोजराज नाग, सांसद महेश कश्यप, विधायक नीलकंठ टेकाम, विधायक आशाराम नेताम, विधायक संदीप साहू, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, धनेंद्र साहू, साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष नीरेंद्र साहू, जिलाध्यक्ष राजेश साहू, कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना तथा एसपी पंकज चंद्रा सहित समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

# ऑनलाइन बिक्री का विरोध, बीजापुर सहित दंतेवाड़ा व सुकमा की मेडिकल दुकानें रही बंद

**बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी ,**

दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के केमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं ने बुधवार को ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में एकदिवसीय सांकेतिक हड़ताल की। दंतेवाड़ा केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के बैनर तले यह आंदोलन किया गया। इस दौरान दवा विक्रेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन बीजापुर कलेक्टर को सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया। ज्ञापन में ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने और छोटे केमिस्टों के हितों की रक्षा करने की मांग की गई।

संघ ने कहा कि बिना स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री, फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन और बिना चिकित्सकीय परामर्श के घर-घर दवा वितरण से जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। दवा विक्रेताओं ने आरोप लगाया कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बिक्री का स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के बावजूद विभिन्न ऑनलाइन कंपनियां वर्षों से दवाओं की बिक्री कर रही हैं। साथ ही कोविड काल में जारी त्रस्क्र220(श्च) और वर्ष 2018 की त्रस्क्र817(श्च) अधिसूचनाओं के दुरुपयोग की बात भी कही गई। संघ ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट (डीप डिस्काउंटिंग) और प्रिडेटरी प्राइसिंग के कारण छोटे मेडिकल स्टोर संचालकों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है और उनका अस्तित्व संकट में पड़ता जा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए, बिना सत्यापित ई-प्रिस्क्रिप्शन के दवा वितरण बंद हो तथा ऑनलाइन कंपनियों की होम डिलीवरी व्यवस्था पर सख्त कार्रवाई की जाए। दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के दवा विक्रेताओं ने कहा कि जनस्वास्थ्य और मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह आंदोलन किया गया है।

# सुशासन तिहार : प्राप्त आवेदनों का करें निराकरण-कलेक्टर

**दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी**

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

उन्होंने सुशासन तिहार-2026 अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभागों को प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्वक निराकरण करने अधिकारियों को निर्देशित किया। शिकायत संबंधी आवेदनों का गंभीरतापूर्वक शत-प्रतिशत निराकरण किया जाए। आवेदन निराकरण पश्चात् आवेदक को अवगत करायी जाए साथ ही गुगलशीट में भी अपडेट किया जाए। कलेक्टर ने जिले में संचालित जनगणना संबंधी कार्य की जानकारी ली और निर्धारित अवधि तक प्रथम चरण के कार्य को पूर्ण करा लेने की निर्देश दिये। कलेक्टर ने पंडित दीनदयाल भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत अलग-अलग हितग्राहियों के एक ही बैंक खाते में राशि अंतरित होने को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को जनपद पंचायत एवं नगर पंचायत अंतर्गत संबंधित बैंकों के खाते फ्रीज कराकर जांच कराने के कड़े निर्देश दिये है।

उन्होंने धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत चयनित ग्रामों क्रमशः नवागांव(स), डगनियां, सेमरिया (बागडुमर) विकासखण्ड धमधा एवं ग्राम अकतई विकासखण्ड पाटन में आईईसी कैम्पेन के अंतर्गत विभागीय गतिविधियों के तहत हितग्राहियों को संतृप्त कर 18 से 25 मई 2026 तक प्रत्येक ग्राम के प्रति दिन के क्रियाकलाप फोटो-विडियों हितग्राहियों के कथन/बयान आदि का मीडिया में प्रसार-प्रचार व पोर्टल अपलोड कर की गई कार्यवाही से अवगत कराने संबंधित जनपद सीईओ को निर्देशित किया।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों से सहकारी समितियों के लेखा मिलान की जानकारी ली। संतोषप्रद जवाब नही मिलने पर अधिकारियों को फटकार लगायी और एक सप्ताह के भीतर कार्य पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम पंचायतों के माध्यम से राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा की और अविवादित, नामांतरण, बंटवारा, पंजीयन प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिये। संबंधित एसडीएम और जनपद सीईओ को नियमित समीक्षा कर त्वरित निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने रेलवे लाईन मुआवजा राशि वितरण के संबंध में कहा कि जिन गांवों का प्रकरण तैयार है संबंधित एसडीएम प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि वितरण कराना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के निर्माण कार्यो की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्माण कार्य एजेंसी विभाग अप्रारंभ कार्य शीघ्र प्रारंभ करायें तथा पूर्ण कार्यो का यु.सी./सी.सी. सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को भेजने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला खनिज अधिकारी को बिना अनुमति अवैध उत्खनन और ईंट भट्ठों पर कड़ी कार्यवाही के साथ पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिये। इसी प्रकार कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को ग्रामीणों की मंशानुसार खेल मैदान मर्रा को ग्राम पंचायत को हैण्डओवर करने के निर्देश दिये। बैठक में वनमंडलाधिकारी श्री दीपेश कपिल, एडीएम वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम भिलाई कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं सिल्ली थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

# जॉब कार्ड बना सहारा, गांव में ही मिलेगा रोजगार

**दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी**

जनपद पंचायत दुर्ग क्षेत्र की पाउवारा गांव की निवासी ईश्वरी साहू लंबे समय से रोजगार की समस्या से जूझ रही थी। पति के बीमार पड़ने से परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी कठिन हो रहा था। बच्चे के स्कूल का फीस पटाने में परेशानी हो रही थी। ऐसे समय में शासन की महत्वाकांक्षी मनरेगा योजना के तहत उन्हें जॉब कार्ड प्राप्त हुआ, जिसने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई।

पुरई जनसमस्या निवारण शिविर में श्रीमती साहू को जॉब कार्ड मिलने के बाद अब उन्हें गांव में ही रोजगार उपलब्ध होगा। नियमित मजदूरी मिलने से परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा तथा बच्चों की पढ़ाई और घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करना आसान होगा।

# ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के क्रियान्वयन के लिए नगरीय निकाय में उच्च स्तरीय बैठक

**कुम्हारी, प्रतिदिन राजधानी**

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के हालिया दिशा-निर्देशों के शत-प्रतिशत पालन हेतु नगर निकाय कार्यालय में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। इस उच्च स्तरीय बैठक में नगरीय निकाय के अध्यक्ष मीना वर्मा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नेतराम चंद्राकर, समस्त वार्ड पार्षदगण, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी गौरव केशरवानी एवं स्वच्छता से जुड़े अधिकारी कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश क्रमांक 6147/2023 के तहत अब वार्ड पार्षद केवल जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि अपने वार्ड में स्रोत पर ही कचरा पृथक्करण शिक्षा के लिए मुख्य वैधानिक उत्तरदायी यानी नामित किए गए हैं। प्रत्येक वार्ड में पार्षद की अध्यक्षता में वार्ड स्वच्छता समिति का गठन किया जा रहा है, जिसमें स्वच्छता पर्यवेक्षक, महिला स्वसहायता समूह और स्थानीय व्यापारी संघ के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

**अब घर-घर में रखने होंगे 4 रंगीन डस्टबिन**

एडब्लयूएम नियम, 2026 के तहत अब नगर के सभी नागरिकों को अपने घरों और दुकानों में मिश्रित कचरा रखने की अनुमति नहीं होगी। अब प्रत्येक परिवार को अनिवार्य रूप से 4 अलग-अलग रंग के डिब्बों में कचरा बांटना होगा जिनमे हरा डिब्बा रसोई का गीला कचरा, नीला डिब्बा प्लास्टिक, कागज, कांच जैसे सूखा कचरा लाल डिब्बा स्वास्थ्यकर अपशिष्ट जैसे डायपर, सैनिटरी नैपकिन इत्यादि और बैंगनी डिब्बा विशेष देखभाल अपशिष्ट जैसे दवाइयाँ, इलेक्ट्रॉनिक कचरा, बैटरी) इत्यादि के लिए होंगी। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि ढके हुए 4-कम्पार्टमेंट वाले वाहनों से ही कचरा संग्रहण किया जाएगा. नियम तोड़ने वाले और मिश्रित कचरा देने वालों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति के सिद्धांत के तहत सख्त आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बैठक में जानकारी दी कि नगर के ऐसे संस्थान जो प्रतिदिन 100 किलोग्राम जिनका निर्माण क्षेत्र 20 हजार वर्गमीटर से अधिक है जैसे बड़े स्कूल, कॉलेज, व्यावसायिक मॉल, अस्पताल और होटल उन्हें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल पर अनिवार्य डिजिटल पंजीकरण कराना होगा।

# जिले में जनगणना प्रक्रिया के लिए प्रशासन ने जारी की जरूरी एडवाइजरी

**दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी**

छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग की अधिसूचना के परिपालन में जिला प्रशासन ने आगामी जनगणना के सुचारू संचालन के लिए प्रगणकों और नागरिकों के लिए अनिवार्य गाइडलाइंस जारी की हैं। जिसके अनुसार सभी नागरिक प्रगणक द्वारा पूछे गए वैधानिक प्रश्नों का सही उत्तर देने के लिए बाध्य हैं। हालांकि, स्थानीय सामाजिक परंपराओं का सम्मान करते हुए किसी भी महिला को उसके पति/मृत पति का नाम या किसी भी नागरिक को अपने परिवार के सदस्यों का नाम बताने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा।

नागरिकों को अपने घरों में प्रगणकों को युक्तियुक्त प्रवेश देने और मकानों पर जनगणना के लिए आवश्यक नंबर या चिन्ह लगाने की अनुमति देनी होगी। प्रगणकों को भी नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार करने और घरेलू रूढ़ियों का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए है। प्रगणकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे वैधानिक सीमा में रहकर केवल केंद्र सरकार द्वारा राजपत्र में निर्दिष्ट और निर्धारित प्रश्नों को ही पूछें तथा नागरिकों से अनावश्यक या अतिरिक्त पूछताछ न करें। साथ ही, अपने कर्तव्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या इंकार करने पर प्रगणकों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर गलत जानकारी देता है, उत्तर देने से इनकार करता है, या मकानों पर लिखे गए नंबरों को मिटाता/नुकसान पहुंचाता है, तो उस पर 1,000 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। जनगणना कार्य में बाधा डालने या कार्यालय में अनधिकृत प्रवेश करने पर 1,000 जुर्माने के साथ अधिकतम 3 वर्ष तक की जेल का भी प्रावधान है। जनता के भ्रम को दूर करते हुए स्पष्ट किये गए आंकड़े पूरी तरह गोपनीय रहेंगे। इन्हें किसी भी दीवानी या आपराधिक मामले में कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश नहीं किया जा सकता।

# सुशासन तिहार हाऊसिंग बोर्ड सूर्यकुण्ड सामुदायिक भवन में शिविर

**भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी**

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत वैशाली नगर में जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने हेतु 19 मई मंगलवार को वैशाली नगर स्थित हाऊसिंग बोर्ड सूर्यकुण्ड सामुदायिक भवन में जन समस्या निवारण हेतु सुशासन शिविर का आयोजन किया गया है।

इस शिविर में वार्ड क्रमांक 21 कैलाश नगर, 22 कुरुद बस्ती, 23 घासीदास नगर, 24 हाऊसिंग बोर्ड एवं 25 जवाहर नगर हाऊसिंग बोर्ड के नागरिक शामिल होकर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का निराकरण तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने आवेदन भी जमा किये हैं । शिविर में राष्ट्रीय आयुष मिशन, मेडिकल स्वास्थ्य विभाग, एम.एम.यू. चलित स्वास्थ्य शिविर, महिला एवं बाल विकास विभाग, उज्ज्वला योजना, पशुधन विभाग, राशन कार्ड, पेयजल एवं जल कार्य, लोक कर्म विभाग, नामांतरण एवं लीज डीड फ्री-होल्ड, राष्ट्रीय पेंशन योजना, जन स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना, समाज कल्याण विभाग, आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग, श्रम विभाग, ई-श्रमिक कार्ड, वन विभाग, पुलिस सहायता केन्द्र तथा जन मित्र योजना सहित विभिन्न विभागों के काउंटर लगाए गए।

शिविर में नागरिकों को स्वास्थ्य जांच, दस्तावेज संबंधी मार्गदर्शन, योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया में सहायता प्रदान की गई।

# दिन में सूरज की प्रचंड किरणों के ताप से रहे परेशान

**दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी**

दिन में सूरज की प्रचंड किरणों के ताप से लोग परेशान रहे वहीं शाम को हुई अचानक बारिश के बाद उमस भरी गर्मी ने हलाकान किया जिले में फिर पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है

मौसम विभाग के अनुसार दुर्ग में आज अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि लगभग सामान्य तापमान के बराबर है वहीं न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जोकि सामान्य से 1.1 डिग्री कम है। विभाग के अनुसार अगले 5 दिनों में ग्रीष्म लहर चलने की संभावना है वहीं आगामी 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक वृद्धि की संभावना है बुधवार को अधिकतम तापमान 43 एवं न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रह सकता है

विभाग के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश व आसपास के इलाकों में समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर तक 5.8 किमी ऊपर तक फैला एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है

**घंटों बिजली बंद रहने से बढ़ी परेशानी**

लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहे वहीं तेज हवा के साथ हुई बारिश के बाद बिजली भी बंद रहीं बारिश खतम होने के घंटों बाद भी बिजली बंद रहने से गर्मी से बेहाल लोगों की परेशानी और बढ़ गई।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444



# बुमराह ने पहली बार मनीष पांडे को आउट किया...चाहर ने पर्ची निकालने की एक्टिंग की, ग्रीन को रिव्यू पर विकेट मिला

**कोलकाता।** कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के 65वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हरा दिया। बुधवार को जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल में पहली बार मनीष पांडे का विकेट लिया। मनीष 2020 के बाद पहली बार मैन ऑफ द मैच बने। ईडन गार्डन्स में तिलक वर्मा ने पहली बाउंड्री लगाने के लिए 25 गेंद ली। मैच में कई इंटरेस्टिंग मोमेंट्स भी आए। दीपक चाहर ने विकेट लेने के बाद पर्ची निकालने की एक्टिंग की। वहीं बारिश की वजह से 1 घंटे तक खेल रुका रहा।

### तिलक ने 25वीं गेंद पर पहली बाउंड्री लगाई

आईपीएल 2026 में पहली बाउंड्री के लिए सबसे ज्यादा गेंद खेलने का अनचाहा रिकॉर्ड तिलक वर्मा के नाम दर्ज हुआ है। तिलक ने कोलकाता के खिलाफ 25वीं गेंद पर पहली बाउंड्री लगाई। इस लिस्ट में रवींद्र जडेजा दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने लखनऊ के खिलाफ 24 गेंद खेली थी।

### मनीष 49 गेंद बाद बुमराह की बॉल पर आउट हुए

मुंबई के खिलाफ मैच में मनीष पांडे आईपीएल में पहली बार जसप्रीत बुमराह की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने इससे पहले बुमराह की 49 गेंद खेली थी। वह बुमराह के खिलाफ बिना आउट हुए सबसे ज्यादा गेंद खेलने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में शिखर धवन पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने बुमराह की 66 गेंद खेली थी।

### ग्रीन को रिव्यू पर विकेट मिला

मुंबई की पारी के तीसरे ओवर में कैमरन ग्रीन ने दो विकेट चटकाए। ओवर की तीसरी गेंद पर ग्रीन ने रायन रिकेल्टन (6 रन) को कवर पॉइंट पर कैच आउट कराया। मनीष पांडे ने मुश्किल हाई कैच पकड़ा। फिर आखिरी गेंद पर ग्रीन ने नमन धीर को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया।

हालांकि अंपायर ने नॉटआउट दिया, लेकिन कोलकाता ने रिव्यू लिया। रिप्ले में अल्ट्राएज में स्पाइक दिखा और थर्ड अंपायर ने नमन को आउट करार दिया।

### बारिश की वजह से 1 घंटे तक खेल रुका

पहली पारी के 8वें ओवर के बाद तेज बारिश शुरु हो गई। इसकी वजह से करीब 1 घंटे तक खेल रुका रहा। हालांकि बारिश रुकने के बाद ओवर में कटौती नहीं की गई और पूरा मैच खेला गया।

### कैच छूटने पर रघुवंशी और वरुण में नोंक-झोंक

पहली पारी के 11वें ओवर में विकेटकीपर अंगकृष रघुवंशी की टक्कर लगने से वरुण चक्रवर्ती से कैच छूट गया। वरुण के ओवर की पांचवी गेंद पर तिलक वर्मा ने स्लॉग स्वीप खेला, लेकिन गेंद बल्ले का टॉप-एज लेकर खड़ी हो गई। वरुण ने गेंद पकड़ भी लिया था, लेकिन दौड़कर आ रहे रघुवंशी उनसे टकरा गए और कैच छूट गया। कैच ड्रॉप होने के बाद चक्रवर्ती, रघुवंशी से काफी नाराज दिखे।

**विकेटकीपर रघुवंशी चोट की वजह से मैदान से बाहर गए :** मुंबई की पारी के 14वें ओवर में विकेटकीपर अंगकृष रघुवंशी मैदान से बाहर चले गए। 11वें ओवर में वरुण से हुई टक्कर के बाद रघुवंशी के उंगली में चोट लगी थी। 3 ओवर ग्राउंड पर रहने के बाद टीम के फिजियो उन्हें मैदान से बाहर ले गए। उनकी जगह तेजस्वी दहिया बतौर सब्स्टिट्यूट विकेटकीपर मैदान पर आए।

### रिंकू सिंह के थ्रो पर विल जैक्स रनआउट हुए

17वें ओवर में रिंकू सिंह ने सटीक थ्रो लगाकर विल जैक्स को पवेलियन भेजा। वरुण चक्रवर्ती की चौथी बॉल पर जैक्स ने कवर्स की ओर शॉट खेला और दो रन के लिए भागे। लेकिन दूसरे छोर पर खड़े कॉर्बिन बॉश ने दूसरे रन के लिए मना कर दिया और जैक्स को वापस लौटना पड़ा। इस दौरान डीप में खड़े रिंकू सिंह ने तेजी से गेंद को फील्ड कर सटीक थ्रो फेंका, जिसे वरुण ने कलेक्ट कर गिल्लियां बिखेर दीं। रिप्ले में दिखा की जैक्स क्रीज से काफी बाहर रह गए थे।

### एलन को बोल्ड कर चाहर ने चिट निकालने की एक्टिंग की

कोलकाता की पारी के पहले ही ओवर में दीपक चाहर ने फिन एलन को आउट करने के बाद अनोखे अंदाज में जश्न मनाया। ओवर की आखिरी गेंद पर चाहर ने एलन (8 रन) को बोल्ड कर दिया।

### चाहर और रॉबिन की गलतफहमी से छूटा पॉवेल का कैच

गुजरात की पारी के 10वें ओवर में दीपक चाहर और रॉबिन मिंज की गलतफहमी से रोवमन पॉवेल को जीवनदान मिल गया। ओवर की दूसरी गेंद हार्दिक पंड्या ने शॉर्ट डाली, जिसपर पॉवेल ने पुल शॉट खेला, लेकिन गेंद ने बल्ले का टॉप एज लिया। चाहर और मिंज दोनों खिलाड़ियों के पास कैच लेने का मौका था, लेकिन किसी ने भी कॉल नहीं किया।

## मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर लगा मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

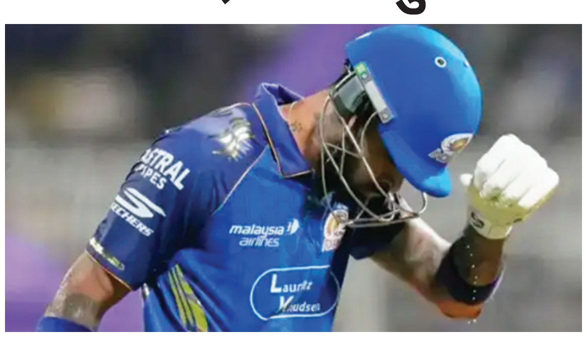

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर आचार संहिता उल्लंघन के चलते 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार यह मामला ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले के दौरान सामने आया। हार्दिक पांड्या को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिटिंग्स के दुरुपयोग से संबंधित है। यह घटना दूसरी पारी के 10वें ओवर की चौथी गेंद के बाद हुई, जब हार्दिक रन-अप पर लौटते समय गुस्से में विकेट की बेल्स को जोर से मारते नजर आए। मैच रेफरी राजीव सेठ ने इस पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया। हार्दिक ने अपनी गलती स्वीकार कर सजा भी मान ली। केकेआर ने मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हराया। इस मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें कायम रखीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 147/8 का स्कोर बनाया। मुंबई के लिए हार्दिक पंड्या ने 26 रन, तिलक वर्मा ने 20 रन और कॉर्बिन बॉश ने 18 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए। जवाब में केकेआर ने 18.5 ओवर में 148/6 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। केकेआर की ओर से मनीष पांडे ने 33 गेंदों पर 45 रन की अहम पारी खेली, जबकि रोवमैन पॉवेल ने 40 रन बनाए।

दोनों के बीच 64 रन की साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। रिंकू सिंह ने नाबाद 9 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। गेंदबाजी में कॉर्बिन बॉश ने मुंबई के लिए 3 विकेट लिए, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। मनीष पांडे को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

## गुजरात ने चेन्नई को 230 रन का टारगेट दिया, सुदर्शन ने 84 रन बनाए

### गिल-बटलर के अर्धशतक, चेन्नई के तीन गेंदबाजों को 1-1 विकेट...

**अहमदाबाद।** आईपीएल में गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 230 रन का टारगेट दिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाए। गुजरात के लिए साई सुदर्शन ने 53 गेंदों में 84 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। कप्तान शुभमन गिल ने भी 37 गेंदों में 64 रन बनाए और दोनों ने पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी की। आखिरी ओवरों में जोस बटलर ने 27 गेंदों में नाबाद 57 रन ठोके। वहीं वॉशिंगटन सुंदर ने 3 गेंदों में 7 रन बनाए। चेन्नई की ओर से मुकेश कुमार, स्पेंसर जॉनसन और अंशुल कंबोज को 1-1 विकेट मिला। 19वें ओवर में कंबोज के ओवर में 15 रन आए, लेकिन चेन्नई ने दो अहम विकेट भी झटके। ओवर की पहली गेंद पर सुदर्शन ने शानदार छक्का जड़ा, लेकिन अगली ही गेंद पर वह बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में लॉन्ग-ऑफ पर शॉर्ट को कैच थमा बैठे। सुदर्शन ने 53 गेंदों में 84 रन की बेहतरीन पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। इसके बाद तेवतिया बिना खाता खोले रन आउट हो गए। गायकवाड ने मिड-ऑफ से शानदार डायरेक्ट हिट लगाकर उन्हें पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद बटलर ने लगातार दो चौके जड़कर दबाव कम किया और सिर्फ 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। बटलर ने बल्ला उठाकर दर्शकों का अभिवादन किया। ओवर खत्म होने तक गुजरात का स्कोर 19 ओवर में 216/3 पहुंच गया। 14वें ओवर में 22 रन आए। बटलर ने नूर के खिलाफ आते ही आक्रामक अंदाज अपनाया और दो शानदार छक्के जड़े। ओवर की आखिरी गेंद पर बटलर ने फुल लेंथ गेंद को काउ कॉर्नर के ऊपर स्टैंड में पहुंचा दिया। 12.2 ओवर में ने जॉनसन ने गिल को आउट कर चेन्नई को बड़ी सफलता दिलाई। गिल ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हवा में चली गई। शिवम दुबे ने पीछे की ओर दौड़ते हुए शानदार कैच लपका। इस सीजन कैचिंग में संघर्ष कर रहे दुबे के लिए यह आसान मौका नहीं था। गिल 37 गेंदों में 64 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। 11.1 ओवर में नूर की गेंद पर एक रन लेकर सुदर्शन ने अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनका लगातार पांचवां आईपीएल पचासा है। सुदर्शन ने डगआउट की ओर अंगूठा दिखाकर जश्न मनाया। उन्होंने शुरुआत धीमी की थी, लेकिन बाद में शानदार लय पकड़ते हुए तेजी से रन बनाए। नूर की गुगली गेंद को उन्होंने स्क्वायर लेग के पीछे खेलकर एक रन लिया और अपना अर्धशतक पूरा किया। गिल ने टी-20 क्रिकेट में 6000 रन पूरे कर लिए हैं।

वह इस मुकाम तक सबसे कम पारियों में पहुंचने वाले बल्लेबाजों की सूची में सातवें स्थान पर हैं। गिल ने यह उपलब्धि 185 पारियों में हासिल की। इस लिस्ट में टॉप पर क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 162 पारियों में 6000 रन पूरे किए थे। 6.6 ओवर में नूर अहमद की गेंद पर गिल ने शानदार छक्का जड़ते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। गिल ने बल्ला उठाकर दर्शकों का अभिवादन किया और तालियों का आनंद लिया। उन्होंने 23 बॉल पर फिफ्टी लगाई। पावरप्ले में गुजरात ने 62 रन बनाए। शुरुआत में मुकेश ने गेंद को अच्छी स्विंग कराई, लेकिन शुभमन गिल ने स्पेंसर जॉनसन का स्वागत चौके से किया। इसी दौरान विकेटकीपर संजू सैमसन गेंद पकड़ते समय उंगली चोटिल कर बैठे और मैदान से बाहर चले गए।

## श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज के लिए इंडिया ए टीम में शामिल हुए अनुकूल रॉय

**नई दिल्ली।** आगामी श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज के लिए इंडिया ए टीम में ऑलराउंडर अनुकूल रॉय को शामिल किया गया है। पुरुष चयन समिति ने उन्हें हर्ष दुबे की जगह टीम में मौका दिया है। हर्ष दुबे को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घरेलू सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट और वनडे टीम में पहली बार चयनित किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह त्रिकोणीय सीरीज 9 जून से 21 जून तक श्रीलंका के दांबुला में खेली जाएगी। टूर्नामेंट में श्रीलंका ए, इंडिया ए और अफगानिस्तान ए की टीमें हिस्सा लेंगी। इंडिया ए टीम की कप्तानी तिलक वर्मा करेंगे, जबकि रियान पराग को उपकप्तान बनाया गया है।

**श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज के लिए अपडेटेड इंडिया ए टीम :** तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान और अनुकूल रॉय।

## फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से पहले फिर चोटिल हुए नेमार

**रियो डी जनेरियो।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से ठीक पहले ब्राजील को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी नेमार एक बार फिर चोटिल हो गए हैं। नेमार को हाल ही में ब्राजील की विश्व कप टीम में चुना गया है। 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, 34 साल के सैंटोस स्टार बुधवार को सैन लोरेंजो के खिलाफ अपनी टीम के घरेलू कोपा सुदामेरिकाना मैच में पिंडली की चोट के कारण नहीं खेल पाए। हालांकि ब्राजील के क्लब ने नेमार की इंजरी को गंभीर नहीं बताया है। सैंटोस टीम के डॉक्टर रोड्रिगो जोगैब ने कहा कि फॉरवर्ड खिलाड़ी 27 मई को ब्राजील के पहले प्री-वर्ल्ड कप ट्रेनिंग सेशन के लिए तैयार होंगे। 'ओ ग्लोबो' ने जोगैब के हवाले से कहा, 'नेमार नेशनल टीम में फिट या लगभग पूरी तरह से फिट होने की स्थिति में ही टीम को रिपोर्ट करेंगे। इस बात की भी संभावना है कि वह अगले मंगलवार को डेपोर्टिवो कुएनका के खिलाफ खेल सकते हैं।' ब्राजील के लिए 128 इंटरनेशनल मुकाबलों में सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार ने ब्राजील के लिए आखिरी मुकाबला अक्टूबर 2023 में खेला था। उरुग्वे के खिलाफ हुए वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उनका एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व अटैकर तब से चोटों से जूझ रहे हैं; पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद नेमार ने 38 मुकाबलों में सिर्फ 17 गोल किए हैं।

# एस्टन विला 30 साल बाद बनी यूरोपा लीग चैंपियन

## फाइनल में जर्मनी के फ्रीबर्ग को 3-0 से हराया, मैनेजर उनाई एमेरी ने पांचवीं बार जीता खिताब

**नई दिल्ली।** इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब एस्टन विला ने इस्तांबुल में खेले गए यूरोपा लीग फाइनल में जर्मनी के एससी फ्रीबर्ग को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ क्लब ने ट्रॉफी जीतकर फैंस का 30 साल का इंतजार खत्म किया। एस्टन विला ने 1996 के बाद पहली बड़ी घरेलू ट्रॉफी और 1982 के बाद पहली बड़ी यूरोपीय ट्रॉफी जीती। टीम की सफलता में मैनेजर उनाई एमेरी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने रिकॉर्ड पांचवीं बार यूरोपा लीग का खिताब जीता।

फाइनल की शुरुआत से ही एस्टन विला ने खेल पर कंट्रोल बनाए रखा। शुरुआती मिनटों में मॉर्गन रोजर्स ने फ्रीबर्ग के गोलकीपर नूह अतुबोलू को शानदार शॉट से सतर्क कर दिया था। इसके बाद विला ने लगातार हमले किए और हाफ-टाइम से पहले पहला गोल दागकर बढ़त बना ली।

**टाईलेमैंस और बुएंडिया ने पहले हाफ में दागे दो बैक-टू-बैक गोल :** पहले हाफ में दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थीं, तभी एस्टन विला ने फ्रीबर्ग के डिफेंस को भेद दिया। कॉर्नर पर मॉर्गन रोजर्स ने पेनल्टी एरिया में सटीक क्रॉस दिया, जिसे यूरी टाईलेमैंस ने गोल में बदल दिया। यह टाईलेमैंस का पूरे सीजन में दूसरा गोल था। उन्होंने दिसंबर के बाद पहला गोल फाइनल में दागा। फ्रीबर्ग पहले गोल से उबर भी नहीं पाया था कि कुछ मिनट बाद एस्टन विला ने दूसरा गोल कर दिया। एमिलियानो बुएंडिया ने डी-एरिया के बाहर से शॉट खेला, जो गोल पोस्ट के कोने में गया। लगातार दो गोल की बदौलत एस्टन विला हाफ-टाइम तक 2-0 से आगे हो गया।

**दूसरे हाफ में रोजर्स ने किया तीसरा गोल, फ्रीबर्ग को वापसी का मौका नहीं मिला :** हाफ-टाइम के बाद एस्टन विला ने फ्रीबर्ग को वापसी का मौका नहीं दिया। मॉर्गन रोजर्स ने 58वें मिनट में टीम के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागा। रोजर्स ने एमिलियानो बुएंडिया के क्रॉस पर स्लाइड करते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया। इसके साथ विला की 3-0 की बढ़त पक्की हो गई और मैच फ्रीबर्ग के हाथ से निकल गया।

**उसी जर्सी में उतरी टीम, प्रिंस विलियम और टॉम हैंक्स ने मनाया जश्न :** बर्मिंघम के इस क्लब के लिए यह जीत भावुक और ऐतिहासिक रही। एस्टन विला ने आखिरी बार 1996 में लीग कप जीता था, जबकि यूरोप में उसकी पिछली बड़ी सफलता 1982 के यूरोपियन कप फाइनल में आई थी, जब टीम ने बायर्न म्यूनिख को हराया था। एस्टन विला इस्तांबुल में सफेद जर्सी पहनकर उतरी, जैसी उसने 1982 में रॉटरडैम में पहनी थी। 1982 की विजेता टीम के हीरो पीटर विथ और डेनिस मॉर्टिमर भी स्टैंड्स में मौजूद थे। ब्रिटिश शाही परिवार के प्रिंस विलियम और हॉलीवुड एक्टर टॉम हैंक्स ने भी जीत का जश्न मनाया। टॉम हैंक्स ने मैच से पहले टीम के लिए खास सपोर्ट मैसेज भेजा था।

## पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद आमिर ब्रिटिश नागरिक बने, पत्नी के आधार पर मिला यूके पासपोर्ट

**नई दिल्ली।** पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिल गई है। उनकी पत्नी नरजिस खान ब्रिटिश नागरिक हैं और इसी आधार पर उन्होंने कुछ साल पहले नागरिकता के लिए आवेदन किया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें च पासपोर्ट जारी कर दिया गया। हालांकि, वह आईपीएल में खेल पाएंगे या नहीं, इसे लेकर संशय है। आमिर ने 2020 में संन्यास लिया था, फिर 2024 में वापसी की थी। लेकिन 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टीम से ड्रॉप होने पर फिर संन्यास ले लिया। उन्होंने आखिरी टी-20 मैच 2024 वर्ल्ड कप में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। आमिर पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 वनडे और 62 टी-20 मैच खेल चुके हैं। वह 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। फाइनल में उन्होंने रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन जैसे भारतीय बल्लेबाजों के विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया था।

पाकिस्तानी खिलाड़ी 2008 के पहले आईपीएल सीजन के बाद से टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बने हैं। हालांकि, पाकिस्तान में जन्मे अजहर महमूद बाद में आईपीएल खेलने वाले इकलौते खिलाड़ी रहे।

## हॉकी इंडिया ने घोषित की अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय पुरुष टीम, केतन कुशवाहा होंगे कप्तान

**भोपाल।** हॉकी इंडिया ने जापान में होने वाले पुरुष अंडर-18 एशिया कप काकामिगाहारा 2026 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 29 मई से 6 जून तक खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन भोपाल स्थित उदय दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय साई केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के बाद किया गया। टीम के कोचिंग स्टाफ में पूर्व भारतीय कप्तान सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा शामिल रहे। टीम ने टूर्नामेंट की तैयारी के तहत ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 टीम के खिलाफ चार मैचों की एक्सपोजर सीरीज भी खेली। फॉरवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मुकाबला जीता, एक हारा जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। एशिया कप में भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 मई को कजाकिस्तान के खिलाफ करेगा। इसके बाद 31 मई को मेजबान जापान से मुकाबला होगा। भारतीय टीम 1 जून को दक्षिण कोरिया और 3 जून को चीनी ताइपे के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले 5 जून को और फाइनल 6 जून को खेला जाएगा। टीम चयन पर कोच सरदार सिंह ने कहा, 'चयन प्रक्रिया काफी प्रतिस्पर्धी रही, लेकिन हमने ऐसी 18 सदस्यीय टीम चुनी है जो हमें बेहतरीन संतुलन देती है। भोपाल में प्रशिक्षण और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मैचों से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के दबाव और खेल की गति को समझने का मौका मिला। हमने पिछले कुछ सप्ताहों में रणनीति, पेनल्टी कॉर्नर और टीम संरचना पर काफी काम किया है।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशिकत
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 22 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

## सैमसंग ने भारत में 2026 विजन एआई टीवी के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू किया

गुरुग्राम। सैमसंग ने घोषणा की है कि भारत में ग्राहक अब कंपनी के नए 2026 विजन एआई टेलीविजन के लिए अपनी दिलचस्पी दर्ज करा सकते हैं। कंपनी इस नई टीवी सीरीज को इसी महीने लॉन्च करने वाली है। सैमसंग के नए विजन एआई टीवी एडवांस फीचर्स और अत्याधुनिक तकनीक के साथ आएंगे, जो व्यूइंग अनुभव को और बेहतर बनाएंगे। कंपनी ने बताया कि 2026 में वह अपनी विजन एआई कम्पेनियन यानी वीएसी सुविधाओं का विस्तार 4के यूएचडी और उससे ऊपर की टीवी रेंज में करेगी, जो टीवी अनुभव के केंद्र में एआई को लाने की उसकी व्यापक रणनीति को दर्शाता है। इससे एआई आधारित व्यूइंग को ज्यादा कैटेगरी, स्क्रीन साइज और अलग-अलग उपभोक्ता जरूरतों तक पहुंचाया जा सकेगा। सैमसंग पिछले 20 वर्षों से ग्लोबल नंबर-1 टीवी ब्रांड बना हुआ है। यह सफलता प्रीमियम और अल्ट्रा-लार्ज स्क्रीन इनोवेशन के प्रति सैमसंग की प्रतिबद्धता और अत्याधुनिक एआई-पावर्ड टीवी की वजह से मिली है।

## क्लासिक लेजेंड्स ने जावा, येज्दी और बीएसए डीलरशिप नेटवर्क पर 9 दिवसीय लेजेंड्स केयर कैंप की शुरुआत की

मुंबई। ग्राहकों की संतुष्टि और बिक्री के बाद के अनुभव को और बेहतर बनाने के अपने लगातार प्रयासों के तहत, क्लासिक लेजेंड्स ने देशव्यापी सर्विस पहल लेजेंड्स केयर कैंप शुरू करने की घोषणा की है। यह 9 दिवसीय सर्विस कैंप 23 मई से 31 मई 2026 तक कंपनी के सभी आधिकारिक जावा, येज्दी और बीएसए डीलरशिप नेटवर्क पर आयोजित किया जाएगा। यह सर्विस कैंप देश के कई शहरों में आयोजित किया जा रहा है। इसमें ग्राहकों को उनके वाहनों की पूरी जांच के साथ-साथ सर्विस, स्पेयर पार्ट्स, लेबर और जेन्युइन एक्सेसरीज पर खास फायदे मिलेंगे। इस पहल के तहत, कंपनी के अनुभवी और प्रशिक्षित मैकेनिक मोटरसाइकिलों की बारीकी से 72-पॉइंट जांच करेंगे। इसमें इंजन का परफॉर्मेंस, ब्रेक, क्लच, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, टायर, सस्पेंशन, बैटरी की सेहत और गाड़ी की ओवरऑल कंडीशन जैसे जरूरी हिस्सों की जांच की जाएगी, ताकि बाइक चलाने में बेहतरीन परफॉर्मेंस और पूरी सुरक्षा मिल सके। इस कैंप के दौरान आधिकारिक डीलरशिप पर जाने वाले ग्राहकों को समय-समय पर होने वाली मेंटेनेंस, स्पेयर पार्ट्स और जेन्युइन एक्सेसरीज पर विशेष ऑफर भी दिए जाएंगे। इसके साथ ही, मोटरसाइकिल के रखरखाव और खासकर मानसून से पहले राइडिंग की तैयारी को लेकर एक्सपर्ट्स से सलाह मशविरा भी किया जा सकेगा।

## टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बिलासपुर में विशेष क्षेत्रीय ड्राइव अनुभव के दौरान ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड ईवी का प्रदर्शन किया

**बिलासपुर।** सतत गतिशीलता, प्रीमियम कम्फर्ट और उन्नत ऑटोमोटिव तकनीक के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में ऑल-न्यू टोयोटा कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए एक विशेष क्षेत्रीय ड्राइव अनुभव का आयोजन किया। रिलायंस पेट्रोल पंप, NH-130, रायपुर-बिलासपुर एक्सप्रेसवे, परसदा के निकट आयोजित इस विशेष ड्राइव अनुभव में मीडिया प्रतिनिधियों और ऑटोमोबाइल उत्साहियों को कैमरी की रिफाइंड हाइब्रिड परफॉर्मेंस, लग्ज़री इंटीरियर्स और अत्याधुनिक तकनीक का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला, जो टोयोटा की प्रीमियम सेडान पेशकश को परिभाषित करती है। टोयोटा की उन्नत 5वीं पीढ़ी की हाइब्रिड तकनीक और उच्च क्षमता वाली लिथियम-आयन बैटरी से लैस ऑल-न्यू कैमरी 25.49 किमी/लीटर का प्रभावशाली माइलेज प्रदान करती है, जो दमदार प्रदर्शन और सतत गतिशीलता का आदर्श संयोजन है। इस सेडान में अपग्रेडेड 2.5 लीटर डायनेमिक फोर्स इंजन दिया गया है, जो स्मूद एक्सीलरेशन, बेहतर हैंडलिंग और शानदार राइड कम्फर्ट के साथ बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव सुनिश्चित करता है। 'एनर्जेटिक ब्यूटी' की डिजाइन अवधारणा पर आधारित ऑल-न्यू कैमरी का एक्सटीरियर बेहद बोल्ड और डायनेमिक है। इसमें नया फ्रंट बंपर, चौड़ा और आकर्षक लोअर ग्रिल, स्टाइलिश बोनट और फेंडर लाइन्स तथा नए डिजाइन के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जो इसकी स्पोर्टी अपील को और बढ़ाते हैं।

सिग्नेचर LED डे-टाइम रनिंग लाइट्स , आकर्षक बॉडी स्टाइलिंग और हाई सोलर एनर्जी एब्जॉर्बिंग V-कट ग्लास इसे प्रीमियम रोड प्रेजेंस प्रदान करते हैं। यह प्रीमियम सेडान टोयोटा सेफ्टी सेंस 3.0 (TSS 3.0) जैसी उन्नत सुरक्षा तकनीकों से लैस है, जिसमें बेहतर एक्टिव सेफ्टी फीचर्स के साथ 9 SRS एयरबैग्स दिए गए हैं, जो यात्रियों की व्यापक सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। केबिन अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए इसमें डेटा कम्युनिकेशन मॉड्यूल, रिमोट एसी पैकेज, 12.3 इंच का मल्टीमीडिया इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऐप कनेक्टिविटी तथा पूरी तरह डिजिटल 12.3 इंच मल्टी-इन्फॉर्मेशन डिस्प्ले दिया गया है, जो शानदार ग्राफिक्स और सहज उपयोग अनुभव प्रदान करता है। ऑल-न्यू कैमरी हाइब्रिड ईवी में ई-सीवीटी ट्रांसमिशन दिया गया है, जो इको, नॉर्मल और स्पोर्ट ड्राइविंग मोड्स के साथ उपलब्ध है। साथ ही इसमें 10-स्पीड सीक्वेंशियल शिफ्ट मोड भी दिया गया है, जो अधिक एंगेजिंग मैनुअल ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है। बेहतर कम्फर्ट और ड्राइविंग स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए टोयोटा ने इसके सस्पेंशन सिस्टम को भी अनुकूलित किया है, जिसमें फ्रंट में मैकफर्सन स्ट्रट्स और रियर में मल्टी-लिंक सस्पेंशन दिया गया है।

ऑल-न्यू टोयोटा कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल की एक्स-शोरूम कीमत भारत में 48,00,000 रुपये निर्धारित की गई है। बिलासपुर क्षेत्रीय ड्राइव अनुभव ने एक बार फिर यह दर्शाया कि टोयोटा पर्यावरण-अनुकूल मोबिलिटी समाधानों को बढ़ावा देने के साथ-साथ लग्ज़री, तकनीक, सुरक्षा और रोमांचक ड्राइविंग अनुभव से कोई समझौता नहीं कर रही है।

## ग्रेटेस्ट ऑन अ ट्रैक' स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपने परफॉर्मेंस डीएनए को दी नई गति

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)।** तेज उत्पाद पहलों और निरंतर नेटवर्क विस्तार के बीच, स्कोडा ऑटो इंडिया ने स्कोडा की परफॉर्मेंस कहानी को मजबूती देने वाला अपना नवीनतम अभियान लॉन्च किया है। इस अभियान की शुरुआत एक रिकॉर्ड के साथ की गई है, जो उन कई पहलों में से एक है, जो यह साबित करती हैं कि 'ग्रेटेस्ट ऑन अ ट्रैक' वास्तव में 'ट्रैक पर स्कोडा' है। इस अभियान के बारे में बात करते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशिष गुप्ता ने कहा, 'हर स्कोडा को परफॉर्मेंस के उच्चतम स्तर पर सटीकता, नियंत्रण और बेहतरीन डायनेमिक्स प्रदान करने के लिए इंजीनियर किया गया है। हमारे लिए मोटरस्पोर्ट डीएनए केवल एक पहचान नहीं है, बल्कि यह हमारी हर कार का स्वाभाविक हिस्सा है और हमारी पूरी वाहन श्रृंखला में मानक रूप से मौजूद है। यही विश्वास हमारे इस नए अभियान की नींव है, जिसमें हम 'ग्रेटेस्ट ऑन अ ट्रैक' को एक नया अर्थ दे रहे हैं और इसका सीधा अर्थ है, 'ट्रैक पर स्कोडा'। यह अभियान परफॉर्मेंस को सभी के लिए सुलभ बनाने की हमारी रणनीति का स्वाभाविक विस्तार है यह सुनिश्चित करते हुए कि हर सेगमेंट में हर स्कोडा बेहतरीन डायनेमिक क्षमता, सुरक्षा और आत्मविश्वास प्रदान करती है, जिन्हें वास्तविक ड्राइविंग अनुभव में सहज रूप से महसूस किया जा सकता है।

## एनएसई में इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) की लाइव ट्रेडिंग शुरू

**नई दिल्ली।** नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने आज, 18 मई, 2026 से इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) सेगमेंट में लाइव ट्रेडिंग शुरू कर दी है। इससे पहले 16 मई, 2026, शनिवार को मॉक ट्रेडिंग का आयोजन किया गया था, जो बिना किसी तकनीकी दिक्कत या सिस्टम एरर के सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इसके बाद आज लाइव ट्रेडिंग भी पूरी तरह सुचारु तरीके से शुरू हुई और सभी सिस्टम्स सही तरीके से काम करते रहे। ईजीआर प्रोडक्ट को लेकर एक्सचेंज को मार्केट पार्टिसिपेंट्स और पूरे इकोसिस्टम से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। इससे जुड़े प्रमुख अपडेट्स इस प्रकार हैं:

- वॉल्टिंग और कलेक्शन सेंटर्स फिलहाल अहमदाबाद और मुंबई में शुरू हो चुके हैं।
- दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु में चार नए सेंटर्स भी आज से शुरू किए जा रहे हैं।
- एक्सचेंज आने वाले समय में चरणबद्ध तरीके से और सेंटर्स की घोषणा करेगा। आगे चलकर यह नेटवर्क देशभर में 120 सेंटर्स तक बढ़ाया जाएगा। ईजीआर लॉन्च को लेकर मिले शानदार सहयोग और प्रतिक्रिया के लिए एक्सचेंज ने सभी मार्केट पार्टिसिपेंट्स, इंटरमीडियरीज़ और इकोसिस्टम पार्टनर्स का आभार जताया।

# बॉलीवुड समाचार

## जूनियर एनटीआर के जीवन से जुड़े कुछ इंट्रेस्टिंग फैक्ट्स

जूनियर एनटीआर का असली नाम नंदमूरी तारक रामाराव है।

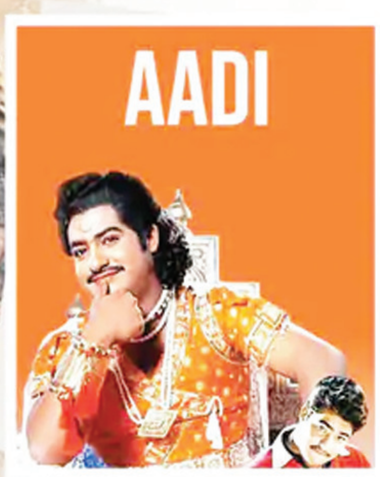


फिल्म 'आदि' की सफलता के बाद थिएटर्स में जूनियर एनटीआर के पोस्टर्स पर दूध चढ़ाने का ट्रेंड शुरू हो गया था।

जूनियर एनटीआर सिंगर भी हैं और कई फिल्मों में गाने रिकॉर्ड कर चुके हैं।

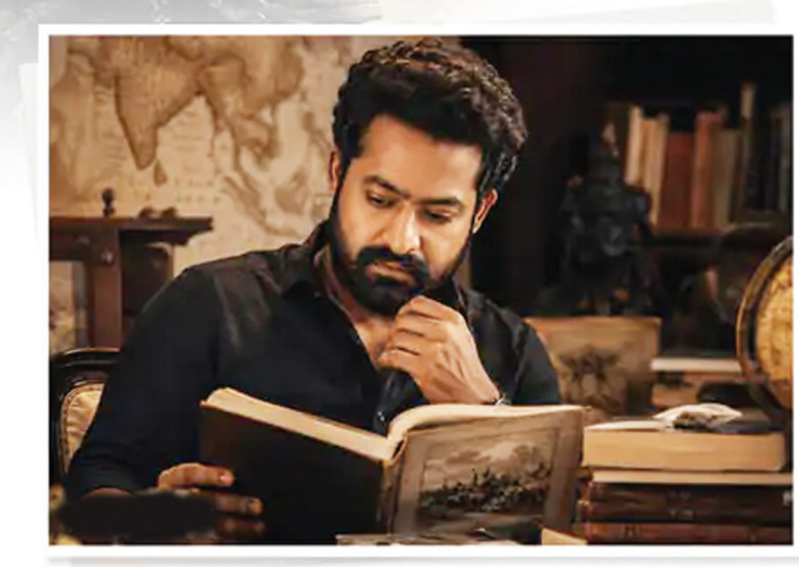

जूनियर एनटीआर को किताबें पढ़ने और इतिहास से जुड़ी बातें जानने में दिलचस्पी है। अगर जूनियर एनटीआर अभिनेता नहीं होते, तो शेफ या डांसर बनना पसंद करते।

# जूनियर एनटीआर के दादा सीएम, पापा साउथ सुपरस्टार थे

## भाई-पिता की मौत अलग-अलग समय एक तरीके से हुई, ट्रॉमा में मुखाग्नि तक नहीं दे सके

जूनियर एनटीआर आज टॉलीवुड ही नहीं, पूरे भारतीय सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाते हैं। दादा एन. टी. रामा राव की फिल्मी विरासत संभालने वाले जूनियर एनटीआर ने 13 साल की उम्र में नेशनल अवॉर्ड जीता था। कभी लुक्स और वजन को लेकर ट्रोल हुए, तो कभी उनकी एक झलक पाने के लिए लाखों फैंस उमड़ पड़े। 'अंधरावाला' के ऑडियो लॉन्च में कथित तौर पर 10 लाख लोग पहुंचे थे। जूनियर एनटीआर की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही। उनकी शादी उस दौर की सबसे महंगी सेलिब्रिटी शादियों में गिनी गई, जिसमें करीब 100 करोड़ रुपए खर्च होने की रिपोर्ट्स थीं। 2009 में चुनाव प्रचार से लौटते वक्त वह भयानक सड़क हादसे का शिकार हुए और मौत को करीब से देखा। भाई और पिता की सड़क हादसों में मौत ने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया और वह फिल्मों से दूर हो गए। लेकिन चार साल बाद आरआरआर से ऐसा कमबैक किया कि ग्लोबल स्टार बन गए।

### दादा की विरासत, राजनीति का दबदबा

जूनियर एनटीआर आज पैन-इंडिया सुपरस्टार हैं, लेकिन उनकी पहचान सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रही। वह तेलुगु सिनेमा और आंध्र प्रदेश की राजनीति के प्रभावशाली परिवार से आते हैं। उनके दादा एनटीआर (एन. टी. रामा राव) सुपरस्टार अभिनेता होने के साथ तेलुगु देशम पार्टी के संस्थापक और आंध्र प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री भी रहे। एनटीआर ने 1943 में बसवतारकम से शादी की थी। दोनों के 12 बच्चे हुए, जिनमें 8 बेटे और 4 बेटियां थीं। बाद में यही परिवार तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री और राजनीति में बेहद ताकतवर माना जाने लगा। परिवार के कई सदस्य बड़े राजनीतिक और फिल्मी नाम बने।

### एनटीआर के बेटे: फिल्मों, राजनीति और बिजनेस में दबदबा

एनटीआर के बेटों में सबसे चर्चित नाम नंदमूरी हरिकृष्ण और नंदमूरी बालकृष्ण रहे। हरिकृष्ण अभिनेता होने के साथ टीडीपी के बड़े नेता और राज्यसभा सांसद रहे। वहीं नंदामूरी बालकृष्ण तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार हैं और राजनीति में सक्रिय हैं। परिवार के अन्य बेटे भी अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रहे। नंदमूरी रामकृष्ण सीनियर फिल्म निर्माण और प्रोडक्शन गतिविधियों से जुड़े रहे। नंदामूरी जयकृष्ण फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन और बिजनेस संभालते रहे। नंदामूरी साईकृष्ण व्यावसायिक कामकाज से जुड़े रहे। नंदमूरी मोहनकृष्ण फिल्म और बिजनेस नेटवर्क का हिस्सा रहे। नंदामूरी हरिनाथ सार्वजनिक जीवन से अपेक्षाकृत दूर रहे। नंदमूरी रामकृष्ण जूनियर पारिवारिक फिल्म और बिजनेस गतिविधियों में सक्रिय रहे। अगली पीढ़ी में जूनियर एनटीआर, कल्याण राम और दूसरे कलाकारों ने फिल्मों में नाम कमाया।

### बेटियां भी बड़े राजनीतिक परिवारों से जुड़ीं

एनटीआर की बेटियां भी राजनीति और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहीं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहीं। भुवनेश्वरी नारा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की पत्नी हैं। लोकेश्वरी सामाजिक और पारिवारिक गतिविधियों में सक्रिय रहीं। उमा महेश्वरी परिवार का हिस्सा रहीं और समय-समय पर चर्चाओं में रहीं। इसी वजह से एन. टी. रामा राव परिवार को आंध्र प्रदेश का सबसे प्रभावशाली राजनीतिक-फिल्मी परिवार माना जाता है।

### दूसरी शादी और परिवार में बढ़ा राजनीतिक विवाद

बसवतारकम के निधन के बाद एनटीआर ने 1993 में लक्ष्मी पार्वती से दूसरी शादी की थी। लक्ष्मी पार्वती लेखिका थीं और एनटीआर की जीवनी लिखने के दौरान दोनों करीब आए थे। इस शादी से उनकी कोई संतान नहीं हुई। यह रिश्ता काफी विवादों में रहा और परिवार के कई सदस्य इसके खिलाफ थे। बाद में परिवार और पार्टी के भीतर बड़ा राजनीतिक संघर्ष हुआ। एनटीआर के निधन के बाद लक्ष्मी पार्वती ने अलग पार्टी बनाई, लेकिन उन्हें ज्यादा राजनीतिक सफलता नहीं मिली।

### 8 साल की उम्र में दादा की फिल्म से किया डेब्यू

जूनियर एनटीआर का जन्म 20 मई 1983 को हुआ था। उन्होंने छोटी उम्र में फिल्मों में काम शुरू कर दिया था। महज 8 साल की उम्र में 'ब्रह्मऋषि विश्वामित्र' से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट डेब्यू किया। यह फिल्म उनके दादा एनटीआर ने निर्देशित की थी। फिल्म में उन्होंने राजा भरत का किरदार निभाया था। स्कूल की पढ़ाई के साथ उन्होंने कुचिपुड़ी डांस की ट्रेनिंग ली, जिसने उनकी डांसिंग स्टाइल को अलग पहचान दिलाई।

### 13 साल की उम्र में मिला नेशनल अवॉर्ड

जूनियर एनटीआर की दूसरी बड़ी फिल्म 'रामायणम्' थी। इसमें उन्होंने भगवान श्रीराम का किरदार निभाया था। उस समय उनकी उम्र करीब 14 साल थी। फिल्म को सर्वश्रेष्ठ बाल फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना उनके करियर की बड़ी उपलब्धि माना गया। उसी दौर में इंडस्ट्री को एहसास हो गया था कि वह आगे चलकर बड़े स्टार बनेंगे।

### 18 साल की उम्र में बने लीड हीरो

साल 2001 में जूनियर एनटीआर ने 'निन्नु चूडालानी' से बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया। हालांकि उन्हें असली पहचान 'स्टूडेंट नंबर 1' से मिली। यह 'एस.एस राजामौली' की पहली डायरेक्टोरियल फिल्म भी थी। फिल्म सुपरहिट रही और यहीं से राजामौली और जूनियर एनटीआर की सफल जोड़ी शुरू हुई। बाद में दोनों ने 'सिम्हाद्री', 'यमदोंगा' और 'आरआरआर' समेत 4 फिल्मों में काम किया। चारों फिल्में सुपरहिट रहीं।

### 'आदि' और 'सिम्हाद्री' ने बना दिया मास हीरो

'आदि' और 'सिम्हाद्री' की सफलता ने जूनियर एनटीआर को युवाओं के बीच सुपरस्टार बना दिया। उनकी डायलॉग डिलीवरी, डांस और एनर्जी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। डायरेक्टर्स बताते हैं कि जूनियर एनटीआर लंबे तेलुगु डायलॉग्स बिना कट के एक ही टेक में बोल देते हैं। उनकी मेमोरी तेज मानी जाती है और यही वजह है कि उन्हें टॉलीवुड का दमदार परफॉर्मर माना जाता है।

### 'अंधरावाला' के ऑडियो लॉन्च में पहुंचे 10 लाख लोग

5 दिसंबर 2003 को फिल्म 'अंधरावाला' के ऑडियो लॉन्च इवेंट में कथित तौर पर करीब 10 लाख लोग पहुंचे थे। यह कार्यक्रम निम्माकुरु गांव में हुआ था, जो जूनियर एनटीआर के दादा एनटीआर का जन्मस्थान है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इतनी भीड़ संभालने के लिए सरकार को 10 स्पेशल ट्रेनें चलानी पड़ी थीं। उस समय जूनियर एनटीआर की उम्र 20-21 साल थी। बाद में उन्होंने द कपिल शर्मा शो में भी इस घटना का जिक्र किया था। यह आज भी टॉलीवुड इतिहास की सबसे बड़ी फैन गैदरिंग्स में गिना जाता है।

### मोटापे के कारण ट्रोल हुए, फिर किया जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन

करियर की शुरुआत में जूनियर एनटीआर को वजन और लुक्स को लेकर ट्रोल किया गया। खासतौर पर फिल्म 'राखी' के दौरान उनका वजन करीब 100 किलो तक पहुंच गया था। इसके बाद उन्होंने खुद पर मेहनत शुरू की और 'यमदोंगा' के लिए करीब 20 किलो वजन घटाया। फिल्म सुपरहिट रही और उनका नया लुक भी पसंद किया गया। एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी यह फिल्म बाद में हिंदी में 'लोक परलोक' और तमिल में 'विजयन' नाम से डब कर रिलीज की गई। इसके बाद 'बादशाह', 'टेम्पर', 'जनता गैरेज' और 'अरविंद समेथा वीरा राघवा' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग ट्रांसफॉर्मेशन दिखाए। 'अरविंद समेथा वीरा राघवा' में वह पहली बार 6 पैक एब्स में नजर आए।

### चुनाव प्रचार के दौरान हुआ था भयानक एक्सीडेंट

साल 2009 में जूनियर एनटीआर ने तेलुगु देशम पार्टी के लिए चुनाव प्रचार किया था। उनकी सभाओं में भारी भीड़ उमड़ती थी और उन्हें पार्टी का भविष्य माना जाता था। 27 मार्च 2009 को नलगोंडा जिले के पास उनकी कार का गंभीर एक्सीडेंट हुआ। हादसा इतना भयानक था कि वह एसयूवी से बाहर जा गिरे थे। उन्हें गंभीर चोटें आईं और लंबे समय तक इलाज चला। इसके बाद उन्होंने राजनीति से दूरी बना ली।

### जूनियर एनटीआर किसके बेटे हैं?

जूनियर एनटीआर, एनटीआर (एन. टी. रामा राव) के बेटे नंदामूरी हरिकृष्ण और शालिनी भास्कर राव के बेटे हैं। वह एनटीआर और उनकी पहली पत्नी बसवतारकम की फैमिली लाइन से पोते हैं। जूनियर एनटीआर के पिता नंदामूरी हरिकृष्ण ने दो शादियां की थीं। उनकी पहली पत्नी लक्ष्मी कुमारी थीं, जिनसे कल्याण राम, जनकी राम और सुहासिनी हुए। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, हरिकृष्ण की दूसरी शादी से परिवार में नाराजगी थी और दादा एन. टी. रामा राव शुरुआत में इस रिश्ते से खुश नहीं थे। हालांकि, जूनियर एनटीआर के जन्म के बाद उन्होंने शालिनी को परिवार में स्वीकार किया और अपने पोते को अपना नाम दिया। परिवार में जूनियर एनटीआर को प्यार से 'तारक' कहा जाता है। बाद में दादा एनटीआर ने अपने नाम से जोड़कर उनका पूरा नाम 'नंदामूरी तारक रामा राव' रखा। यहीं से वह 'जूनियर एनटीआर' के नाम से मशहूर हुए। जूनियर एनटीआर के पिता हरिकृष्ण फिल्मों और राजनीति दोनों में सक्रिय रहे। वह टीडीपी के बड़े प्रचारक माने जाते थे और चुनावी रैलियों में भारी भीड़ जुटाते थे। यही लोकप्रियता बाद में जूनियर एनटीआर में भी दिखाई दी।

### 18 करोड़ का मंडप बना, सुरक्षा के लिए भारी इंतजाम किए गए थे

रिपोर्ट्स के अनुसार, जूनियर एनटीआर की शादी के लिए करीब 18 करोड़ रुपए की लागत से विशाल मंडप तैयार किया गया था। मंडप को पारंपरिक दक्षिण भारतीय मंदिर शैली में सजाया गया था और इसके निर्माण में कई दिनों तक काम चला था। शादी में फिल्म इंडस्ट्री, बिजनेस और राजनीति जगत की बड़ी हस्तियां शामिल हुई थीं। भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए थे।

### 1 करोड़ की साड़ी पहनकर दुल्हन बनी थीं लक्ष्मी प्रणति

शादी में सबसे ज्यादा चर्चा लक्ष्मी प्रणति की लाल कांजीवरम साड़ी की हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई गई थी। कहा जाता है कि शादी के बाद इस साड़ी को दान कर दिया गया था। जूनियर एनटीआर और लक्ष्मी प्रणति के दो बेटे अभय राम और भार्गव राम हैं। एक्टर की पत्नी लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं और बहुत कम सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आती हैं।

### भाई और पिता की मौत ने तोड़ दिया था परिवार

2014 में जूनियर एनटीआर के बड़े भाई जानकी राम की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद अगस्त 2018 में उनके पिता नंदामूरी हरिकृष्ण का भी रोड एक्सीडेंट में निधन हो गया। पिता के अंतिम संस्कार के दौरान जूनियर एनटीआर खुद को संभाल नहीं पा रहे थे। वे इतने बदहवास हो चुके थे कि सौतेले भाई कल्याण ने पिता को मुखाग्नि दी। इन घटनाओं ने जूनियर एनटीआर को अंदर तक तोड़ दिया था। पिता की मौत के बाद उन्होंने फिल्मों से लंबा ब्रेक लिया।

### 'आरआरआर' से बने ग्लोबल स्टार

चार साल बाद जूनियर एनटीआर ने 2022 में आरआरआर से दमदार वापसी की। फिल्म में उनके निभाए कोमारम भीम के किरदार को दुनियाभर में पसंद किया गया। फिल्म के गाने 'नाटू नाटू' ने ऑस्कर जीतकर इतिहास रचा। इसके बाद जूनियर एनटीआर की लोकप्रियता पूरी दुनिया तक पहुंच गई। इस फिल्म की सफलता के बाद उन्होंने 'देवारा: पार्ट 1' और 'वॉर 2' में काम किया।

### लग्जरी कारों के शौकीन, सभी नंबर '999'

जूनियर एनटीआर को नंबर 9 पसंद है और वह इसे अपना लकी नंबर मानते हैं। यही वजह है कि उनकी ज्यादातर लग्जरी कारों के नंबर 999 होते हैं। उनके कार कलेक्शन में पोर्श 718 केमन, रेंज रोवर और लैंबोर्गिनी यूरस जैसी महंगी गाड़ियां शामिल हैं।

### राजनीति से दूरी, फिल्मों पर पूरा फोकस

इतने बड़े राजनीतिक परिवार से आने के बावजूद जूनियर एनटीआर ने अब तक सक्रिय राजनीति में एंट्री नहीं की है। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में जूनियर एनटीआर ने कहा था कि राजनीति बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और फिलहाल उनका पूरा ध्यान फिल्मों पर है।

### सामाजिक कार्यों में भी आगे रहते हैं जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर फिल्मों के अलावा सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे हैं। वह समय-समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा राहत अभियानों में मदद करते रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में आर्थिक सहायता दी थी। इसके अलावा फिल्म इंडस्ट्री के जरूरतमंद वर्कर्स और फैंस की मदद करते रहते हैं।

### 100 करोड़ की शादी बनी थी चर्चा

जूनियर एनटीआर ने 5 मई 2011 को लक्ष्मी प्रणति से हैदराबाद में भव्य समारोह में शादी की थी। जूम टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस शादी में करीब 100 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। लक्ष्मी प्रणति बिजनेसमैन नार्ने श्रीनिवास राव और नार्ने मल्लिका की बेटी हैं। मल्लिका, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की भतीजी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रिश्ते को तय कराने में चंद्रबाबू नायडू की अहम भूमिका रही थी।

# डॉ. रमन सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व, ओपी चौधरी की कार्यशैली और व्यापारियों के समर्पण की अध्यक्ष सतीश थौरानी ने की जमकर सराहना

## जिला स्तरीय व्यापारी महासम्मेलनः व्यापार, विकास और विश्वास का नया अध्याय लिख रहा चेम्बर- सतीश थौरानी

**राजनांदगांव (प्रतिदिन राजधानी)**

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की राजनांदगांव इकाई द्वारा आयोजित जिला स्तरीय व्यापारी महासम्मेलन भव्यता और नई ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामय आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं माननीय वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चैधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चेम्बर के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रदेश नेतृत्व और शीर्ष राजनेताओं की गरिमामयी उपस्थिति से क्षेत्रीय व्यापारियों में भारी उत्साह और नया जोश देखने को मिला। कार्यक्रम में राजनांदगांव इकाई के अध्यक्ष कमलेश बैद ने मुख्य अतिथियों सहित प्रदेश भर से आए सभी पदाधिकारियों और व्यापारी साथियों का आत्मीय स्वागत किया और कार्यक्रम को सफ्ल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने राजनांदगांव इकाई की सक्रियता पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने इकाई द्वारा स्थानीय व्यापारियों के हित में किए जा रहे निरंतर कार्यों की खुलकर सराहना की।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने विकसित व्यापार का आधार, चेंबर परिवार के नारे के साथ अपने उद्बोधन में कहा कि आज संस्कारधानी की पावन धरती पर राजनांदगांव इकाई द्वारा आयोजित जिला स्तरीय महासम्मेलन हमारी एकता का प्रतीक है जिसमें उपस्थित होकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।

मंच पर आसीन हमारे मार्गदर्शक और छत्तीसगढ़ विधानसभा के सम्मानीय अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी, जिन्होंने अपने दूरदर्शी अनुभवी नेतृत्व के द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। प्रदेश के यशस्वी वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चैधरी जी, व्यापारी वर्ग को प्रदेश के अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी मानते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका निराकरण कर समाधान उपलब्ध कराना इनकी विशेषता है। वर्तमान में किसी भी समस्या को फोन के माध्यम से हो या ज्ञापन के माध्यम से उसका तत्काल समाधान करते हैं। मैं प्रदेश के समस्त व्यापारियों की ओर से स्वागत एवं धन्यवाद करता हूं।

श्री थौरानी ने यह भी कहा कि चेंबर की वर्तमान कार्यकारिणी को 1 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस अवधि में छत्तीसगढ़ का व्यापारी वर्ग अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है चाहे वह जीएसटी की जटिलताएं हो जिसे माननीय वित्त मंत्री जी ने स्पष्ट रूप से बताया है। यह बात सत्य है कि मैंने फीफा के उस सॉफ्टवेयर को देखा है जिसमें एक टोल से दूसरे टोल तक कोई छोटी गाड़ी भी निकलती है तो ई वे बिल के माध्यम से जीएसटी ट्रेक कर लिया जाता है जो केंद्र सरकार के विषयांतर्गत आता है। यदि कहीं भी रेड मार्क आता है तो उक्त स्थिति में व्यापारी के पास जीएसटी ऑफिसर आता है तथा यह भी देखा गया है यदि व्यापारी से अनजाने में कोई भूल हो गई है तो उसका समाधान माननीय मंत्री जी के अधीन जितने भी कमिश्नर, ऑफिसर हैं के द्वारा तत्काल रूप से कराया जाता है।

यह अत्यंत ही महत्वपूर्ण विषय था कि जीएसटी रिफॉर्म के समय माननीया केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी से कोई संस्था राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम बार प्रत्यक्ष रूप से मुलाकात की हो। जिसकी सूचना माननीया वित्त मंत्री जी द्वारा ट्वीट करके दी गई कि पूरे देश में पहली बार कोई संगठन छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज नॉर्थ ब्लॉक में आया है, जो अपने आप में ही गौरव का विषय है।

उन्होंने आगे बताया कि जीएसटी रिफॉर्म के समय चेम्बर द्वारा जो भी मांग की गई थी उसका 70: पूरा किया गया है।

चेम्बर लगातार डॉ. रमन सिंह जी एवं ओ.पी. चैधरी जी से मुलाकात कर व्यापारियों की समस्याओं को उनके समक्ष रखा है तत्संबंध में मार्गदर्शन करते हुए सुझावों को गंभीरता से लेते हुए हमेशा व्यापारियों के हित में निर्णय लिये हैं जिसके लिए चेम्बर सदैव आभारी रहेगा।

आयोजित जिला व्यापारी महाधिवेशन के मंच से विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव में स्टेडियम एवं स्पोर्ट्स अकादमी बनाने की घोषणा करते हुए साढ़े सात एकड़ की सौगात दी जिससे वहां उपस्थित व्यापारियों में उमंग की लहर दौड़ पड़ी।

कार्यक्रम में वित्त एवं वाणिज्यिककर मंत्री श्री ओ.पी. चैधरी जी ने जीएसटी के विषय पर ध्यान आकर्षित किया। जिससे महाधिवेशन का माहौल अत्यंत उत्साहपूर्ण रहा। उन्होंने दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर बन रहे छत्तीसगढ़ स्टेट कैपिटल रीजन का विस्तार करते हुए इसमें अब राजनांदगांव को भी आधिकारिक तौर पर शामिल करने का बड़ा फैसला लिया है।

इस महत्वपूर्ण घोषणा के साथ ही राजनांदगांव अब रायपुर, नया रायपुर, दुर्ग और भिलाई के साथ जुड़कर राज्य के सबसे बड़े एकीकृत शहरी और आर्थिक कॉरिडोर का अभिन्न हिस्सा बन जाएगा। महाधिवेशन में व्यापारियों को संबोधित करते हुए डॉ. रमन सिंह एवं श्री ओ.पी.चैधरी ने स्पष्ट किया कि राजनांदगांव को एससीआर के दायरे में लाने से इस पूरे क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास को एक नई और वैश्विक पहचान मिलेगी।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों और राजनांदगांव के समस्त व्यापारी वर्ग ने इस बड़ी घोषणाओं का स्वागत किया है और इसे राजनांदगांव के औद्योगिक एवं व्यावसायिक इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय बताया है।

जिला व्यापारी महाधिवेशन का द्वितीय चरण पूरी तरह से आधुनिक व्यापारिक तकनीकों और बिजनेस मैनेजमेंट पर केंद्रित रहा। इस तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में रायपुर के सुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रशिक्षक (प्दजमतदंजपवदंस ठनेपदमे ज्तंपदमत) श्री अखिल मेदिरत्ता उपस्थित रहे। उन्होंने राजनांदगांव के व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए एक घंटे का एक अत्यंत व्यावहारिक और ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण सत्र लिया।

अपने एक घंटे के इस विशेष सत्र में श्री अखिल मेदिरत्ता ने व्यापारियों को बताया कि पारंपरिक तरीकों से बाहर निकलकर कैसे मात्र एक साल के भीतर बिजनेस में 100: की ग्रोथ और मुनाफे (च्तवपिज) में 100: की वृद्धि हासिल की जा सकती है। उन्होंने डेटा, सही रणनीति और कस्टमर रिटेंशन के कुछ ऐसे अचूक व्यावहारिक मंत्र साझा किए, जिन्हें अपनाकर छोटे और बड़े दोनों प्रकार के व्यापारी अपने टर्नओवर को दोगुना कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि जब बिजनेस सिस्टम और टेक्नोलॉजी के भरोसे ऑटोमोड पर चलता है, तो व्यापारी रोजमर्रा के छोटे-मोटे कामों से मुक्त हो जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि बिजनेसमैन को अपने व्यापार के विस्तार (म्गचंदेपवद), नई प्लानिंग और अपने परिवार के लिए भरपूर समय मिलता है।

उन्होंने व्यापारियों को बहुत ही सरल शब्दों में मार्गदर्शन दिया कि कैसे आधुनिक टूल्स और सही टीम मैनेजमेंट के जरिए वे अपने मौजूदा बिजनेस को बिना अपनी भौतिक उपस्थिति के भी सफ्लतापूर्वक और तेजी से चला सकते हैं।

महासम्मेलन के दौरान उपस्थित व्यापारियों ने व्यापार जगत से जुड़े विभिन्न गंभीर विषयों और समस्याओं पर गहन विचार-विमर्श किया तथा चेम्बर के आगामी उद्देश्यों को मूर्त रूप देने के लिए ठोस रणनीति पर चर्चा की।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, महामंत्री अजय भसीन, संरक्षक बलदेव सिंह भाटिया (निदेशक-छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ), सलाहकार संतोष जैन, कार्यकारी अध्यक्ष- राजेश वासवानी, उपाध्यक्ष- लोकेश चंद्रकांत जैन, अमरदास खट्टर, दिलीप इसरानी, मनीष प्रजापति, जितेंद्र शादीजा, हरिराम तलरेजा, मंत्री-आलोक शर्मा, राजेंद्र पारख, पंकज जैन, धनेश मटलानी, रितेश वाधवा, राहुल खुबचंदानी, आकाश डुडानी, सांस्कृतिक प्रभारी अनिल जोतसिंघानी, राजनांदगांव इकाई अध्यक्ष कमलेश बैद, अरूण डुलानी महामंत्री, शिव अग्रवाल कोषाध्यक्ष, दुर्ग इकाई अध्यक्ष अनूप गटागट, सदस्य- निखिल पांड्या, रवि सचदेव, सहित राजनांदगांव जिले के सैकड़ों प्रमुख व्यापारी, विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी और चेम्बर के वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
अखबार पढ़ने के लिए स्कैन करें :-
VISIT US ON SCAN
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रूट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर ( छ.ग. ) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य साईं प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

# ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला

## महापौर, सभापति, एमआईसी सदस्य व पार्षद रहे मौजूद

**रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी**

शासन के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा मंगलवार 19 मई को वार्ड निगम सभाकक्ष में स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्री लाल साहू, एमआईसी सदस्यगण, पार्षदगण सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में प्रेजेंटेशन के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रावधानों, कचरा पृथक्करण की अनिवार्यता तथा स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यशाला में बताया गया कि पहले मुख्य ध्यान केवल कचरा उठाकर शहर से बाहर ले जाने पर केंद्रित था, लेकिन अब यह स्पष्ट हो चुका है कि यदि कचरा उसके उत्पन्न होने वाले स्थान पर अलग-अलग नहीं किया जाएगा तो उसका प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण प्रभावी रूप से संभव नहीं हो पाएगा।

मिश्रित कचरे से दुर्गंध, बीमारियां, नालियों के जाम होने, जलभराव, नदी-तालाबों के प्रदूषण और डंपिंग स्थलों पर दबाव बढ़ने

जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। नए नियमों का मुख्य उद्देश्य यही है कि कचरे का पृथक्करण उसी स्थान पर हो, जहां वह उत्पन्न होता है।

कार्यशाला में जानकारी दी गई कि गीले कचरे से खाद अथवा बायोगैस बनाई जा सकती है, जबकि सूखे कचरे का पुनर्चक्रण किया जा सकता है। सैनिटरी अपशिष्ट एवं विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट को सामान्य कचरे में मिलाना स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण है। यदि सभी प्रकार का कचरा एक साथ मिल जाएगा तो पूरी प्रसंस्करण व्यवस्था प्रभावित होगी। अलग-अलग किया गया कचरा ही स्वच्छता व्यवस्था को स्थायी और प्रभावी बनाता है।

नागरिकों को चार प्रकार के कचरे की जानकारी दें। वार्ड स्तर पर छोटी-छोटी बैठकें आयोजित करें। महिला समूह, युवा समूह, स्कूल, व्यापारी संघ एवं सामाजिक संगठनों को अभियान से जोड़ें। खुले में कचरा फेंकने वाले स्थानों की पहचान कर मिश्रित कचरा देने की आदत को धीरे-धीरे बंद कराएं। क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाएं। नियमों के पालन करने से शहर और गांवों में साफ-सफाई की स्थिति बेहतर होगी। नालियों में कचरा जाने की समस्या कम होगी और जलभराव घटेगा।

मच्छरों, दुर्गंध और बीमारियों का खतरा कम होगा। पुनर्चक्रण और कचरा प्रसंस्करण के माध्यम से संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा। नियमों का पालन नहीं होने पर डंपिंग स्थलों, पुराने कचरे, प्रदूषण सहित निकाय पर आर्थिक एवं कानूनी बोझ बढ़ेगा।

निगम प्रशासन ने नागरिकों से घरों एवं दुकानों में ही कचरे को अलग-अलग रखने की अपील की। साथ ही सड़क, नाली, खाली प्लॉट, तालाब, नदी अथवा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने, कचरा नहीं जलाने तथा अधिकृत कचरा संग्रहण वाहन अथवा सफाई कर्मचारी को ही कचरा देने का आग्रह किया गया। इसके अलावा स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित सफाई शुल्क का नियमित भुगतान करने की भी अपील की गई, ताकि स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

# एनआरएलएम एवं एसबीएम-जी योजनाओं की प्रगति पर सीईओ जिला पंचायत ने की समीक्षा

**रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी**

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिजीत बबन पठारे द्वारा आज राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एसबीएम-जी की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों एवं लक्ष्य पूर्ति की स्थिति पर गहन चर्चा करते हुए सभी जनपद पंचायतों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में एनआरएलएम अंतर्गत समूह गठन, छूटे हुए परिवारों के शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण, लोकोश में नियमित ट्रांजेक्शन एंट्री, आंतरिक अंकेक्षण, बैंक लिंकेज, चक्रीय निधि एवं सामुदायिक निवेश निधि की समीक्षा की गई। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 31 मई से पूर्व सभी हितग्राहियों के नवीनीकरण और नए पात्र लोगों को जोड़ने के निर्देश दिए गए। एनपीए की स्थिति तथा आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सभी दीदियों को आय आधारित कार्यों से जोड़ने पर विशेष

जोर दिया गया।

एसबीएम-जी समीक्षा के दौरान एसडब्ल्यूएम रूल्स 2026 के पालन हेतु सभी जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को कार्ययोजना एवं पालन प्रतिवेदन तैयार करने के सख्त निर्देश दिए गए। डीबीटी लंबित प्रकरणों में 50 प्रतिशत मांग आगामी सोमवार तक जिला पंचायत भेजने को कहा गया। इसके अलावा लंबित जियो टैगिंग कार्य अगले सप्ताह तक पूर्ण करने, घर-घर कचरा संग्रहण एवं यूजर चार्ज वसूली में प्रगति लाने तथा स्वच्छताग्राही समूहों को समय पर मानदेय भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एफएसटीपी एवं पीडब्ल्यूएमयू की नियमित कार्यशीलता बनाए रखने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में एफएसटीपी संबंधी दीवार लेखन कराने के निर्देश भी दिए गए। वर्ष 2026-27 के लिए एनएचएच स्वीकृति हेतु मांग पत्र 25 मई तक प्रस्तुत करने एवं सभी घटकों के प्रस्ताव समय-सीमा में तैयार कर भेजने पर जोर दिया गया। साथ ही अपूर्ण एवं प्रगतिरत सीएससी कार्यों को हर हाल में शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बैठक में कहा कि सभी योजनाओं में लक्ष्य आधारित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा नियमित मॉनिटरिंग और रिपोर्टिंग के माध्यम से प्रगति की समीक्षा की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण विकास एवं स्वच्छता से जुड़े सभी कार्यों में लापरवाही न बरती जाए और शासन की प्राथमिक योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। बैठक में एसीईओ जिला पंचायत, डीडीपी, एपीओ एसबीएम-जी, जिला सलाहकार एसबीएम-जी, डीएमएम, डीपीएम, बीपीएम, एसी सहित जिले के समस्त जनपद पंचायतों के सीईओ, विकास विस्तार अधिकारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, बीएसओ, बीसी एवं सीसी उपस्थित रहे।

# सुशासन तिहार 2026-गांव-गांव तक पहुंच रही जनकल्याणकारी योजनाएं

**मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजनों को शासकीय योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के साथ ही सुशासन को और सशक्त बनाना है। इसी तारतम्य में नगर पंचायत पथरिया स्थित सामुदायिक भवन मंडी परिसर में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजनों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाई व परामर्श दिया गया। शिविर में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विभागीय स्टॉलों का

अवलोकन कर आमजनों को योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश दिए। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित से किया गया।

विधायक कौशिक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है और जन समस्याओं का निरंतर समाधान किया जा रहा है। वहीं आमजनों की मांगों की जांच कर पात्रतानुसार लाभान्वित भी किया गया जा रहा है। उन्होंने आमजनों को शिविर का लाभ उठाते हुए पात्रतानुसार आवेदन प्रस्तुत करने प्रेरित किया। शिविर में 115 से अधिक हितग्राहियों को सामग्री प्रदान कर लाभान्वित किया गया, इनमें 25 हितग्राहियों को आवास निर्माण का कार्यादेश, 10 हितग्राहियों को राशनकार्ड, 06 हितग्राहियों को पोषण टोकरी व अन्नप्राशन कटोरी चम्मच, 01 को आईस बॉक्स एवं जाल, 07 आयुष्मान कार्ड, 10 को अरहर मिनी किट, 10 श्रम कार्ड, 10 फलदार पौधा, 08 केसीसी कर लाभान्वित किया गया। साथ ही बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 14 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

# मानसिक बीमारी से जूझ रहे युवक को मिला नया जीवन

**मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी**

कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एक युवक को नया जीवन मिला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि रायपुर जिले के धरसीवा क्षेत्र का 26 वर्षीय युवक कभी एक कुशल कार मैकेनिक था। मेहनती और सामान्य जीवन जीने वाला यह युवक अचानक मानसिक समस्याओं से जूझने लगा। उसका व्यवहार असामान्य हो गया। महीनों तक न नहाने और कपड़े नहीं बदलने के कारण उसकी हालत बेहद खराब हो गई। अलग-अलग स्थानों पर झाड़-फूंक और पारंपरिक उपचार से भी कोई लाभ नहीं हुआ।

इसी बीच किसी परिचित की सलाह पर परिवार युवक को जिला अस्पताल मुंगेली के मनोरोग विभाग लेकर पहुंचा। जांच में युवक के मानसिक रोग से पीड़ित होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद उसका नियमित उपचार और काउंसलिंग प्रारंभ की गई। कुछ ही महीनों में दवाओं और नियमित परामर्श का सकारात्मक असर दिखाई देने लगा। जो युवक पहले किसी से बात नहीं करता था, वह अब सामान्य रूप से बातचीत बाइक पर बैठाकर खुद इलाज कराने अस्पताल लेकर आता है। युवक के पिता ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने लगभग उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन जिला अस्पताल मुंगेली में मिले निःशुल्क उपचार, विशेषज्ञ परामर्श और संवेदनशील व्यवहार ने उनके बेटे को नई जिंदगी दी है। उन्होंने जिला अस्पताल, मनोरोग विभाग और पूरे स्वास्थ्य स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. संजय ओबेरॉय ने बताया कि जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम ऐसे परिवारों के लिए संबल है, जो मानसिक रोगों को लेकर भ्रांतियों और अंधविश्वास के कारण सही उपचार से दूर रहते हैं।

# चहेते ठेकेदार को लाभ पहुंचाने अधिक दर पर काम देने का आरोप

## ठेकेदार संघ ने की जशपुर में पुल निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग

**अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी**

छत्तीसगढ़ कान्ट्रेक्टर्स एसोसिएशन के सरगुजा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने जशपुर जिले में ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के अंतर्गत बन रहे दो पुल निर्माण कार्यों में गंभीर अनियमितता के आरोप लगाए हैं। संघ ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

बुधवार को अंबिकापुर नगर के होटल सीटी इन में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने आरोप लगाया कि अपने चहेते ठेकेदार को लाभ पहुंचाने 18.86 प्रतिशत के अधिक दर पर कार्य मेसर्स साई एसोसिएट्स को दे दिया गया, जिसके कारण सरकार पर कम से

कम 3 करोड़ रुपए का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। श्री मिश्रा ने आरोप लगाया है कि पुराने ठेकेदार का टेंडर साजिश के तहत निरस्त किया गया और मोटी कमीशन की राशि लेकर विभाग के अधिकारियों ने दूसरे ठेकेदार को टेंडर दिला दिया।मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए और आरोप लगाते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण की परियोजना क्रियान्वयन इकाई क्रमांक-1, जशपुर नगर द्वारा पैकेज क्रमांक छ्त्तस्स्क्क 07-22 के तहत सोगड़ा से मनोरा मार्ग तथा जरिया से कुजरी मार्ग पर लावा नदी में उच्च स्तरीय पुल और पहुंच मार्ग का निर्माण कराया जा रहा है। यह कार्य मेसर्स विजय सिंह को वर्ष 2022 में आवंटित किया गया था तथा इसकी पूर्णता तिथि 15 मार्च 2023 निर्धारित थी।संघ के अनुसार ठेकेदार द्वारा कोरोना की दूसरी लहर, डिजाइन परिवर्तन सहित अन्य कारणों का हवाला देते हुए समय वृद्धि की मांग की गई थी, जिस पर विभाग द्वारा जून 2024 तक समय वृद्धि प्रदान की गई। बाद में 4 जुलाई 2024 को विभाग ने अनुबंध निरस्त कर दिया। ठेकेदार द्वारा कई बार टेंडर पुनर्जीवित करने का आवेदन दिया गया। 30 सितंबर 2024 को कार्यपालन अभियंता ने कलेक्टर की अनुशंसा पर मुख्य अभियंता से कार्य पुनः उसी ठेकेदार से कराए जाने का आग्रह किया।

आरोप है कि मुख्य अभियंता द्वारा सुनवाई के लिए 112.80 लाख रुपये एल.डी. के रूप में जमा करने कहा गया, जबकि इसका प्रावधान अनुबंध में नहीं था।

संघ का कहना है कि मामले का निराकरण किए बिना विभाग ने दोबारा निविदा जारी कर 2 जनवरी 2025 को मेसर्स साई एसोसिएट्स को 18.86 प्रतिशत ऊपर दर पर कार्य आवंटित कर दिया, जबकि पूर्व ठेकेदार की दर 7.11 प्रतिशत कम थी।

# ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बंद रहीं मेडिकल दुकानें, बड़े आंदोलन की चेतावनी

**अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी**

ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के विरोध में बुधवार को ऑल इंडिया केमिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर आयोजित देशव्यापी हड़ताल का असर अंबिकापुर सहित सरगुजा जिले में भी दिखाई दिया। सरगुजा औषधि विक्रेता संघ के समर्थन में शहर की अधिकांश मेडिकल दुकानें बंद रहीं, जिससे दवा कारोबार प्रभावित रहा।

हड़ताल के दौरान केमिस्ट संघ के पदाधिकारियों ने ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री को जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बताया। उनका कहना था कि बिना पर्याप्त निगरानी और सत्यापन के ऑनलाइन दवाओं की आपूर्ति होने से नकली, एक्सपायरी या गलत दवाइयों के उपयोग का खतरा बढ़ रहा है। साथ ही युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की आशंका भी लगातार बढ़ती जा रही है।

संघ पदाधिकारियों ने कहा कि दवाओं जैसे संवेदनशील स्वास्थ्य उत्पादों की बिक्री केवल अधिकृत एवं पंजीकृत मेडिकल स्टोरों के माध्यम से ही की जानी चाहिए, ताकि दवाओं की

गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उनका कहना था कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिकने वाली दवाओं की गुणवत्ता और स्रोत को लेकर अब तक स्पष्ट और प्रभावी व्यवस्था नहीं बन पाई है।

सरगुजा औषधि विक्रेता संघ के कोषाध्यक्ष प्रकाश श्रीवास्तव ने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण के लिए प्रभावी नियम लागू करने की मांग की। वहीं संघ सदस्य नरेंद्र सिंह टुटेजा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो केमिस्ट संगठन अनिश्चितकालीन हड़ताल करने को मजबूर होगा।हड़ताल के दौरान मेडिकल व्यापारियों ने एकजुटता दिखाते हुए पारंपरिक दवा व्यवसाय की सुरक्षा और आम लोगों के स्वास्थ्य हितों को प्राथमिकता देने की मांग की।

# सुशासन तिहार शिविर में पहुंचे प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल, 319 आवेदन

**सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी**

सुशासन तिहार 2026 के तहत प्रतापपुर जनपद पंचायत के ग्राम चंदौरा में मंगलवार को जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिले के प्रभारी एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयालदास बघेल मुख्य रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा भी उपस्थित रहे।

शिविर में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। कुल 319 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 114 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए।

प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से सुशासन तिहार शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता के साथ धान खरीदी की गई है तथा समय पर भुगतान सुनिश्चित किया गया है। किसानों को मिट्टी परीक्षण कराने और शासन की योजनाओं के तहत खाद-बीज लेने के लिए प्रेरित किया गया।

मंत्री श्री बघेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना, फसल बीमा योजना, महतारी वंदन योजना, जल जीवन मिशन एवं नई औद्योगिक नीति की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जी राम जी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं।

इस दौरान आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए शैला एवं कर्मा दलों को 20-20 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की गई। साथ ही ग्राम चंदौरा में 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति भी दी गई।

# बाल विवाह के दो मामले, 11 पर अपराध दर्ज

**सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी**

जिले को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने के संकल्प के तहत जिला प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग की जांच के आधार पर दो अलग-अलग मामलों में कुल 11 लोगों के खिलाफ बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

जांच में यह सामने आया कि संबंधित लोगों द्वारा चोरी-छिपे नाबालिग बालिकाओं का विवाह कराया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल द्वारा दोनों मामलों की विस्तृत जांच कर प्रतिवेदन जिला कार्यक्रम अधिकारी को सौंपा गया। जांच के दौरान बालिकाओं के शैक्षणिक दस्तावेज, विवाह आमंत्रण पत्र, पंचनामा एवं कथनों के आधार पर बाल विवाह की पुष्टि हुई।

प्रतिवेदन के आधार पर जिला कार्यक्रम अधिकारी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

पहले प्रकरण में थाना प्रेमनगर पुलिस ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 9, 10 एवं 11 के तहत लड़का, लड़के के पिता, लड़की के पिता सहित कुल 9 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। यह कार्रवाई प्रभारी परियोजना अधिकारी की रिपोर्ट पर की गई।दूसरे मामले में चौकी चेन्द्रा (थाना झिलमिली) पुलिस ने लड़का एवं उसके पिता के खिलाफ धारा 9, 10 एवं 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। कार्रवाई परियोजना अधिकारी भैयाथान नितेन बेहरा की रिपोर्ट पर हुई।

जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति होने के साथ गंभीर दंडनीय अपराध भी है।

# जर्जर सड़क निर्माण की मांग, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

## 10 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

**लखनपुर, प्रतिदिन राजधानी**

सरगुजा जिला के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत कटकोना से पुहपुटरा, सिरकोतंगा होते हुए रजपुरीकला तक पहुंच मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने लखनपुर तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस प्रदेश सचिव रणविजय सिंहदेव के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में जल्द सड़क निर्माण की मांग की गई है।प्रदेश सचिव रणविजय सिंहदेव ने बताया कि कटकोना से पुहपुटरा, सिरकोतंगा होते हुए रजपुरीकला तक जाने वाला मार्ग वर्षों से बदहाल स्थिति में है। यह मार्ग एसईसीएल विश्रामपुर के अधीन आता है, लेकिन कई बार मांग किए जाने के बावजूद अब तक सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है। उन्होंने कहा कि सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क की खराब स्थिति के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसी समस्या को लेकर कांग्रेस पदाधिकारियों, जनपद सदस्यों और ग्रामीण प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से तत्काल सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को 10 दिनों का समय देते हुए चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय में सड़क निर्माण को लेकर ठोस पहल नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।वहीं, इस मामले में एसडीएम लखनपुर ने कहा कि ज्ञापन की जानकारी उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी तथा उनके निर्देश के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# गुंटूर से आए स्कूली छात्रों ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की

- उपराष्ट्रपति ने सरकारी स्कूलों में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया
- उपराष्ट्रपति ने छात्रों से कहा- 'ईमानदारी से कड़ी मेहनत करो, सफलता में विनम्र रहो'

**नई दिल्ली।** आंध्र प्रदेश में गुंटूर जिले के स्कूली छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सी.पी राधाकृष्णन से मुलाकात की।

सरकारी स्कूलों के 27 लड़कियों सहित 41 मेधावी छात्रों के इस समूह ने कक्षा 10 की परीक्षाओं में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया था और वर्तमान में वे दिल्ली के शैक्षिक दौरे पर हैं। सरकारी स्कूल के गरीब और वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को शैक्षिक दौरे पर दिल्ली लाने की पहल की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे दौरे छात्रों को कक्षा से बाहर सीखने और उनके ज्ञान का विस्तार करने में मदद करते हैं। उन्होंने छात्रों से बातचीत करके खुशी व्यक्त की।

सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि सभी सफल लोगों को जीवन में संघर्ष, असफलता और बाधाओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कठिनाइयां किसी व्यक्ति को अधिक मजबूत, अधिक आत्मविश्वासी और सफलता के प्रति अधिक दृढ़ संकल्पित बनाती हैं। छात्रों को अपनी वर्तमान आर्थिक स्थिति से निराश न होने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाएगी।

उपराष्ट्रपति ने छात्रों को याद दिलाया कि देश के कई महान वैज्ञानिक, प्रशासक, शिक्षक, नवप्रवर्तक, उद्यमी और राजनीतिज्ञ सरकारी स्कूलों और सार्वजनिक संस्थानों से ही निकले हैं।

सी.पी. राधाकृष्णन ने बताया कि उन्होंने भी एक सरकारी स्कूल में तमिल माध्यम में पढ़ाई की थी और इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा जीवन को बदलने, परिवारों को ऊपर उठाने, समुदायों को मजबूत करने और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देने का सबसे शक्तिशाली साधन है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सरकारी स्कूलों को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए और उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने सांसदों और विधायकों से सरकारी स्कूलों के सुधार और सुदृढ़ीकरण पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया।

पिछले एक दशक में देश की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक विकसित भारत के सपने की ओर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा में छात्रों के सपने और आकांक्षाएं भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। सी.पी. राधाकृष्णन ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि 41 मेधावी छात्रों में से 27 लड़कियां थीं। उन्होंने कहा कि यह देश में नारी सशक्तिकरण को दर्शाता है।

उपराष्ट्रपति ने छात्रों को मादक पदार्थों और हानिकारक व्यसनों से दूर रहने की सलाह दी, जिनमें सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग भी शामिल है। उन्होंने छात्रों से खेलकूद, पठन-पाठन और रचनात्मकता को प्राथमिकता देने तथा अपनी पढ़ाई, लक्ष्यों और परिवार एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

अपने संबोधन के समापन में, उपराष्ट्रपति ने छात्रों को तीन सिद्धांतों को हमेशा याद रखने की सलाह दीः ईमानदारी से कड़ी मेहनत करना, सफलता में विनम्र रहना और ज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए करना। उन्होंने सभी छात्रों को उज्ज्वल, सार्थक और सफल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्र शेखर और पश्चिम गुंटूर विधानसभा की सांसद श्रीमती गल्ला माधवी उपस्थित थीं।

## उपराष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आज उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संदेश में उपराष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में योगदान और राष्ट्र की सेवा में श्री राजीव गांधी के बलिदान को सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्मरण किया जाएगा।

# केरल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारी जोरों पर, महिलाओं के लिए समग्र स्वास्थ्य कार्यक्रम

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 की 32 दिवसीय तैयारी के हिस्से के रूप में, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के सहयोग से यंग विमेंस क्रिश्चियन एसोसिएशन (वाईडब्ल्यूसीए) कलाथिपाडी द्वारा ₹रजोनिवृत्ति के लिए योग - एक समग्र कल्याण मॉड्यूल₹ पर केंद्रित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में रजोनिवृत्ति के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में योग और आयुर्वेद की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में समुदाय के सदस्यों, योग अभ्यासकर्ताओं और स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस कार्यक्रम में रजोनिवृत्ति के दौरान स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए आयुर्वेदिक सिद्धांतों, शास्त्रीय योगिक अभ्यासों, प्राणायाम, विश्राम तकनीकों और ध्यान-आधारित उपायों को एकीकृत करने पर विषयगत सत्र शामिल थे।

इस सत्र में रजोनिवृत्ति को एक प्राकृतिक अवस्था के रूप में उजागर किया गया, जिसमें हार्मोनल, भावनात्मक और चयापचय संबंधी परिवर्तन शामिल होते हैं। सत्र में यह बताया गया कि योग शारीरिक आराम, भावनात्मक संतुलन, तनाव कम करने, बेहतर नींद और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में कैसे सहायक हो सकता है।

प्रतिभागियों को ताड़ासन, बद्ध कोणासन, बालासन, सेतु बंधासन, विपरीत करणी और शवासन सहित सौम्य योग की परंपराओं के साथ-साथ नाड़ी शोधन और भ्रामरी जैसी प्राणायाम तकनीकों से परिचित कराया गया, जो तंत्रिका तंत्र के संतुलन और मानसिक कल्याण में सहायता के लिए जाने जाते हैं।

इस कार्यक्रम में वात असंतुलन और धातु क्षय पर आयुर्वेदिक दृष्टिकोण को भी शामिल किया गया, जिसमें समग्र स्वास्थ्य के लिए सहायक आहार और जीवनशैली पर जोर दिया गया।

डॉ. मलयिल साबू कोशी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में भारत की वाईडब्ल्यूसीए, सीएमएस कॉलेज और कोट्टायम नगर प्रशासन के अन्य विशिष्ट अतिथि और वक्ता भी उपस्थित थे।

# रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री क्वोन ओह-यूल ने सियोल में भारतीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया

- यह स्मारक कोरियाई युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों के शौर्य, बलिदान और मानवीय योगदान को श्रद्धांजलि है

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री श्री क्वोन ओह-यूल ने 21 मई, 2026 को सियोल के इमजिनगैक पार्क में संयुक्त रूप से भारतीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया। कोरियाई युद्ध की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में निर्मित यह स्मारक, युद्ध के दौरान भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस और कस्टोडियन फोर्स ऑफ इंडिया (सीएफआई) के साहस, बलिदान और मानवीय सेवा को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

दोनों मंत्रियों ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन बहादुर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जिनकी सेवा को कोरिया गणराज्य के लोग आज भी गहरे सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद करते हैं।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और मानवीय सहायता के क्षेत्र में भारत के अमिट योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का साझा इतिहास और बलिदान भारत-कोरिया विशेष रणनीतिक साझेदारी की मजबूत नींव बने हुए हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों की भूमिका को याद करने से लोगों के बीच आपसी समझ मजबूत होती है और दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों पर नए सिरे से ध्यान जाता है। स्मारक की स्थापना में बहुमूल्य सहयोग के लिए उन्होंने कोरिया गणराज्य की सरकार, विशेष रूप से पूर्व सैनिक मामलों के मंत्रालय के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री ने कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की भूमिका की सराहना की। उन्होंने भारतीय सैनिकों के बलिदान और मानवीय सेवा के माध्यम से निर्मित अटूट मित्रता के बंधन को स्वीकार किया।

कोरियाई युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों को सम्मानित करने और उनके बीच आदान-प्रदान को मजबूत करने के उद्देश्य से दोनों मंत्रियों ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सैनिकों के निस्वार्थ बलिदान की स्मृति में एक संस्मरण भी जारी किया गया।

कोरियाई युद्ध के दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) ए.जी. रंगराज (महावीर चक्र विजेता) के नेतृत्व में 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस ने भीषण गोलीबारी के बीच हजारों घायल सैनिकों और नागरिकों की उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा और उपचार करके व्यापक प्रशंसा अर्जित की थी। उनके अद्वितीय साहस और मानवीय दृष्टिकोण के लिए उन्हें घायल सैनिकों और नागरिकों द्वारा 'मरून एंजल्स' की उपाधि से नवाजा गया।

युद्धविराम के बाद भी भारत ने सीएफआई के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे तटस्थ राष्ट्र प्रत्यावर्तन आयोग (एनएनआरसी) के तहत जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। 1953 में कोरियाई युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर के बाद युद्धबंदियों के मानवीय प्रत्यावर्तन और हिरासत को सुविधाजनक बनाने के लिए लेफ्टिनेंट जनरल के.एस. थिमैया के नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता में एनएनआरसी की स्थापना की गई थी।

सीएफआई ने इस संवेदनशील और जटिल जिम्मेदारी को पेशेवरता, निष्पक्षता और करुणा के साथ निभाया, जिसके लिए उसे कोरियाई प्रायद्वीप में शांति, सुलह और मानवीय सिद्धांतों में योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति मिली। लेफ्टिनेंट जनरल थिमैया का विशिष्ट नेतृत्व और कूटनीतिक कुशलता कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की रचनात्मक और शांतिप्रिय भूमिका का एक स्थायी प्रतीक बनी हुई है।

## यूएन में भारत ने की पाकिस्तान की आलोचना, रमजान में अफगान नागरिकों पर किए हमलों को बताया अमानवीय

**संयुक्त राष्ट्र।** भारत ने पाकिस्तान की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह एक तरफ अंतरराष्ट्रीय कानून की बात करता है जबकि दूसरी तरफ अफगानिस्तान में आम नागरिकों को बेरहमी से मारता है। यह हमले इस्लाम के पवित्र महीने रमजान के दौरान किए गए और उन लोगों को निशाना बनाया गया जो शाम की नमाज के बाद मस्जिद से बाहर निकल रहे थे। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने सुरक्षा परिषद में कहा कि अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने बताया है कि 2026 के पहले तीन महीनों में पाकिस्तान की सेना की ओर से की गई सीमा पार सैन्य कार्रवाई में 750 आम नागरिक मारे गए या घायल हुए। इनमें ज्यादातर घटनाएं हवाई हमलों की वजह से हुईं। चीन की अध्यक्षता में आयोजित सशस्त्र संघर्ष में नागरिकों की सुरक्षा विषय पर खुली बहस में हिस्सा लेते हुए हरीश ने पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद के भारत विरोधी बयान का जवाब दिया। पाकिस्तान ने इस दौरान कश्मीर का मुद्दा उठाया था।

हरीश ने कहा, दुनिया पाकिस्तान के प्रचार को अच्छी तरह समझती है। उसमें न भरोसा है, न कानून का सम्मान और न ही नैतिकता।

उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि पाकिस्तान, जिसका इतिहास नरसंहार जैसे अपराधों से भरा हुआ है, भारत के पूरी तरह आंतरिक मामलों पर टिप्पणी कर रहा है। यह बेहद पाखंड है कि एक तरफ अंतरराष्ट्रीय कानून की बड़ी-बड़ी बातें की जाएं और दूसरी तरफ अंधेरे में मासूम नागरिकों को निशाना बनाया जाए। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने यूएनएएमए की दस मई को जारी रिपोर्ट अफगानिस्तान में सीमा पार नागरिक हताहत का हवाला देते हुए अफगानिस्तान के एक नशा मुक्ति केंद्र पर हुए हमले का जिक्र किया।

# सेबी, एनआईएसएम और आईआईसीए ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस, ईएसजी और पूंजी बाजार को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

- साझेदारी का उद्देश्य वित्तीय और कॉर्पोरेट विनियमन के प्रमुख क्षेत्रों में ज्ञान के आदान-प्रदान, अनुसंधान, नीतिगत समर्थन और सहयोग बढ़ाना

**नई दिल्ली।** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड – सेबी द्वारा स्थापित राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान – एनआईएसएम और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स – आईआईसीए ने देश में कॉर्पोरेट गवर्नेंस, किसी कंपनी के संचालन, स्थिरता और नैतिक प्रथाओं के मूल्यांकन के वैश्विक ढांचे पर्यावरण, सामाजिक और शासन - ईएसजी और पूंजी बाजारों को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

ये दोनों संस्थान संयुक्त रूप से क्षमता विकास कार्यक्रम, प्रमाणन पाठ्यक्रम, कार्यकारी शिक्षा मॉड्यूल और प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करेंगे और उन्हें कार्यान्वित करेंगे, जिनमें सेबी के अधिकारियों और अन्य नियामक और वित्तीय क्षेत्र के संस्थानों के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

इस समझौता ज्ञापन पर 19 मई 2026 को मुंबई में हस्ताक्षरित किया गया, जिसमें सेबी अध्यक्ष श्री तुहिन कांत पांडे उपस्थित थे।

सेबी अध्यक्ष ने प्रदर्शन-आधारित कॉर्पोरेट गवर्नेंस परितंत्र निर्मित करने के महत्व पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को पूंजी बाजारों तक पहुंच प्रदान करना, स्थिरता संबंधी खुलासों (कंपनियों द्वारा अपने पर्यावरणीय, सामाजिक और शासन प्रदर्शन से जुड़े गैर-वित्तीय प्रभाव, जोखिम और अवसरों को सार्वजनिक करने की प्रक्रिया) सुदृढ़ करना और उभरते नियामक क्षेत्रों में साक्ष्य-आधारित ज्ञान को बढ़ावा देना है।

आईआईसीए के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह द्वारा यह सहयोग विचारित किया गया है। उन्होंने कॉर्पोरेट गवर्नेंस, ईएसजी, दायित्वपूर्ण व्यावसायिक आचरण आदि क्षेत्रों में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स की महत्वपूर्ण पहल में उल्लेखनीय भूमिका भूमिका निभाई है और राष्ट्रीय विकास एजेंडा के साथ उन्हें जोड़ा है।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज़ मार्केट्स - एनआईएसएम के निदेशक श्री शशि कृष्णन भी मौजूद थे। समझौता ज्ञापन पर एनआईएसएम की रजिस्ट्रार सुश्री योगिता जाधव और आईआईसीए के स्कूल ऑफ बिजनेस एनवायरनमेंट की प्रमुख डॉ. गरिमा दाधिच ने हस्ताक्षर किए।

इस समझौता ज्ञापन के तहत प्रतिभूति बाजारों, स्थिरता और ईएसजी रिपोर्टिंग, व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्टिंग – बीआरएसआर जैसे क्षेत्रों में जानकारी आदान-प्रदान, क्षमता विकास, अनुसंधान, नीतिगत समर्थन और संस्थागत सहयोग सुदृढ़ करने के लिए दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग स्थापित करता है।

इसके अलावा, देनदारियों का भुगतान करने में असमर्थता, निवेशकों को शिक्षा, मूल्यांकन, दायित्वपूर्ण निवेश, सतत वित्त, बोर्ड प्रशासन, बाजार साख, एमएसएमई और उभरते नियामक ढांचे जैसे क्षेत्रों में भी इन दोनों संस्थानों का सहयोग होगा।

दोनों संस्थान अनुसंधान, नीति अध्ययन, पाठ्यक्रम निर्माण और सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रसार में सहयोग करेंगे। साझेदारी के तहत प्रमुख सम्मेलन संयुक्त रूप से आयोजित करना, संकायों का आदान-प्रदान, प्रकाशन आदि का भी विचार है।

यह सहयोग भारत के प्रतिभूति बाजारों और कॉर्पोरेट क्षेत्र के लिए सुशासित, समावेशी और ज्ञान-आधारित पारितंत्र निर्मित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

### धमतरी के पीपरछेड़ी समाधान शिविर में मंत्री टंक राम वर्मा ने मौके पर किया जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण

# सरकार गांव, गरीब और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित-मंत्री टंक राम वर्मा

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आम जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए चलाए जा रहे 'सुशासन तिहार–2026' के अंतर्गत आज धमतरी जिले में विकासखंड स्तरीय समाधान शिविरों का भव्य आयोजन किया गया। इस महाअभियान के तहत कुरूद विकासखंड के ग्राम चोरभट्ठी में नौवां और धमतरी विकासखंड के ग्राम पीपरछेड़ी में दसवां समाधान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ग्राम पीपरछेड़ी में आयोजित विशाल क्लस्टर शिविर में प्रदेश के राजस्व, आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार पूरी तरह से गांव, गरीब और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे। सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रथम कैबिनेट बैठक में ही 18 लाख गरीब परिवारों के लिए पक्के मकान स्वीकृत किए गए हैं और आवास प्लस योजना की पात्रता में ढील देकर अधिक से अधिक जरूरतमंदों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, समय पर बोनस वितरण, महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को मिल रहे आर्थिक संबल और रामलला दर्शन व मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियों का जिक्र करते हुए ग्रामीणों से इन योजनाओं का खुलकर लाभ उठाने की अपील की।

पीपरछेड़ी क्लस्टर के अंतर्गत आने वाली पीपरछेड़ी, डाही, अंगारा, हंकारा, सेमरा डी, सेंचुवा, बिजनापुरी, बोड़रा, पुरी, धौराभाठा, लिमतरा, गागरा, सांकरा, सम्बलपुर, सेहराडबरी, भोथली, कंडेल, नवागांव, बिरेतरा, छाती और शंकरदाह सहित कुल 22 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

शिविर के दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं, मांगों और शिकायतों से जुड़े कुल 3,021 आवेदन प्रस्तुत किए, जिनमें से 164 संवेदनशील मामलों का विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके पर ही त्वरित निराकरण कर आम जनता को बड़ी राहत दी गई। शेष आवेदनों को भी समय–सीमा के भीतर निराकृत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने प्रशासनिक तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल 40 समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें अब तक 10 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं और इन शिविरों के माध्यम से शासन की लगभग 120 प्रकार की आवश्यक सेवाएं सीधे ग्रामीणों के घर–द्वार तक पहुंचाई जा रही हैं।

### समन्वय साहित्य परिवार का बृहद साहित्यकार सम्मेलन सम्पन्न

# डॉ. पालेश्वर शर्मा छत्तीसगढ़ी गद्य सम्मान से विजय मिश्रा विभूषित

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)**

छत्तीसगढ़ी भाषा के गद्य जगत के युग प्रवर्तक डॉ. पालेश्वर शर्मा की 98 वीं जयंती पर बृहद साहित्यकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा के आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा,अध्यक्ष डॉ. चित रंजन कर,रविशंकर विश्वविद्यालय के साहित्य भाषा अध्ययन शाला के पूर्व अध्यक्ष तथा विशिष्ट अतिथि की आसंदी से छत्तीसगढ़ विधानसभा के सचिव दिनेश मिश्रा, पाणिनीय शोध संस्थान की अध्यक्षा डॉ.पुष्पा दीक्षित, पूर्व विधायक चंद्रप्रकाश वाजपेई, विदूषी लेखिका सरला शर्मा एवं प्रख्यात नवगीतकार डॉ अजय पाठक शामिल हुए।

सम्मेलन में ऋषि– कृषि संस्कृति के उपासक,भाषाविद् कीर्तिशेष डॉ.पालेश्वर की स्मृति में पहला छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य सम्मान विजय मिश्रा 'अमित' को दिया गया। उनकी पचास वर्षीय साहित्य साधना का मूल्यांकन करते हुए समन्वय साहित्य परिवार के प्रबुद्ध निर्णायक मंडल ने विजय मिश्रा का चयन किया।पुरस्कार के अंतर्गत सम्मान राशि 5001/ रुपए के साथ ही प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह एवं शाल– श्रीफल से उन्हें सम्मानित किया गया।इसी क्रम में डॉ. पालेश्वर शर्मा स्मृति समन्वय रत्न अलंकरण सरला शर्मा एवं शशि दुबे को तथा आत्मीय सारस्वत सम्मान राजेश चौहान को दिया गया।

सम्मेलन के आरंभ में संस्था के प्रदेशाध्यक्ष डॉ देवधर महंत ने डॉ पालेश्वर शर्मा के व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला। आगे मंचासीन अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कीर्तिशेष डॉ शर्मा को छत्तीसगढ़ी साहित्य–संस्कृति ध्वजवाहक –उपासक, छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य का युग प्रवर्तक बताया।उनकी रचनाओं को कालजयी और नवपीढ़ी के लिए पथ–प्रदर्शक निरूपित किया।आभार प्रदर्शन संस्था के केंद्राध्यक्ष डॉ गंगाधर पटेल ने किया।

सम्मेलन में डॉ शर्मा लिखित किताब छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं परंपरा, गुड्डी के गोठ, समन्वय वार्षिक पत्रिका, सरला शर्मा की किताब रात जगा पाखी उवॉच, डॉ बरसाईत दास महंत रचित महाभारत काल में नारी तथा सम्पादक डॉ देवधर महंत की किताब कीर्तिशेष डॉ पालेश्वर का लोकार्पण विमोचन भी हुआ।

## विधायक भावना बोहरा के प्रयास ला रहे बड़े बदलाव, धर्मांतरण पर कड़ा प्रहार

## पास्टर सहित वनांचल क्षेत्र के छः गाँव के 200 लोगों ने की मूल धर्म में घर वापसी

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)**

पंडरिया विधानसभा के वनांचल ग्राम पिपरहा, छिरहा और कुल्हीडोंगरी में अब धर्म सभाएं नहीं होंगी जो अपने निजी स्वार्थ के लिए धर्मांतरण कराने वाले लोगों की मंशा पर कड़ा प्रहार है। आज ग्राम बूचीपारा में इन गाँव में धर्म सभा लगाने वाले पास्टर सहित 6 गाँव के 200 लोगों ने अपने मूल धर्म में घर वापसी की। विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में वनांचल क्षेत्रों में विकास, सांस्कृतिक जागरण और जनजागरण के प्रयास लगातार नई दिशा दे रहे हैं। वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, छात्रावास, पेयजल एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ–साथ अपनी संस्कृति, परंपरा और आस्था के संरक्षण हेतु भी व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इन्हीं सतत प्रयासों का परिणाम है कि पंडरिया विधानसभा आज धर्मांतरण के खिलाफ सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की मजबूत मिसाल बनकर उभर रहा है। इसी कड़ी में आज पंडरिया विधानसभा के वनांचल ग्राम बूचीपारा में विधायक भावना बोहरा द्वारा आयोजित सांस्कृतिक गौरव सम्मलेन एवं अभिनंदन समारोह में वनांचल क्षेत्रों में धर्म सभा का आयोजन करने वाले पास्टर (पादरी) सहित ग्राम छिरहा, पीपरहा, कुल्हीडोंगरी, जामुनपानी, नागाडबरा और नवापारा के 200 आदिवासी परिवार के सदस्यों ने अपने मूल धर्म में घर वापसी करते हुए अपनी संस्कृति,सभ्यता और स्वाभिमान की जड़ों से जुड़ें। पारंपरिक रीति–रिवाजों एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विधायक भावना बोहरा ने जनजाति समाज के लोगों का अभिनंदन एवं स्वागत कर उनके पैर पखारकर उनके मूल धर्म में वापसी कराया।

विदित हो कि इससे पूर्व पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्र नेऊर के आस–पास के गांव से 115, कुई–कुकदुर क्षेत्र से 70, ग्राम दमगढ़ में 50 एवं ग्राम कुल्हीडोंगरी में 140 आदिवासी नागरिकों ने घर वापसी की है, इस तरह अब तक पंडरिया विधानसभा के 575 से अधिक आदिवासी समाज के लोगों ने अपने मूल धर्म में प्रवेश किया है, जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि पंडरिया विधानसभा में विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व और भाजपा सरकार की विकास नीतियों से प्रभावित होकर आदिवासी समाज अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं से पुनः जुड़ने के लिए आगे आ रहा है।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज पंडरिया विधानसभा की पहचान केवल विकास कार्यों से ही नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण से भी हो रही है। वर्षों से वनांचल क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से धर्मांतरण का प्रयास किया गया, जिससे आदिवासी समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने का काम हुआ। लेकिन अब समाज जागरूक हो रहा है और अपनी संस्कृति एवं मूल आस्था की ओर लौट रहा है। भाजपा सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास और सांस्कृतिक चेतना दोनों को समान प्राथमिकता दी जा रही है। वनांचल क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, छात्रावास, पेयजल, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर बढ़ने से आदिवासी समाज का सरकार पर विश्वास मजबूत हुआ है। यही कारण है कि अब लोग किसी प्रलोभन या भ्रम में नहीं आ रहे, बल्कि अपनी जड़ों और परंपराओं से पुनः जुड़ने का संकल्प ले रहे हैं। यह उन लोगों की नकारात्मक मंशा और अपने निजी स्वार्थ के लिए धर्मान्तरण कराने वाले लोगों पर कड़ा प्रहार है जो हमारे छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों की सांस्कृतिक पहचान को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

## खेल उत्कर्ष योजना, खेल कैलेंडर एवं प्रतिभा पहचान को लेकर राज्य खेल संघों के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

**रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)**

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आज अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम स्थित खेल संचालनालय के सभाकक्ष में राज्य स्तरीय खेल संघों के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक खेल सचिव श्री यशवंत कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में खेल संचालक श्रीमती तनुजा सलाम सहित राज्य स्तरीय खेल संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे.

बैठक में खेल गतिविधियों के सुव्यवस्थित संचालन एवं खिलाड़ियों के विकास से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। खेल सचिव द्वारा सभी खेल संघों को शीघ्र वार्षिक खेल कैलेंडर तैयार कर संचालनालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि राज्य स्तर पर खेल गतिविधियों का समन्वित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में खेल संघों से उनकी संबंधित खेल विधाओं के शीर्ष 100 खिलाड़ियों की जानकारी खेल विधाओं के आधार पर संधारित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी जिलों में जिला स्तरीय खेल संघों के गठन एवं पंजीयन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि खिलाड़ियों को इसका सीधा लाभ मिल सके। जिला स्तर पर खेल गतिविधियों के बेहतर संचालन एवं खिलाड़ियों को अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए खेल संघों की सक्रिय भूमिका पर विशेष जोर दिया गया।

## राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत 332 पदों पर संविदा भर्ती 29 मई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

**रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत जिला राजनांदगांव, मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी तथा खैरागढ़–छुईखदान–गण्डई जिले में आरओपी 2025–26 के तहत स्वीकृत मानव संसाधन के कुल 22 कैडर में 332 पदों पर संविदा भर्ती की जाएगी। उक्त पदों के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से 29 मई 2026 शाम 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से संपादित की जाएगी। पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथि एवं समय सीमा के भीतर govthealth.cg.gov.in के माध्यम से अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पूर्व भर्ती संबंधी दिशा–निर्देशों एवं पात्रता संबंधी जानकारी का भली–भांति अवलोकन करने की सलाह दी गई है।

## स्कोलास्टिक अवॉर्ड्स : न्यू एंटरप्राइज क्रिएशन में स्कोलास्टिक प्रदर्शन के लिए दाह्याभाई छोटालाल चैरिटी फाउंडेशन प्रायोजित स्वर्ण पदक

**एजेंसी, अहमदाबाद**

सौभाग्यवर्धन शुक्ला–

रीवर्क पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, जो एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो सेवानिवृत्त व्यक्तियों को लचीले रोजगार अवसरों, परियोजना–आधारित कार्य और मेंटरशिप भूमिकाओं से जोड़कर विभिन्न पीढ़ियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है, साथ ही उनके अनुभव और ज्ञान के सार्थक उपयोग को सुनिश्चित करता है।

न्यू एंटरप्राइज क्रिएशन में स्कोलास्टिक प्रदर्शन के लिए दाह्याभाई छोटालाल चैरिटी फाउंडेशन (रेमिक) प्रायोजित रजत पदक

### अंशिका गुप्ता

टीएएनबी वर्चुअल इन्फ्रा पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, जो एक स्थानीयकृत इंफ्रास्ट्रक्चर–एज़–ए–सर्विस (आईएएएस) प्लेटफॉर्म है, जिसे भारतीय एमएसएमई और सरकारी उद्यमों के लिए सुरक्षित, स्केलेबल और किफायती डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।.

फैमिली बिजनेस मैनेजमेंट में स्कोलास्टिक प्रदर्शन के लिए दाह्याभाई छोटालाल चैरिटी फाउंडेशन (रेमिक) प्रायोजित स्वर्ण पदक

दर्शन संघाणी

चेत्सा बाथवेयर प्राइवेट लिमिटेड, जामनगर, गुजरात के लिए 5 वर्षीय परिप्रेक्ष्य विकास योजना। यह एक बाथ फिटिंग्स निर्माण कंपनी है, जो प्रीमियम गुणवत्ता वाले फॉसेट्स, शॉवरहेड्स और बाथरूम एक्सेसरीज़ उपलब्ध कराने पर केंद्रित है, जिनमें टिकाऊपन, कार्यक्षमता और आधुनिक सौंदर्यशास्त्र का समावेश है।

फैमिली बिजनेस मैनेजमेंट में स्कोलास्टिक प्रदर्शन के लिए दाह्याभाई छोटालाल चैरिटी फाउंडेशन (रेमिक) प्रायोजित रजत पदक

धनंजय डांगरिया

डीएनडी इंडस्ट्रीज, राजकोट, गुजरात के लिए 5 वर्षीय परिप्रेक्ष्य विकास योजना। यह कंपनी सबमर्सिबल पंप पार्ट्स, इंडस्ट्रियल फास्टनर्स, एसएस पाइप्स तथा प्रिसीजन–इंजीनियर्ड औद्योगिक कंपोनेंट्स के निर्माण से जुड़ी हुई है, जो निर्माण, फूड प्रोसेसिंग, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और ऑटोमोटिव उद्योग जैसे क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

पीजीडीएम–आईईवी में स्कोलास्टिक प्रदर्शन के लिए ईडीआईआई प्रायोजित स्वर्ण पदक।

चेल्लप्पन वल्लियप्पन –ऑनएसएलआर पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, जो एक एआई–संचालित एनालिटिक्स और सॉफ्टवेयर कंसल्टिंग प्लेटफॉर्म है, और स्केलेबल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन तथा डेटा–आधारित व्यावसायिक समाधान प्रदान करता है।

पीजीडीएम–ऑनलाइन में स्कोलास्टिक प्रदर्शन के लिए ईडीआईआई प्रायोजित स्वर्ण पदक

**अरुण चलोत्रा** – हिमालयन ग्रीन पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, जो एक एग्रोटेक पहल है और हिमालयी तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में जलवायु–अनुकूल एवं सतत कृषि हस्तक्षेपों को बढ़ावा देती है।

**ईडीआईआई प्रेसिडेंट्स एलुमनस अवॉर्ड 2026**

ईडीआईआई प्रेसिडेंट्स एलुमनस अवॉर्ड 2026 – बिजनेस एंटरप्रेन्योर

श्री कक्षील पटेल

निदेशक, राजेश पावर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड एवं निदेशक, इंटेलीसोलर

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम 2017–2019

श्री कक्षील पटेल, राजेश पावर सर्विसेज लिमिटेड (आरएसपीएल) के निदेशक, अहमदाबाद, गुजरात से, तीसरी पीढ़ी के उद्यमी हैं, जिन्होंने कंपनी की विकास यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में, कंपनी ने 'ऊर्जा आत्मनिर्भरता ङ्क विकसित गुजरात 2047' पहल के अंतर्गत गुजरात सरकार के साथ 4,754 करोड़ मूल्य के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। अपनी विकास यात्रा को और मजबूत करते हुए, राजेश पावर सर्विसेज लिमिटेड ने 160.47 करोड़ का सफल आईपीओ लॉन्च किया, जिसे दिसंबर 2024 में बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया गया।

ईडीआईआई प्रेसिडेंट्स एलुमनस अवॉर्ड 2026 – सोशल एंटरप्रेन्योर

### सुश्री सुजाता गोस्वामी

**एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, सर्व शांति आयोग**

**पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम 2004–2005**

सुजाता गोस्वामी, सर्व शांति आयोग (एसएसए) की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। यह कोलकाता स्थित एक गैर–लाभकारी संगठन है, जो समावेशी और सतत विकास पर केंद्रित है। दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्हें एंटरप्राइज डेवलपमेंट, फेयर ट्रेड प्रथाओं तथा सतत वैल्यू चेन निर्माण में विशेषज्ञता हासिल है।

## मणिपुर में 67 हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद, चार उग्रवादी गिरफ्तार

**एजेंसी, इंफाल**

मणिपुर पुलिस और संयुक्त सुरक्षा बलों ने राज्य में हथियारों की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 67 हथियारों और भारी मात्रा में गोला–बारूद बरामद किया है। इस अभियान के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूएनएलएफ (पी) से जुड़े चार आरोपितों को भी गिरफ्तार किया गया।

पुलिस द्वारा गुरुवार को जारी बयान के अनुसार, 20 मई को सुरक्षा एजेंसियों को लामशांग क्षेत्र में लूटे गए हथियारों और गोला–बारूद की बिक्री की कोशिशों की विश्वसनीय सूचना मिली थी। इसके बाद लामशांग थाना क्षेत्र के लामदेंग इलाके में आज विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने यूएनएलएफ (पी) के दो सक्रिय कैडरों – मायांग इंफाल कोकचाई निवासी हेशनाम थॉमस सिंह (29) तथा लामशांग हेइबोंगपोकपी मयाई लेइकाई निवासी अरामबाम टॉमटॉम सिंह (29) को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से एक इंसास लाइट मशीन गन (एलएमजी), तीन इंसास एलएमजी मैगजीन और 14 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस के मुताबिक, अभियान के दौरान गिरफ्तार आरोपितों के कुछ सहयोगियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद कुछ समय तक दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। इसके बाद निंगथौजाम राकेश सिंह और चिंगाखाम महेश सिंह नामक दो अन्य व्यक्तियों को सुरक्षा बलों पर हमला करने के आरोप में हिरासत में लिया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वे यूएनएलएफ (पी) के स्वयंभू लांस कॉर्पोरल नाओरेम बिजॉय उर्फ माचा के निर्देश पर हथियार बेचने आए थे। पूछताछ में उनके पहले भी लूटे गए हथियारों और गोला–बारूद की बिक्री में शामिल होने की बात सामने आई है।

आरोपितों से मिली जानकारी के आधार पर मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने लामदेंग स्थित यूएनएलएफ (पी) के एक कथित अवैध कैंप में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान 29 हथियार बरामद किए गए, जिनमें एके सीरीज राइफल, एम सीरीज राइफल, पिस्तौल और अन्य हथियार शामिल हैं।

इसके बाद 21 मई को ही चलाए गए एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने 38 अतिरिक्त हथियारों के साथ भारी सैन्य उपकरण भी बरामद किए। जब्त सामग्री में एके सीरीज राइफल, एम सीरीज राइफल, स्नाइपर राइफल, कार्बाइन, शॉटगन, मोर्टार, आरपीजी–7 लॉन्चर, एंटी–ड्रोन जैमर तथा बड़ी मात्रा में विस्फोटक शामिल हैं।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771–2223399, मो.–6262904444